राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी... | मुझे भरोसा था कि जीत दिला सकता ... 11

वर्ष : 16 ■ अंक : 93 ■ नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की याचिका पर 8 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 8 अगस्त को केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश देने की मांग याचिका पर सुनवाई करेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस याचिका को सीजेआई वीआर गवई के सामने उठाया और आग्रह किया कि इसे तय तिथि 8 अगस्त की सूची से हटाया न जाए। न्यायमूर्ति गवई ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। यह मामला धारा 370 के निरस्तीकरण से संबंधित है, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा मिला था। यह याचिका उस पुराने मामले से जुड़ी एक मिक्स्ड एप्लिकेशन के रूप में दायर की गई है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2023 में अपने ऐतिहासिक फैसले में धारा 370 को हटाने को वैध ठहराया था। हालांकि उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता पर कोई टिप्पणी नहीं की थी, क्योंकि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वस्त किया था कि राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल किया

जाएगा। कोर्ट ने उस समय कहा था कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए, लेकिन कोई ठोस समयसीमा तय नहीं की गई थी।

इस मामले में ताजा याचिका एक कॉलेज के शिक्षक जाहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक द्वारा दायर की गई है। यह याचिका एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड एजाज मकबूल के जरिए से दायर की गई है। याचिकाकताओं का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसला आए करीब 11 महीने बीत चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जबकि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्ण तरीके से हो चुके हैं।

बता दें इधर सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठकों से अटकलें तेज हो गई हैं कि केंद्र सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकती है। रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हुई मुलाकातों और मंगलवार सुबह एनडीए सांसदों की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दी है। सोमवार को संसद भवन परिसर में हुई अहम बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका और गृह सचिव गोविंद मोहन शामिल हुए थे।

इस बैठक से जुड़ी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। अब निगाहें 8 अगस्त की सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, जहां यह साफ हो सकता है कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा देने के लिए क्या रोडमैप तय करती है।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,03,105
चांदी	1,25,000
सेंसेक्स	80,170
निफ्टी	24,649

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन हो गया है। उनका लंबे समय दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। वह जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय जैसे राज्यों में गवर्नर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। छात्र राजनीति से करियर की शुरूआत करने वाले सत्यपाल मलिक समाजवादी विचारधारा से निकले नेता थे। एक सांसद से लेकर गवर्नर तक का सफर तय करने वाले सत्यपाल मलिक आखिरी कुछ सालों में भाजपा से जुड़े थे और कई राज्यों में गवर्नर के तौर पर सेवाएं दीं।

लाल किले की सुरक्षा में बड़ी चूक, पांच अवैध बांग्लादेशी पकड़ाए!

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले, जहां हर साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराया जाता है, वहां गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। पुलिस ने पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लाल किले में जबरन घुसने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया। मॉक ड्रिल के दौरान नकली बम को न पकड़ पाने के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। पकड़े गए पांचों युवक बांग्लादेश के अवैध नागरिक हैं। इनकी उम्र करीब 20 से 25 बताई जा रही है। वे दिल्ली में मजदूरी का काम करते थे और उनके पास से कोई वैध कागजात नहीं मिला है। पुलिस को इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज भी मिले हैं।

फिलीपींस के राष्ट्रपति का हुआ राष्ट्रपति भवन में जोरदार स्वागत

मार्कोस ने कहा- भारत की यह यात्रा साझेदारी को और मजबूत करेगी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह राजकीय यात्रा भारत और फिलीपींस के बीच बढ़ती साझेदारी की पुष्टि करती है। पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फिलीपींस के राष्ट्रपति सोमवार को भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। मार्कोस ने कहा कि यह यात्रा उस गठबंधन और साझेदारी को हम मजबूत कर रहे हैं। पहले हमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र कहा जाता था, अब हमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र कहा जाता है, जो राजनीति, व्यापार और अर्थव्यवस्था की वैश्विक प्रकृति के कारण उस समझ का सही विकास है। उन्होंने कहा कि हम यहां भारत और फिलीपींस की साझेदारी को और बेहतर बनाने के लिए और निश्चित रूप से उन अनेक अवसरों का लाभ उठाने के लिए आए हैं, जो पिछले कुछ सालों में नई तकनीकों और वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा हमारे आसपास की भू-राजनीति में बदलती स्थिति के कारण उत्पन्न हुए हैं। इसके बाद फिलीपींस के राष्ट्रपति राजघाट गए और उन्होंने वहां महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। सोमवार को केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने एयरपोर्ट पर फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि उनकी यात्रा भारत और फिलीपींस के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस का

भारत की पहली राजकीय यात्रा पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर से मुलाकात की थी। उन्होंने विश्वास जताया था कि मंगलवार को पीएम मोदी के साथ उनकी बातचीत दोनों देशों के संबंधों को और गहरा और मजबूत करेगी। फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ प्रथम महिला मैडम लुईस अरनेटा मार्कोस भी आई हैं। फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर मंगलवार को पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात करेंगे। बुधवार को राजधानी में उनके कई कार्यक्रम होंगे और गुरुवार को वे फिलीपींस लौटने से पहले बेंगलुरु भी जाएंगे।

पीएम ने हैदराबाद हाउस में फिलीपींस के राष्ट्रपति का किया स्वागत

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति आर. मार्कोस जूनियर पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आए हुए हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने स्वागत की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्व पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में फिलीपींस के राष्ट्रपति आर. मार्कोस का गर्मजोशी से स्वागत किया। इंडिया और फिलीपींस के साथ हमारे संबंध सभ्यतागत और ऐतिहासिक हैं।' उन्होंने आगामी दिनों में फिलीपींस के साथ होने वाली चर्चाओं का भी जिक्र किया। कहा कि हमारी स्थायी मित्रता और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से चर्चाएं व्यापक होंगी। इससे पहले फिलीपींस के राष्ट्रपति का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'फिलीपींस के राष्ट्रपति आर. मार्कोस का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर गार्ड ऑफ ऑनर और औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गर्मजोशी से स्वागत किया।' इस दौरान आर. मार्कोस ने कहा कि यह राजकीय यात्रा भारत और फिलीपींस के बीच बढ़ती साझेदारी की पुष्टि करती है। पत्रकारों से बात करते हुए, मार्कोस ने कहा, 'यह यात्रा उस गठबंधन और साझेदारी की दोबारा पुष्टि है जिसे हम मजबूत कर रहे हैं। पहले हमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र कहा जाता था, अब हमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र कहा जाता है, जो राजनीति, व्यापार और अर्थव्यवस्था की वैश्विक प्रकृति के कारण उस समझ का सही विकास है।'

संसद में मिलकर उठाएंगे जनता के मुद्दे : राहुल गांधी

प्रात : किरण, एजेंसी

■ पार्टी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि वर्तमान न्यायाधीश ने एक असाधारण टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकतांत्रिक अधिकारों के विरुद्ध है।

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मंगलवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की संसद भवन परिसर में बैठक हुई जिसमें मिलकर जनता के मुद्दों को उठाने पर चर्चा की गयी। बैठक में एक न्यायाधीश की श्री गांधी पर की गई टिप्पणी पर भी चर्चा हुई। बैठक में सीमाओं की रक्षा का मामला भी उठा और कहा गया कि सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने में विफल रही है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा, आज संसद में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी की मौजूदगी में इंडिया गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुआ।

हम मिलकर जनता के हक और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदन में आवाज उठाते रहेंगे। इस बीच कांग्रेस पार्टी ने बैठक में उठाये गये मुद्दों की जानकारी दी और कहा कि आज सुबह संसद में सदन के नेताओं की बैठक में उच्चतम न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी पर चर्चा की गयी।

पार्टी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि वर्तमान न्यायाधीश ने एक असाधारण टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकतांत्रिक अधिकारों के विरुद्ध है।

राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों, विशेषकर विपक्ष के नेताओं, की ज़िम्मेदारी है। इन नेताओं ने कहा, ₹जब कोई सरकार हमारी सीमाओं की रक्षा करने में इतनी बुरी तरह विफल हो जाती है, तो उसे जवाबदेह ठहराना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारी जोरों पर

■ इस साल मूर्तियों का कारोबार 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में गणपति के स्वागत के लिए तैयारी जोरों पर हैं, बाजार में दुकानदार, कंपनियां, राजनीतिक दल और सरकार भी तैयारी में जुट गई है। इस बार मूर्तिकारों और गणेशोत्सव मंडलों में उत्साह है क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर काफी समय से चल रहा प्रतिबंध हट गया है। महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव को राजकीय उत्सव घोषित किया है। त्योहारों में उत्साह जितना होता है, कारोबार भी उतना ही ज्यादा होता है। गणेशोत्सव इस साल 27 अगस्त से शुरू होगा। बंबई हाईकोर्ट ने पीओपी से बनी 6 फुट से ऊंची मूर्तियों का ही विसर्जन समुद्र में करने की इजाजत दी है। 6 फुट तक की मूर्तियां कृत्रिम तालाबों और जल कुंडों में विसर्जित की जाएंगी। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि 6 फुट से ऊंची मूर्तियां समुद्र में विसर्जित करने की इजाजत दी जाए क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर रोक मूर्तिकारों की रोजी-रोटी छीन सकती है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 2024 में 5 फुट तक की करीब 1.95 लाख मूर्तियों के विसर्जन के लिए 204 कृत्रिम टैंक बनवाए थे लेकिन केवल 85,000 मूर्तियों का विसर्जन इन टैंकों में किया गया और बाकी को समुद्र या नदियों में विसर्जित किया गया था। गणेशोत्सव में मूर्तियों का आकर्षण ही मूर्तिकार के कारोबार को करोड़ रुपए में पहुंचा देता है।

क्या हैं हाई केबिन प्रेशर....जिसके कारण रद्द हुई एयर इंडिया उड़ान

नई दिल्ली। भुवनेश्वर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई 500 को तकनीकी खराबी के चलते रद्द किया गया। इस खराबी का मुख्य कारण हाई केबिन प्रेशर बताया गया है, जिसने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सुरक्षा को देखकर यह फैसला लिया गया। दरअसल जब विमान 30,000 से 40,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ता है, तब बाहर का दबाव बहुत कम होता है। यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत न हो, इसके लिए विमान के केबिन के अंदर हवा का दबाव समुद्र तल से 6,000 से 8,000 फीट की ऊंचाई के बराबर बनाए रखा जाता है।

विपक्ष ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की मांग कर, फजीहत कराई

■ एनडीए की संसदीय बैठक में सशस्त्र बलों की वीरता और पीएम मोदी की हुई तारीफ

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद भवन में मंगलवार को आयोजित एनडीए की संसदीय पार्टी की बैठक में सशस्त्र बलों की वीरता और पीएम मोदी के साहसी नेतृत्व की तारीफ में एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता को लेकर आयोजित किया गया। बैठक में पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। एनडीए की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस दौरान सांसदों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पीएम मोदी ने विपक्ष को खूब फटकारा। पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके बड़ी गलती कर दी, इसमें उनकी ही फजीहत हुई। ऐसा विपक्ष कहां मिलेगा जो खुद अपना पैर पत्थर पर मारता हो। विपक्ष ऐसे डिबेट रोज कराए। ये हमारा फील्ड है, ये मेरा फील्ड है और भगवान मेरे साथ है। पीएम मोदी ने गलवान घाटी में हुई झड़प पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर हमला बोला। यह हमला सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों को लेकर आया। राहुल गांधी के बयानों को बचकाना और लापरवाह बताते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस सांसद देश के सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करके अपनी राजनीतिक कब्र खोद रहे हैं। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर पर पारित प्रस्ताव में कहा गया कि बिहार की धरती पर लिए गए पीएम मोदी के संकल्प को साकार करते हुए यह संकल्प कार्यरूप में परिणत हुआ।

सरकार ने पहल और आधार ऑथेंटिकेशन के माध्यम से एलपीजी सब्सिडी ट्रांसफर को किया मजबूत : हरदीप पुरी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण को कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि पहल (डीबीटीएल) स्कीम, आधार-आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और अयोग्य या नकली कनेक्शनों को हटाने जैसी पहलों से लक्षित सब्सिडी ट्रांसफर सिस्टम काफी मजबूत हुआ। केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि देश भर के सभी एलपीजी वितरकों में आईवीआरएस/एसएमएस रिफिल बुकिंग सिस्टम लागू किया गया है। इस सिस्टम के तहत, उपभोक्ताओं को रिफिल बुकिंग, कैश मेमो जनरेशन और रिफिल डिलीवरी जैसे प्रमुख चरणों पर

एसएमएस के जरिए सूचनाएं प्राप्त होती हैं, जिससे वे अपने लेन-देन को ट्रैक कर सकते हैं और गलत या न मिलने की स्थिति में रिपोर्ट कर सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) शुरू किया है, जो कैश मेमो जनरेशन के समय उपभोक्ता को एसएमएस के माध्यम से भेजा जाता है और डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मियों के साथ साझा करना आवश्यक होता है, जिससे प्रमाणीकरण सुनिश्चित होता है। अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा एलपीजी वितरकों का नियमित निरीक्षण किया जाता है। इसके अलावा, क्षेत्रीय, जोनल, डिविजनल कार्यालयों और प्रादेशिक कार्यालयों के अधिकारी, एंटी-एडल्टरेशन सेल, क्वालिटी रिएश्योरेंस सेल और विजिलेंस डिपार्टमेंट के साथ मिलकर वितरकों के गोदामों, शोरूमों, वितरण स्थलों की जांच करते हैं, ताकि एलपीजी का दुरुपयोग रोका जा सके।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण अभियान को लेकर कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण, लाभार्थियों की सटीक, वास्तविक समय पर और लागत प्रभावी पहचान, प्रमाणीकरण और दोहराव को कम करने में सक्षम बनाता है। 1 जुलाई तक मौजूदा पीएमयूवाई लाभार्थियों में से 67 प्रतिशत का बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा हो चुका है।

समर्थन — सरकार से सवाल पूछना राहुल गांधी की ड्यूटी है क्योंकि वह लोकसभा में नेता विपक्ष हैं: प्रियंका

कौन सच्चा भारतीय? एससी नहीं तय करेगा, सरकार से सवाल पूछना ही उनकी ड्यूटी: भाई के बचाव में प्रियंका

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने भाई और नेता विपक्ष का बचाव करते हुए दो टूक कहा है कि कौन सच्चा भारतीय है? यह सुप्रीम कोर्ट तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछना राहुल गांधी की ड्यूटी है क्योंकि वह लोकसभा में नेता विपक्ष हैं। प्रियंका गांधी का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें अदालत ने कहा था कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बातें नहीं कर सकता।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, माननीय न्यायाधीशों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वो यह तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है? सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके

प्रति उच्च सम्मान रखता है। इसका गलत मतलब निकाला गया है।

क्या थी सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी? बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा था, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।'' हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते हैं, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?'' पीठ ने पूछा था, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?'' पीठ ने पूछा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।''

विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगीः गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, ह्यह्यअगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। पीठ की ''सच्चे भारतीय'' टिप्पणी पर सिंघवी ने कहा, ''यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।'' इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, ''जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य बात है?'' सिंघवी ने कहा कि गांधी केवल उचित खुलासे और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि विपक्ष के एक जिम्मेदार नेता होने के नाते गांधी को ऐसा नहीं कहना चाहिए था क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद है। सिंघवी ने इस बात से सहमति जताई कि गांधी इस मामले में बेहतर तरीके से टिप्पणी कर सकते थे।

तनावमुक्ति-खुशी का पाठ पढ़ रहे आईआईटी रुड़की के छात्र, प्रबंधन अध्ययन विभाग ने शुरू किया नया पाठ्यक्रम

रुड़की, एजेंसी।
भागादौड़ी के इस दौर में तनाव मुक्त एवं खुश रहना सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। हर क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव जीवन का स्थायी भाव बन रहा है और सकारात्मकता की जगह नकारात्मकता हावी होती जा रही है।

इसी को देखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने एक ऐसा पाठ्यक्रम शुरू किया है, जो छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक तरीके से जीवन में खुश रहने के गुर सिखाता है। उन्हें बताता है कि खुशी एक विज्ञान है, जिसे अभ्यास से सीखा जा सकता है। इस पाठ्यक्रम को नाम दिया गया है 'आशा- खुशी, आशावाद, उद्देश्य और सशक्तीकरण'। इसके तहत एमबीए के छात्र-छात्राओं के लिए 1.5 क्रेडिट का कोर्स शुरू किया है। एक सेमेस्टर के इस कोर्स में प्रथम बैच में 50 छात्रों ने दाखिला लिया था। वहीं, वर्ष 2026 स बीटेक छात्रों के लिए भी पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। इसके लिए विशेष कोर्स डिजाइन किया जा रहा है, ताकि तकनीकी

पढ़ाई के साथ-साथ उनका भावनात्मक एवं मानसिक विकास भी हो सके। आधुनिक जीवन शैली, अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, शिक्षा व कैरियर में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़, बेरोजगारी, आपसी संबंध, पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी सहित तमाम ऐसी वजह हैं, जिनके कारण युवा वर्ग तनाव की चपेट में आ रहा है। सो, जरूरी है कि ऐसी मनोस्थिति पैदा ही न हो, जो तनाव का कारण बने और यदि चिंता बढ़ भी जाए तो सकारात्मक सोच के साथ विपरीत परिस्थितियों का समाधान निकाला जा सके। इसी सोच के साथ आइआइटी रुड़की ने बीते वर्ष रेखी फाउंडेशन फार हैप्पीनेस के साथ मिलकर प्रबंधन अध्ययन विभाग में 'सेंटर फार द साइंस आफ हैप्पीनेस' की स्थापना की। संस्थान के प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजत अग्रवाल कहते हैं कि आधुनिक युग में विभिन्न कारणों से युवा पीढ़ी तनाव की चपेट में आ रही है। समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो नकारात्मक दृष्टिकोण है, उसी के चलते लगभग 20 प्रतिशत तनावग्रस्त लोग ही काउंसिलिंग के लिए विशेषज्ञों तक पहुंच पाते हैं। संस्थान में 'हैप्पीनेस साइंस सेंटर' की स्थापना का उद्देश्य है कि छात्र-छात्राओं के वेलनेस सेंटर में जाकर काउंसिलिंग लेने की ही नौबत न आए। प्रो. अग्रवाल के अनुसार सेंटर के माध्यम से विज्ञान को बढ़ावा देने के साथ ही युवा पीढ़ी के बीच खुशी को बढ़ावा दिया जा रहा है। छात्रों का समग्र विकास कर आधुनिक जीवन के तनाव के बीच उन्हें सशक्त, सकारात्मक व भावनात्मक रूप से मजबूत और उद्देश्य से समृद्ध जीवन जीने में सक्षम बनाना है। साथ ही यह बताना कि खुशी एक विज्ञान है, इसे सीखा एवं इसका अभ्यास भी किया जा सकता है। बताया कि 'हैप्पीनेस साइंस सेंटर' की स्थापना के बाद एक कदम आगे बढ़ाते हुए एमबीए के छात्रों के लिए एक सेमेस्टर का 1.5 क्रेडिट का पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसकी विशेषता उपचार से ज्यादा इसकी नौबत ही न आए, ऐसी स्थिति निर्मित करने की है। ...और जो व्याधिग्रस्त हो चुका है, उसके लिए उपचार भी बताता है। संस्थान का उद्देश्य ऐसा मानव संसाधन तैयार करने का है, जो अपने पश्चातवर्ती जीवन में अपनी-अपनी जगह पर खुशहाल जिंदगी के रोल माडल बनें। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि पहला बैच पासआउट हो चुका है। अगले वर्ष से बीटेक छात्रों के लिए भी यह कोर्स शुरू करने की योजना है। तीन क्रेडिट के इस कोर्स की समयावधि 42 घंटे होगी। लगभग 100 छात्र इसमें दाखिला ले सकेंगे। खुशी और कल्याण के विज्ञान का अवलोकन, खुशी के बारे में मिथक और गलत धारणाएं, खुशी पर माइंडफुलनेस और तंत्रिका विज्ञान का दृष्टिकोण, कल्याण में आशावाद और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका, भावनात्मक विनियमन, तनाव और प्रतिक्रियाशीलता, सकारात्मक हस्तक्षेप के माध्यम से खुशी का अभ्यास करना, प्रामाणिक जीवन और सशक्तीकरण, विश्वास, क्षमा और खुशी, लचीलेपन के विज्ञान को समझना, कैरियर, जीवन और खुशी, काम पर खुशी, नेतृत्व और खुशी, उपभोक्ता खुशी। हैप्पीनेस साइंस सेंटर के कोआर्डिनेटर डा. सौरभ अरोड़ा के अनुसार सेंटर में खुशी के विज्ञान की पढ़ाई के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को एक खुशहाल, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने की समझ देना है। इस कोर्स में सकारात्मक सोच, मानसिक सेहत, कार्य की संतुष्टि और जीवन के उद्देश्य जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाता है। पढ़ाई के दौरान छात्र माइंडफुलनेस (सजगता), भावनाओं को समझना, तनाव से निपटना और जीवन में संतुलन बनाना जैसे जरूरी जीवन कौशल सीखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हादसे के बाद मार्ग अवरुद्ध करने पर ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा

लक्सर, एजेंसी। कुआंखेड़ा गांव में सड़क दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों के मार्ग अवरुद्ध करने के मामले में पुलिस ने 60-70 अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मार्ग अवरुद्ध करने और सरकारी काम में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ग्रामीणों की पहचान कर रही है। एक अगस्त की शाम को कुआंखेड़ा से रुड़की की ओर जाने वाले मार्ग पर पिकअप लोडर वाहन और बाइक की भिड़त में तीन युवक शिवांशु, रविश और सुभाष निवासीगण कुआंखेड़ा घायल हो गए थे। जबकि लोडर वाहन भी सड़क किनारे पलट गया था। घायलों में शिवांशु की देर रात अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी। मामले में अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों ने पुलिस को वाहन ले जाने से रोक दिया और नारेबाजी कर मार्ग पर बैठ गए। इस दौरान मार्ग पर शाम छह बजे से रात दो बजे तक आवागमन बाधित रहा। जिसके चलते राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि उपनिरीक्षक कर्मवीर सिंह की ओर से अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, मार्ग अवरुद्ध करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

करंट लगने से श्रमिक की मौत

रुद्रपुर, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण कार्य के दौरान शनिवार को करंट लगने से एक श्रमिक की मौत हो गई। ग्राम कनहरिया पोस्ट डगरूआ जिला पूर्णिया (बिहार) निवासी मुजफ्फर अंसारी (35) पुत्र जलील अहमद करीब एक माह से निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के भवन निर्माण के काम में लगा था। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम वह भवन निर्माण कार्य कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। आननफानन उसके साथी और कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोग उसे जिला चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम जिला अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। सूचना मिलने पर मृतक के करीबी रिश्तेदार भी मोर्चरी पहुंच गए। बताया जा रहा है कि मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी 12 वर्ष की एक बेटी, दस और छह वर्ष दो बेटे हैं जो बिहार में अपनी मां और अन्य परिजनों के साथ रहते हैं। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

जयनगर को जल्द पॉवर कट से मिलेगी निजात

रुद्रपुर, एजेंसी। पॉवर कट से जूझ रहे जयनगर में अब जल्द समस्या का निदान होगा। अलग फीडर बनाने के लिए हरी झंडी मिलने के बाद बिजली लाइन बिछाने के लिए पोल गाड़ने का काम शुरू हो गया है। जयनगर के लिए नगर के अटरिया मोड़ स्थित 33 केवी सब स्टेशन से जयनगर तक करीब आठ किमी लंबी 11 केवी की बिजली की लाइन का निर्माण होना है। इसके लिए यूपीसीएल मुख्यालय से 1.35 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। रविवार को अटरिया मोड़ से जयनगर की ओर कई स्थानों पर ठेकेदार बिजली के गाड़ दिए हैं। नैनीताल हाईवे पर स्थित दिनेशपुर मोड़ से जयनगर की ओर भी कई पोल गाड़ दिए हैं।

अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश

दिनेशपुर, एजेंसी। क्षेत्र में अपराध की रोकथाम के लिए रात्रि गश्त को बढ़ाने के साथ अफवाह फैलाने वालों से भी सख्ती से निपटें। ये निर्देश एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने रविवार को थाना परिसर में निर्माणाधीन कर्मचारी कक्ष के निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष को दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के लिए भी कहा। एसएसपी के साथ एएसपी रेवाधर मठपाल ने भी थाना परिसर में बन रहे कर्मचारी कक्ष और आवासीय परिसर के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़ने से बढ़ा गंगा का जलस्तर

लक्सर, एजेंसी। विष्णुप्रयाग बैराज से अलकनंदा में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने पर गंगा का जलस्तर बढ़ गया। जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में पहले ही सूचना जारी किए जाने पर स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया। तटीय इलाकों में चेतावनी जारी करने के साथ ही बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारियों को भी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। देर शाम तक गंगा का जलस्तर चेतावनी निशान से नीचे 292 मीटर के आसपास बना हुआ था। हालांकि देर रात तक इसमें वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से अत्यधिक गाद आने के कारण विष्णुप्रयाग बैराज चमोली से अलकनंदा में 70 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए तटीय इलाकों में सतर्कता बरते जाने के निर्देश जारी किए गए थे। बैराज से सामान्य तौर पर छोड़े जा रहे 112 क्यूसेक पानी में अतिरिक्त 70 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से 182 क्यूसेक पानी बढ़ने से गंगा का जलस्तर और प्रवाह तेजी से बढ़ने की संभावना के मद्देनजर प्रशासन भी सतर्क हो गया। छोड़े गए अतिरिक्त पानी के देर शाम तक लक्सर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए तटीय इलाकों में अलर्ट जारी किया गया

हत्या के मामले में 18 साल जेल में काटी, बाहर आते ही कर दिया कांड, अब तमंचे के साथ गिरफ्तार

लक्सर, एजेंसी।
खानपुर के लालचंदवाला गांव में सर्कस को बंद कराने को लेकर हुए विवाद में युवक को गोली मारने वाले आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है. आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है. आरोपी पहले भी हत्या के एक मामले में जेल की हवा खा चुका है, जो कुछ महीने पहले ही जेल से छूटकर आया है. उधर, जैनपुर खुर्द में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद फायरिंग का मामला सामने आया है.

लालचंदवाला गांव में सर्कस को लेकर हुआ था विवाद- पूरी घटना 3 अगस्त की रात की है. जहां पुलिस को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि लालचंदवाला गांव में एक युवक

को गोली मार दी गई है. सूचना मिलते ही खानपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया. पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की.

वहीं, पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया. जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गांव में सर्कस लगा था, जिसे आरोपी सुशील ने जबरन बंद करवा दिया था. इसी बात पर गांव का युवक वंश उससे उलझ पड़ा और बहस करने लगा. गुस्से में आकर आरोपी ने युवक पर तमंचे से फायर कर दिया. गोली युवक के पैर पर लगी, जिससे वो घायल हो गया.

तमंचा और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार- इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को प्रहलादपुर अनाज मंडी के पास से गिरफ्तार किया. आरोपी की पहचान सुशील पुत्र महेंद्र (उम्र 53 वर्ष) निवासी लालचंदवाला, खानपुर के रूप में हुई है उसके कब्जे से एक देसी तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है.

18 सालों तक जेल में सजा काट चुका आरोपी- गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका इरादा युवक को जान से मारने का था, लेकिन गोली पैर में लगी और वो बच गया. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वो साल 2008 में हत्या के एक मामले में दोषी पाया गया था और 18 सालों तक जेल में सजा काट चुका है.

जैनपुर खुर्द में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद फायरिंग- लक्सर कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर खुर्द गांव में दो पक्षों के बीच मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते तूल पकड़ लिया. बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के लोग घरों की छतों पर चढ़ गए और एक-दूसरे पर जमकर पथराव करने लगे. इतना ही नहीं फायरिंग भी हुई. जिसका एक वीडियो भी सामने आया है. हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है. उधर, घटना की सूचना मिलने पर लक्सर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया. फिलहाल, किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में तहरीर नहीं दी गई है. घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है. पुलिस की मौजूदगी से हालात काबू में है.

युवती ने युवक पर लगाया यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन का दबाव डालने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा, एजेंसी। द्वाराहाट में एक युवती ने एक धर्म विशेष के युवक पर यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन का दबाव डालने का आरोप लगाया है. शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर सलाखों के पीछे भेज दिया है.

यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन का दबाव डालने का आरोप- द्वाराहाट थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने द्वाराहाट थाने में तहरीर देते हुए कहा कि एक धर्म विशेष का युवक उसकी बेटी के साथ मारपीट, जान से मारने की धमकी, यौन उत्पीड़न, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाकर पैसों की मांग कर रहा है. उन्होंने मामले में तुरंत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की. मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल थाना द्वाराहाट में बीएनएस की धारा 69,115(2), 351(2), 352 व 3/5 उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2018 के तहत एफआईआर पंजीकृत की गई. एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए. पिता ने आरोप लगाया कि पहले युवक उनकी बेटी को बहला फुसला कर अपने साथ ले गया. आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर बेटी का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया. आगे कहा कि साल 2022 में युवक उनकी बेटी के साथ इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क में आया और बहला फुसलाकर दिल्ली ले गया. इस मामले में वाद मुकदमा किशोर अपराध न्यायालय में चला था. युवक ने बेटी से दोबारा संपर्क कर उसे शादी का झांसा देकर दिल्ली ले गया. जहां युवक ने युवती के साथ मारपीट और यौन शोषण किया. आरोप है कि युवक और उसकी मौसी व नाना बेटी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाल रहे थे. आरोप लगाया कि बेटी पर धर्म बदलने या 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाकर मारपीट करते थे. बेटी की स्थिति को देखते हुए वो उसे घर लेकर आए. जिसके बाद दिल्ली से आए दिन फोन कर जान से मारने की धमकी और रुपयों की मांग करने लगे.

मामले में आरोपी गिरफ्तार- परिजनों की शिकायत के बाद थानाध्यक्ष द्वाराहाट अवनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई. पुलिस टीम ने आरोपी की खोजबीन शुरू करते हुए जानकारी जुटाई तो पता चला कि आरोपी जिला साउथ ईस्ट दिल्ली का रहने वाला है. पुलिस टीम ने युवती से मारपीट व यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया. जिसके बाद पुलिस टीम आरोपी को अल्मोड़ा लेकर आई और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया. जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है. एसएसपी अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा ने कहा कि आरोपी को दिल्ली से अरेस्ट कर लिया गया है और अन्य संलिप्तों के विरुद्ध भी आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है. ऐसे प्रकरणों में पुलिस द्वारा सख्ती से निपटा जाएगा और मामले की विवेचना जारी है.

हाईवे पर पिकअप वाहन व रतौडा में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, वाहन के अंदर चालक के फंसने से मचा हड़कंप

गरमपानी, एजेंसी।
अल्मोड़ा हल्द्वानी हाईवे पर रातीघाट क्षेत्र में पिकअप वाहन ब्रेक फेल होने से असंतुलित होकर पहाड़ी से टकराकर हाईवे पर ही पलट गया। हादसे में चालक चोटील हो गया। काफि देर यातायात भी प्रभावित हुआ।

उधर रतौडा गांव में भी ट्रक मोटर मार्ग से खेतों की ओर उतर गया। गनीमत रही की दोनों ही दुर्घटनाओं में वाहन चालक बाल बाल बच गए और बड़ी अनहोनी टल गई।

सोमवार को कोसी घाटी में अलग अलग दो दुर्घटनाओं से हड़कंप मच गया। पहला हादसा अल्मोड़ा हल्द्वानी हाईवे पर रातीघाट क्षेत्र में हुआ। हल्द्वानी से अल्मोड़ा की ओर जा रहे पिकअप वाहन यूके 06 सीसी 0947 के एकाएक ब्रेक फेल हो गए।

वाहन चालक ने वाहन को पहाड़ी से टकराकर रोकने का

प्रयास किया पर वाहन पहाड़ी से टकराने के बाद हाईवे पर ही पलट गया। वाहन के पलटने से चालक अंदर ही फंस गया। आवाजाही करने वाले यात्रियों व वाहन चालक ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन के अंदर फंसे चालक को बामुश्किल बाहर निकाला।

दुर्घटना से हाईवे पर आवाजाही भी ठप हो गई। वाहन को हाईवे से किनारे लगाए जाने के बाद यातायात सुचारु हो सका। दूसरी घटना बेतालघाट ब्लॉक के रतौडा गांव के समीप हुई जहां एक ट्रक सड़क से खेतों की ओर उतर गया।

गनीमत रही की कोई चोटील नहीं हुआ और बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना रोकने को मोटर मार्ग किनारे लगाए गए करोड़ों रुपये के क्रश बैरियरों के ध्वस्त हो जाने पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप लगाया की यदि क्रश बैरियर मजबूती से लगाए गए होते तो शायद ट्रक खेतो की ओर नहीं उतरता।

चार दिन से बहन का फोन नहीं उठा रही थी महिला, जब पुलिस पहुंची तो कमरा देखकर रह गई दंग

मंगलौर, एजेंसी। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की गला दबाकर हत्या का मामला सामने आया है। चार दिन से महिला के फोन नहीं उठाने पर मुरादाबाद से उसकी बहन मंगलौर पहुंची। घर से बदबू आने पर बहन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खोला, तब जाकर घटना का पता चला। महिला का शव आंगन में पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पति घर से फरार है।

घटनाक्रम के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के गांव शाहजहांपुर थाना बुगड़िया मुरादाबाद निवासी तरन्नूम सोमवार शाम को मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के पठानपुरा स्थित नबी कॉलोनी पहुंची। तरन्नूम ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को उसकी बहन जैबा खान (28) की शादी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के मोहल्ला खालापार निवासी समीर से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद समीर ने मंगलौर के नबी कॉलोनी में मकान बना लिया था।

चार दिन से वह अपनी बहन को फोन कर रही थी, लेकिन उसकी बहन फोन नहीं उठा रही थी। जिस पर उसे चिंता हुई और वह घर पर आई। उसने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा बंद है।

एसएससी की परीक्षा से दो दिन पहले नकल माफिया का भंडाफोड़, चार लाख में हुआ पास कराने का ठेका

नैनीताल, एजेंसी।
कुछ दिन पहले उन्हें नकल माफिया से संबंधित इनपुट मिला था। इसके आधार पर सॉल्वर गैंग को पकड़ने के लिए एसपी सिटी प्रकाश चंद्र और सीओ नितिन लोहनी के नेतृत्व में एसओजी व हल्द्वानी कोतवाली पुलिस की टीम बनाई गई थी।

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की छह अगस्त को होने वाली स्टेनोग्राफर की भर्ती परीक्षा में नकल कराने की साजिश रच रहे अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। रविवार रात हल्द्वानी के एक होटल से गैंग के नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के रहने वाले हैं। इनके पास कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी मिले हैं।

एसएसपी पीएन मीणा ने सोमवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें नकल माफिया से संबंधित इनपुट मिला था। इसके आधार पर सॉल्वर गैंग को पकड़ने के लिए एसपी सिटी प्रकाश चंद्र और सीओ नितिन लोहनी के नेतृत्व में एसओजी व हल्द्वानी कोतवाली

पुलिस की टीम बनाई गई थी। टीम को सॉल्वर गैंग के सदस्यों के रामपुर रोड स्थित एक होटल में ठहरे होने की जानकारी मिली। इस पर रविवार रात टीम ने होटल में दबिश देकर कमरा नंबर 109 से नौ युवकों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 11 मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए हैं।

एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि आरोपियों के पास से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए हैं। मोबाइल पर व्हाट्सएप चैट से पता चला है कि आरोपी कई परीक्षार्थियों से संपर्क कर चार-चार लाख रुपये में परीक्षा पास कराने का ठेका ले चुके थे।

सुनील कुमार निवासी बामनोली थाना दोघट बागपत (यूपी), परविंदर कुमार निवासी ग्राम लोहारी थाना बड़ौत मेरठ (यूपी) व हाल निवासी शिव मंदिर कॉलोनी देहरादून, रमाकांत शर्मा उर्फ राहुल निवासी अहमदगढ़ जनपद बुलंदशहर (यूपी), अभिषेक कुमार निवासी ग्राम बढ़ार, सादाबाद जनपद हाथरस (यूपी), शिव सिंह निवासी ग्राम बढ़ार थाना सादाबाद जनपद हाथरस (यूपी), विशाल गिरी निवासी ग्राम कूंठखास थाना रोटा रोड जनपद मेरठ (यूपी) व हाल पता बेगमपुर खेतड़ी थाना बहादराबाद हरिद्वार, आफताब खान निवासी ग्राम कल्याणपुर तोड़ा थाना रतनपुरी जनपद मुजफ्फरनगर (यूपी), अरुण कुमार निवासी तुल्हेड़ी थाना मीरापुर जिला मुजफ्फरनगर और जसवीर सिंह निवासी ग्राम अस्थल बोहर, थाना अर्बन स्टेट जिला रोहतक व मूल निवासी ग्राम मुहाना जनपद जींद हरियाणा शामिल रहे।

यह बिल सिर्फ प्राइवेट स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए और मिडिल क्लास के खिलाफ लाया जा रहा है: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली विधानसभा में भाजपा सरकार द्वारा लाए गए स्कूल फीस बिल के खिलाफ अब पैरेंट्स भी सड़कों पर उतर गए हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में पैरेंट्स दिल्ली विधानसभा के पास चंदगी राम अखाड़ा पर बिल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान बढ़ी फीस वापस लो, स्कूल की मनमानी नहीं चलेगी, शिक्षा है व्यापार नहीं, समेत अन्य स्लोग लिखे पोस्टर के साथ पैरेंट्स ने सरकार से इस बिल को वापस लेने और शिक्षा मंत्री आशीष सूद से इस्तीफे की मांग की। साथ ही, यूनाइटेड पैरेंट्स वॉयस के बैनर तले हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। पैरेंट्स के इस विरोध प्रदर्शन को आम आदमी पार्टी ने खुला समर्थन दिया। ह्वह्वआपह्लह्ल के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने प्रदर्शन में शामिल होकर उनकी मांगों का समर्थन किया। दिल्ली विधानसभा के पास चंदगी राम अखाड़ा पर स्कूल फीस बिल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पैरेंट्स का समर्थन देने पहुंचे आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में निजी स्कूलों में फीस तय करने को लेकर जो कानून लाया जा रहा है और जिन पैरेंट्स के लिए कानून लाया जा रहा है, उन पैरेंट्स से कोई सलाह मशविरा नहीं किया गया। पैरेंट्स ने मांग की कि सभी प्राइवेट स्कूलों की ऑडिट कराई जाए। भाजपा की सरकार ने कहा कि वह हर स्कूल का ऑडिट करा ली है। लेकिन इस नए कानून में स्कूलों के ऑडिट का कोई प्रावधान नहीं है। अगर स्कूल के खिलाफ शिकायत भी करनी होगी तो 15 फीसद पैरेंट्स की जरूरत पड़ेगी। अगर किसी स्कूल में 3 हजार बच्चे पढ़ रहे हैं तो 450 पैरेंट्स हस्ताक्षर करेंगे तभी स्कूल के खिलाफ शिकायत की जा सकती है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब कमेटी के पास न कोई चार्टड अकाउंटेंट है और ना कोई ऑडिटेट अकाउंट है तो प्राइवेट स्कूलों में फीस तय करने का फैसला कोई कमेटी कैसे करेगी? स्कूलों के टीचर कहेंगे कि हमारी सैलरी बढ़ानी है, तो पैरेंट्स इसमें क्या करेंगे? इसका साधारण तरीका यह था कि दिल्ली के 1677 स्कूलों की सरकार हर साल ऑडिट कराए। उस ऑडिट को सार्वजनिक किया जाए ताकि स्कूल को कितना फायदा या घाटा हुआ है, पैरेंट्स को पता चल सके। उसी के अनुसार फीस घटाई या बढ़ाई जा सकती है। भाजपा सरकार द्वारा बिल में कई कमेटियों का जो ढकोसला किया है, वह सिर्फ प्राइवेट स्कूल के मालिकों, धन्ना सेठों को फायदा देने के लिए किया गया है और यह सीधे तौर पर मिडिल क्लास के खिलाफ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने स्कूल फीस बिल में कई संशोधन करने के के लिए कई सुझाव दिए हैं। मसलन, प्राइवेट स्कूल के खिलाफ शिकायत करने के लिए 15 फीसद पैरेंट्स की अनिवार्यता को हटाया जाना चाहिए। अब दिल्ली के लोग देखेंगे कि विधानसभा में आप विधायक दल द्वारा लाए गए संशोधन प्रस्तावों के समर्थन में भाजपा के विधायक वोट डालते हैं या नहीं डालते हैं। अगर भाजपा के विधायक संशोधन प्रस्तावों के खिलाफ वोट डालते हैं तो साफ हो जाएगा कि भाजपा प्राइवेट स्कूल मालिकों के साथ मिली हुई है। अब दिल्लीवालों की नजरें भाजपा पर टिकी हुई है।

आप नेता आतिशी ने उठाया झुग्गी का मुद्दा तो स्पीकर बोले- सदन को न करें गुमराह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विधानभवन स्थित कथित फांसी घर को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की सरकार पर इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। इस बीच दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने वर्तमान की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार पर झुग्गियों को गैरकानूनी तरीके से तोड़ने का आरोप लगाया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें विधानसभा को भ्रमित न करने की बात कहकर शांत कराया। सदन को भ्रमित न करें आप सरकार के कार्यकाल में रहीं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, मेरी कालकाजी विधानसभा में भी झुग्गियों पर बुलडोजर चला दिया गया। जहां झुग्गी वहीं मकान का नारा देकर चुनाव लड़ा गया था लेकिन जीतने के बाद झुग्गियों को तोड़ना शुरू कर दिया गया। आतिशी के इस बयान के बाद स्पीकर ने स्पष्ट किया कि झुग्गी वालों के लिए पुनर्वास पॉलिसी बनाई गई है। उसी को फॉलो किया जाता है। इसलिए सदन को भ्रमित न करें। वहीं, दक्षिण पश्चिम दिल्ली जिले के पालम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक कुलदीप सोलंकी ने कहा, मेरी विधानसभा में पशुओं के अस्पताल में भी दवाओं की कमी है। इस पर ध्यान दिया जाए। वहीं, पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी विधायक रविकांत ने कहा कि त्रिलोकपुरी में सीवर की ट्रंक लाइन को बदला जाए। अभी यहां हालात बहुत खराब है। भाजपा विधायकों ने रखी अपने ह्यमन की बात उधर, मादीपुरा विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक कैलाश गंगवाल ने कहा, ह्यहमारी विधानसभा में आवारा पशुओं की समस्या गम्भीर हो रही है। आवारा गाय ही नहीं, कुत्तों से भी लोग परेशान हैं। वहीं, द्वारका विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने कहा, ह्यडीटीसी के 20 हजार से ज्यादा पेंशनधारी हैं लेकिन 2015 से इनकी पेंशन सरकार के अनुमोदन पर निर्भर कर दी गई है। तभी से इन्हें नियमित तौर पर पेंशन नहीं मिल पा रही। ऐसी ही स्थिति इनकी चिकित्सा सुविधाओं को लेकर है। अतः इस समस्या का समाधान किया जाए। इसी क्रम में मोती नगर निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी एमएलए हरीश खुराना ने कहा, ह्यमेरी विधानसभा में आचार्य भिक्षु अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी है।

संक्षिप्त खबरें

नौकर की नीयत पर पड़ा लालच का पर्दा, 55 लाख की चोरी का खुलासा

नई दिल्ली,। उत्तर-पश्चिम जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) टीम और केशव पुरम थाने की संयुक्त कार्रवाई में 55 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए आरोपित नौकर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान हरियाणा निवासी नरेंद्र शर्मा (27) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से पूरी रकम 55 लाख नकद बरामद कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक 27 जुलाई को लॉरेंस रोड निवासी नंद किशोर ने केशव पुरम थाने में शिकायत दी कि उनके ऑफिस में काम करने वाला डिलीवरी बॉय नरेंद्र शर्मा 24 जुलाई को 55 लाख रुपये कैश लेकर एक पार्टी को देने गया था, परंतु न ही उसने पैसे दिए और न ही वापस लौटा। कुछ समय बाद उसका मोबाइल भी बंद मिला। शक होने पर जब खोजबीन की गई तो यह साफ हो गया कि वह रकम लेकर फरार हो गया है। इस संबंध में केशव पुरम थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र और दिल्ली में लगातार छापेमारी की। तकनीकी निगरानी के तहत 200 से अधिक कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपित बार-बार ठिकाने बदल रहा था। लेकिन अंततः पुलिस ने उसे दिल्ली से धर दबोचा। कड़ी पूछताछ में आरोपित नरेंद्र ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि वह आसान तरीके से बड़ी रकम कमाना चाहता था और शानो-शौकत की जिंदगी जीने की चाह में यह कदम उठाया। आरोपित ने बताया कि उसने 2020 में पहली बार शिकायतकर्ता के पास काम किया था, और मार्च 2025 में दोबारा नौकरी शुरू की थी। तभी से उसने इस चोरी की योजना बनाई थी।

बदरपुर में शराब माफिया ने पुलिस पर किया जानलेवा हमला, एक जवान घायल

नई दिल्ली,। बदरपुर इलाके में शराब माफिया को पकड़ने पहुंची दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम पर माफिया और उसके साथियों ने हमला कर दिया। हमले में एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम पर हमले की सूचना मिलने पर डीसीपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बदरपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह डागर की टीम को सूचना मिली थी क गौतमपुरी में रहने वाले कैलाश सांसी अपने लड़कों के साथ अवैध रूप से शराब बेच रहा है। अगर छापा मारा जाए तो बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की जा सकती है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम गौतमपुरी स्थित कैलाश के घर छापा मारने पहुंची। जहां पुलिस टीम को देखकर कैलाश ने अपने साथियों को बुला लिया और टीम पर हमला कर दिया। हमले में कांस्टेबल सतबीर गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपितों ने पुलिस टीम पर डंडों से हमला किया था। पुलिस टीम ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस टीम पर हमले की सूचना के बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, बदरपुर थाने के अलावा कई अन्य थानों की पुलिस मौके पर आरोपितों की तलाश में जुटी हैं।

समान चुनाव चिह्न के लिए जनसंघ की गुहार

हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को भेजा नोटिस, 19 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली,। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए एक समान पार्टी चि आवंटित करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय जनसंघ ने याचिका दायर की है। इस याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को (ईसीआई) से जवाब मांगा है। जनसंघ ने दावा किया कि दो जून को चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश के तहत पार्टी ने चिह्न आवंटन के लिए चुनाव आयोग में आवेदन किया था। चार जुलाई को एक रिमाइंडर भी भेजा था। हालांकि ईसीआई की तरफ से इसका कोई जवाब नहीं आया। इस पर न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका के अनुसार पार्टी को चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है और चुनाव चिह्न आवंटित न होने से बिहार चुनाव लड़ने का उसका अवसर छिन जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी। संगठन की तरफ से पेश हुए वकील प्रणय रंजन और मृगांक प्रभाकर ने कहा कि जनसंघ ने आंध्र प्रदेश में 2024 के विधानसभा चुनावों में भाग लिया था। तब इसके लिए उन्हें सामान्य चुनाव चिह्न ह्लसितारह्न आवंटित किया गया था। याचिका में कहा गया कि चुनाव चिह्न आवंटिट करने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया जाए।

अखिल भारत हिन्दू महासभा दिल्ली प्रदेश की बैठक संपन्न: नए निमार्णाधीन कार्यालय का अवलोकन किया - प्रदेश अध्यक्ष महंत विजय कृष्ण पांडेय जी महाराज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारत हिन्दू महासभा दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ मीडिया प्रभारी संतोष मिश्रा जी ने बताया कि अखिल भारत हिन्दू महासभा दिल्ली प्रदेश के सह क्षेत्रीय कार्यालय, रोहिणी सेक्टर-3 में आज सायं 6:30 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष महंत विजय कृष्ण पांडेय जी महाराज का ससम्मान आगमन हुआ, उपस्थित सभी लोगों के द्वारा अध्यक्ष महंत श्री विजय कृष्ण पांडेय जी का भव्य स्वागत किया गया, बैठक की अध्यक्षयता अध्यक्ष महंत श्री विजय कृष्ण पांडेय जी ने किया , बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित गणः प्रदेश महामंत्री डॉक्टर देवाशीष ओझा जी एवं संगठन मंत्री सचिन भारती जी फोन पर उपस्थित रहे बातचीत के माध्यम से, रोहिणी सेक्टर 3 कार्यालय में विशेष उपस्थिति रही जिला अध्यक्ष उत्तर पश्चिमी दिल्ली, भाई एस. आर. सिंह जी, जिला अध्यक्ष, उत्तर पश्चिमी दिल्ली, विशाल कुमार गुप्ता जी, रिठाला विधानसभा अध्यक्ष, ललित यादव जी, वार्ड अध्यक्ष, विजय विहार, श्री रामचंद्र चौधरी जी, कोषाध्यक्ष, संतोष मिश्रा, वरिष्ठ मीडिया प्रभारी, दिल्ली प्रदेश, काजल बिटिया, कार्यालय सहायक, बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें सदस्यता अभियान, हनुमान चालीसा पाठ का साप्ताहिक आयोजन (प्रत्येक मंगलवार शाम), एवं स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर झंडारोहण समारोह की रूपरेखा शामिल थी। इस बैठक का सीधा प्रसारण प्रदेश अध्यक्ष महंत विजय कृष्ण पांडेय जी महाराज के फेसबुक अकाउंट पर किया गया। नए कार्यालय का अवलोकनः बैठक उपरांत सभी पदाधिकारीगण रोहिणी सेक्टर-15 स्थित नए निमार्णाधीन भव्य कार्यालय का अवलोकन करने पहुंचे। यह कार्यालय भाई एस. आर. सिंह जी के सक्रिय सहयोग से तीव्र गति से निमार्णाधीन है। संभावना है कि यह कार्यालय 10 या 11 अगस्त 2025 तक पूर्णरूपेण तैयार हो जाएगा। प्रदेश महामंत्री डॉ. देवाशीष ओझा जी, संगठन मंत्री सचिन भारती जी, तथा भाई एस. आर. सिंह जी को इस नए भव्य कार्यालय के निर्माण हेतु हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद अर्पित किया गया। सनातन धर्म की जय, परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज की जय!

बाबा के वेश में स्नैचिंग करने वाले आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बाबा के वेश में स्नैचिंग करने वाले तीन आरोपियों को पकड़ा। 1 अगस्त को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ लिया है, जबकि एक सहआरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह मोती नगर स्थित अपने घर से रैपीडो टैक्सी में कनॉट प्लेस जा रही थी। जब गाड़ी शादीपुर फ्लाईओवर की लाल बत्ती पर पहुंची, तो 20-25 साल के दिखने वाले तीन अज्ञात व्यक्ति टैक्सी के पास पहुंचे। सभी ने ह्यबाबाओंह्न का वेश धारण किया हुआ था और उनके शरीर पर राख लगी हुई थी। उन्होंने गाड़ी के साइड की खिड़की खटखटाई और पैसे मांगे, जिसपर उन्हें 200 रुपए दिए । इसी बीच, आरोपी ने बीच वाली उंगली से सोने और हीरे की अंगूठी छीन ली और मौके से भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू की। मोती नगर के थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण दलाल की देखरेख और पंजाबी बाग के एसीपी विजय सिंह के मार्गदर्शन में एक टीम का गठन किया गया। कई सीसीटीवी खंगालने के बाद आरोपियों को एक ऑटो-रिक्शा में मौके से भागते देखा गया था। ऑटो-रिक्शा के पंजीकृत मालिक की पहचान की गई। पूछताछ करने पर, मालिक ने बताया कि उसने ऑटो, विनोद कामत (50) को किराए पर दिया था। आरोपी विनोद कामत को अशोका पार्क मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ लिया गया। उसके खुलासे में उसके अन्य साथियों, कबीर (19) और बिरजू (45), को पकड़ लिया गया। तीनों आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी की अंगूठी 26,000 रुपए में बेच दी थी। पूछताछ में पता चला कि आरोपी विनोद कामत आरोपियों को परिवहन सेवा प्रदान करता था। आरोपी कबीर, बिरजू का पुत्र है, और उसका एक साथी अमर, जो अभी फरार है, जो बिरजू का सगा भाई है। आगे की जांच की जा रही है और सहआरोपी अमर को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपियों के पास से पिघला हुआ सोना, पत्थरों के 61 छोटे टुकड़े, ऑटो रिक्शा और कपड़े और श्रृंगार के समान बरामद हुए हैं।

सैकड़ों अभिभावकों ने एंटी-पैरेंट फीस रेगुलेशन बिल के खिलाफ दिल्ली विधानसभा का घेराव किया

- शिक्षा के लिए काला दिन—दिल्ली फीस बिल के विरोध में अभिभावक और राजनीतिक दल एकजुट
- स्कूल माफिया बिल पर विधानसभा घेराव से हिली दिल्ली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्लीः आज दिल्ली के निजी स्कूलों के सैकड़ों अभिभावक दिल्ली विधानसभा के बाहर एकत्र हुए और कल विधानसभा में पेश किए गए नई दिल्ली फीस रेगुलेशन बिल का कड़ा विरोध किया। अभिभावकों ने इसे खतरनाक और अभिभावक-विरोधी विधेयक बताते हुए आरोप लगाया कि इसे संवैधानिक प्रक्रिया और हितधारकों से परामर्श के बिना पेश किया गया है। अभिभावकों का कहना है कि यह बिलः शिकायत दर्ज करने के लिए 15% अभिभावकों के समर्थन की अनिवार्यता के जरिए व्यक्तिगत अभिभावकों की आवाज को दबाता है। स्कूलों को नई श्रेणियों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूलने का अधिकार देता है। पहले से गैर-कानूनी और अप्रूव न की गई फीस को वैध करता है। स्कूल खातों की अनिवार्य ऑडिट प्रक्रिया को समाप्त करता है। फीस विवादों में अभिभावकों का सिविल कोर्ट जाने का अधिकार छीनता है। DSEअफ नियमों को मजबूत करने के बजाय कमजोर करता है। यह अभिभावक विरोधी बिल है, जिसे संवैधानिक मानकों का पालन किए बिना लाया गया है,ह्न एक प्रदर्शनकारी ने कहा। एक अन्य ने इसे आजादी के बाद भारत के इतिहास में शिक्षा के लिए काला दिनह्न बताया और कहा कि इस प्रक्रिया में अभिभावकों, शिक्षाविदों, वकीलों और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों की राय नहीं ली गई। एक चौंकाने वाले खुलासे में, एक अभिभावक ने एक संदेश दिखाया जो कथित तौर पर अजय खाताना (जिला अध्यक्ष), अशोक भारद्वाज और गीति गुलाटी द्वारा मंडल अध्यक्ष, नगर पार्षद, जिला पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता को भेजा गया था, जिसमें प्रत्येक से अपने क्षेत्र से 25 कार्यकताओं को अभिभावक के रूप में इस बिल के समर्थन में लाने का आग्रह किया गया था। यह संदेश ऑल दिल्ली पैरेंट्स के हैंडल पर उपलब्ध है, जिसकी प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजनीतिक नेताओं ने भी विरोध में भाग लियाः विपक्ष की नेता आतिशी ने कल ही इस बिल का विरोध करते हुए दो मांगें रखींः 1. बिल को चयन समिति के पास संवैधानिक समीक्षा के लिए भेजा जाए। 2. तब तक, किसी भी स्कूल को 2024 25 की डीओई-अनुमोदित बेस फीस से अधिक कोई अतिरिक्त शुल्क वसूलने की अनुमति न दी जाए। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अभिभावकों को बिना शर्त समर्थन देते हुए कहा, यह बिल किसानों के कानूनों जैसा है – बीजेपी जनता की सहमति के बिना जनविरोधी कानून थोप रही है, जैसे किसानों के साथ किया था। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस अभिभावक विरोधी बिल के खिलाफ सभी स्तरों पर लड़ाई जारी रहेगी, ताकि दिल्ली के सभी अभिभावकों को राहत मिल सके। दिल्ली भर के अभिभावक अब सरकार की अगली चाल का इंतजार कर रहे हैं – और प्रदर्शन, शिकायत या कानूनी कार्रवाई के लिए हर स्तर पर तैयार हैं।

खैंलना द पीपल फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स ने प्रस्तुत किया

- एक शाम गहन नाटकों के नाम तीन तीव्र कहानियाँ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,सामाजिक सरोकारों से प्रेरित नाट्य प्रस्तुतियों और कलात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध पंजीकृत एनजीओ खैंलना द पीपल फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स ने प्रस्तुत करे एक अविस्मरणीय रंगमंचीय संध्या – तीन गहन कहानीयाँ, जो सभागार में मोजुद सुधिजनो को ले गए ,एक भावनात्मक, संवेदनशील और आत्मचिंतन से भरी यात्रा पर। रवि पार नाटककारः गुलजार निर्देशकः विभोर आहूजा भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि में रचा गया यह नाटक विस्थापन, पीड़ा और मानवीय सहनशक्ति की मार्मिक गाथा है। यह कहानी उस समय के दर्द को जीवंत करती है जब सरहदें खिंच गईं, और रिश्ते, घर व इतिहास पीछे छूट गए। खाराशें नाटककारः गुलजार निर्देशकः अनुमिता दत्ताह चौधुरी दंगों के बाद की मानसिक और सामाजिक टूटन पर आधारित यह नाटक दर्शकों को भीतर तक झकझोर देता है। खाराशें उन जख्मों की बात करता है जो दिखाई नहीं देते, पर जीवनभर रिसते रहते हैं। द कन्फेशन नाटककार व निर्देशकः अनुमिता दत्ताचौधुरी एक अस्पताल की अंतिम गलियारे में मृत्यु का इंतजार कर रहे तीन अनजान लोग – और उनके जीवन की सबसे डरावनी सच्चाइयाँ। द कन्फेशन आत्मस्वीकृति, पछतावे और मोक्ष की गहराइयों में उतरता है। कलाकार व क्रिएटिव टीम जितेन्द्र राजपूत, सिमरनजीत सिंह, अंकित केशरी, यश रावत, वैभव मेहता, शिउली घोष, नितिन सिंह, सौंदर्या सेंटीवाल,अनुमिता दत्ता चौधुरी ,रुपाली नाथ, विभोर आहूजा, राजीव सक्सेना,शील कालिया । नैपत्य से सह-निर्देशकः जितेन्द्र राजपूत। अमिनदीप हिरानी, अभिलाष चौधरी, मोहन यादव, शेखर दास, अजय धर, संजय धर, अनुश्री खंतवाल,अनुस्तुती खंतवाल, भावना राजपूत , अरुणा चौधरी। तीन कहानीयाँ, एक रंगमंच। एक गहन और सशक्त संध्या एक ऐसा अनुभव जो दिल और जहन में देर तक गूंजता रहेगा।

भ्रष्टाचार पर कार्रवाई से बच रही भाजपा सरकार : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली,। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार, सीएजी (कैग) रिपोर्ट में उजागर हुए गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों पर कार्रवाई करने से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के मानसून सत्र में केजरीवाल सरकार के कार्यकाल की केवल दो सीएजी रिपोर्ट पेश की गईं, जिनमें निर्माण श्रमिक कल्याण और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर मामले सामने आए, लेकिन अब तक दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। श्री यादव ने कहा कि पिछली केजरीवाल सरकार की 14 सीएजी रिपोर्टों में से केवल 10 ही विधानसभा में पेश की गई हैं, जबकि 6 महीनों के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने न तो कोई जांच समिति बनाई और न ही किसी दोषी पर कार्यवाही की। उन्होंने कहा, शराब घोटाले से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार उजागर हुआ, लेकिन रेखा सरकार ने चुप्पी साध ली। यह साफ संकेत है कि भाजपा सरकार, दोषियों को बचाने का खेल खेल रही है। निर्माण श्रमिक कल्याण में गड़बड़ी श्री यादव ने बताया कि पेश की गई सीएजी रिपोर्ट में श्रम विभाग के आंकड़ों में भारी अंतर सामने आया है। लेबर बोर्ड के अनुसार 6.96 लाख निर्माण श्रमिक पंजीकृत थे, जबकि ऑडिट में केवल 1.98 लाख श्रमिकों का ही सत्यापित डेटा मिला। आश्चर्यजनक रूप से 1.19 लाख श्रमिकों की फोटो एक से अधिक बार इस्तेमाल की गई। श्रमिक रजिस्ट्रेशन का रिन्यूअल रेट भी केवल 7.3% रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड काल में पंजीकरण में असामान्य वृद्धि दिखाई गई, जिससे यह प्रतीत होता है कि महामारी के दौरान जब लोग अपने जीवन की चिंता में थे, तब आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार कर रही थी। भीम योजना जैसा भ्रष्टाचार देवेन्द्र यादव ने कहा कि श्रमिकों के डेटा में गड़बड़ी का मामला भी वैसा ही है जैसा भीम योजना के तहत सामने आया था, जिसमें कोविड काल में दलित छात्रों की कोचिंग के नाम पर 145 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने संकट की घड़ी में जनता के पैसे को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया। भाजपा सरकार की जिम्मेदारी श्री यादव ने कहा कि दिल्ली के लोग जानना चाहते हैं कि आखिर करदाताओं के पैसे से हुए इस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने मांग की कि भाजपा सरकार, कैग रिपोर्ट में उजागर अनियमितताओं पर निष्पक्ष कार्रवाई करे और दोषियों को बचाने की बजाय जनता के सामने पारदर्शिता दिखाए।

स्वच्छता चैलेंज जल्द शुरू होगा, सेलिब्रेटीज को भी जोड़ा जाएगा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वच्छ दिल्ली की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए आज तिमारपुर विधानसभा की संजय बस्ती, मॉल रोड (बंसल स्वीट्स के पास) में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के अंतर्गत चल रहे महीने भर के सफाई अभियान का नेतृत्व किया और खुद झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में आम जन की भागीदारी को और प्रबल बनाने के लिए स्वच्छता चैलेंज जल्द शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने तिमारपुर क्षेत्र में स्थित जेजे कॉलोनी और आसपास की गलियों का निरीक्षण करते हुए पाया कि सफाई व्यवस्था को लेकर अब जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज मैंने एक युवा को स्वेच्छा से बस स्टैंड की सफाई करते देखा। यह संकेत है कि अब दिल्ली में स्वच्छता एक आंदोलन बन चुका है। यही नागरिक भागीदारी इस अभियान की आत्मा है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि डीडीए की खाली पड़ी जमीनों को भी इस अभियान में शामिल किया गया है और उनकी तत्काल सफाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शासकीय एजेंसियों को मिलकर एकजुटता से कार्य करना होगा, तभी दिल्ली को वास्तव में कूड़े से मुक्त किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान को केवल सफाई तक सीमित न समझें, बल्कि इसे एक व्यवहार परिवर्तन की पहल मानें। उन्होंने कहा यह अभियान दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा हमारा लक्ष्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों की सोच को बदलना है। दिल्ली सरकार राजधानी को एक स्वच्छ, आधुनिक और नागरिक-केंद्रित राजधानी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस अभियान से राजधानी दिल्ली में एक नई शुरूआत हो चुकी है। इस जन-जागरण की पहल में मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय विधायक श्री सूर्य प्रकाश खत्री, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, एमसीडी आयुक्त, अधिकारीगण, सफाईकर्मी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी शामिल हुए। एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में आम जन की भागीदारी को और प्रबल बनाने के लिए ह्यस्वच्छता चैलेंजह्न जल्द शुरू किया जाएगा। इस चैलेंज के तहत देश की आजादी के 78 वर्षों की प्रतीकात्मकता को ध्यान में रखते हुए, प्रारंभ में 78 नागरिकों को नामित किया जाएगा। प्रत्येक नामित व्यक्ति आगे पांच और लोगों को चुनकर अभियान से जोड़ेगा, जिससे राजधानी में स्वच्छता का एक सशक्त और विस्तृत नेटवर्क तैयार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रख्यात सेलिब्रेटीज को भी जोड़ा जाएगा। इनकी भागीदारी से जागरूकता को नया आयाम मिलेगा और अभियान में व्यापक जन-भागीदारी सुनिश्चित होगी।

उत्तर रेलवे

ई–खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक **26.08.2025** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	वरिष्ठ मंडल अभियंता/संपदा के कार्य में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अतिक्रमण रोकने के लिए चारदीवारी का निर्माण कार्य हेतु।	रुपये 4,69,73,093.58	रुपये 3,84,900.00	12 महीने

1. निविदा दिनांकः **26.08.2025** को **15:00 बजे** तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्याः–128–डब्लयू/269/खुली निविदा सूचना/टेंडर नं. 21/25–26/डब्लयू–ई
दिनांकः 04.08.2025 2371/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्याः 558-Sig-16-M-TENDER-1456 दिनांक : 04.08.2025

कार्य का नाम तथा स्थान	दिल्ली मंडल के मेटालिक ब्रिज पर डुअल MSDAC का प्रावधान (MSDAC की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग को छोड़कर)।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	Rs. 2,94,10,260.89/-
धरोहर राशि (₹)	Rs. 2,97,100.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 04.08.2025 / निविदा खुलने का दिनांक 26.08.2025 15:00 बजे तक
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

2374/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025

विजेंद्र गुप्ता की शिकायत को एलजी बिना तथ्य के सीबीआई को दिए और सत्येंद्र जैन पर झूठा केस दर्ज कर लिया गया : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, सीबीआई कोर्ट द्वारा सोमवार को भ्रष्टाचार के एक झूठे केस में वरिष्ठ नेता और पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन को क्लीन चिट देने के बाद मंगलवार को भी आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। ह्यआपह्ण के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सत्येंद्र जैन को अभी आधा न्याय मिला है। उन्हें पूरा न्याय तब मिलेगा, जब झूठे आरोप लगाकर उनको बदनाम करने वालों के ऊपर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लिहाजा, हमारी मांग है कि सत्येंद्र जैन पर झूठा आरोप लगा कर उनको बदनाम करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता और एलजी व सीबीआई के अफसरों के ऊपर भी मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पहले विजेंद्र गुप्ता एक झूठी शिकायत करते हैं। फिर एलजी साहब उस शिकायत को सीबीआई को भेज देते हैं। शिकायत में कुछ होता नहीं है, फिर भी सत्येंद्र जैन पर झूठा केस दर्ज होता है। इसके बाद बिना सबूत के सीबीआई जांच शुरू करती है और सत्येंद्र जैन और उनके परिवार के साथ आम आदमी पार्टी को लगातार परेशान किया जाता है। क्या इस तरह के उत्पीड़न के लिए कानूनी कार्यवाही नहीं होनी चाहिए? जबकि कोर्ट द्वारा इस केस को बंद कर देने से साफ हो चुका है कि विजेंद्र गुप्ता ने सिर्फ सत्येंद्र जैन और ह्यआपह्ण को बदनाम करने के लिए झूठी शिकायत की थी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मेरा मानना है कि कानून में जहां भी अन्याय हो, उसकी भरपाई का प्रावधान भी कानून के अंदर होनी चाहिए। अब यहां पर क्या अन्याय हो रहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा के तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता एक झूठी शिकायत देते हैं। इसके बाद भाजपा द्वारा नियुक्त एलजी साहब जांच करने के लिए उस शिकायत को सीबीआई को दे देते हैं। जबकि उस शिकायत में कुछ भी नहीं है। लेकिन इसके बाद भी आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन का नाम लिखकर शिकायत दी जाती है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एलजी साहब उस शिकायत को जांच के लिए आगे बढ़ा देते हैं और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज कर लिया जाता है। उनके घर पर सीबीआई की रेड की जाती है, जमकर उनकी बदनामी की जाती है। सत्येंद्र जैन के परिवार का उत्पीड़न हुआ, बच्चों का उत्पीड़न हुआ। हम जानना चाहते हैं कि क्या इस सामाजिक नुकसान की भरपाई का कानून में कोई प्रावधान है। क्या अब विजेंद्र गुप्ता और एलजी साहब के खिलाफ मुकदमा नहीं चलना चाहिए? क्या अब उन सीबीआई के अफसरों के ऊपर मुकदमा नहीं चलना चाहिए? जिन असफरों ने बिना किसी आधार के सत्येंद्र जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम ये मानते हैं कि सीबीआई कह सकती थी कि बिना किसी नाम के मुकदमा दर्ज होगा। इसके बाद सीबीआई उसकी जांच करती। लेकिन जब भ्रष्टाचार का कोई आधार नहीं दे रहे हैं तो फिर कोई ऐसे कैसे कह सकता है कि यहां पर सत्येंद्र जैन ने भ्रष्टाचार किया है और सीबीआई इसकी जांच करे। इससे स्पष्ट है कि भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने सत्येंद्र जैन को सिर्फ बदनाम करने के लिए यह शिकायत की थी। हमारा मानना है कि एलजी, बिजेंद्र गुप्ता और सीबीआई अफसरों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाना चाहिए। अगर इनके खिलाफ मुकदमा नहीं होता है तो यह कानून का अपवाद है।

स्वयं उतरे मैदान में डीसीपी प्रशांत गौतम शाहदरा में सुरक्षा की कमान संभाली

फुट पेट्रोलिंग से जनता का दिल जीता, पर्वों से पहले दिखाई जबरदस्त सतर्कता

प्रात: किरण: मनोज जैन

स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन जैसे पर्वों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए, शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने मंगलवार को फुल फोर्स के साथ जमीनी पेट्रोलिंग की कमान संभाली। उन्होंने जगतपुरी, खुरेजी, परवाना रोड, गगन विहार, मौसम विहार, सुख विहार और चित्र विहार जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल भ्रमण किया और मौके पर व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एसीपी महेंद्र जी, थाना प्रभारी जगतपुरी अभिषेक सिंह, एडिशनल एसएचओ राजकुमार सिंह, और पूरी पुलिस टीम भी मौजूद रही। यह दौरा न केवल सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि जनता के बीच भरोसे की भावना को भी और गहरा करता है। डीसीपी ने मौके पर स्थानीय लोगों और व्यापारियों से बातचीत कर सीधा संवाद स्थापित किया और आश्वासन दिया कि त्योहारों पर किसी भी प्रकार की अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर संवेदनशील पॉइंट पर पुलिस की सतर्क निगरानी रहेगी और स्वयं वे पेट्रोलिंग करते रहेंगे, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। विशेष बात यह है कि डीसीपी प्रशांत गौतम हर रोज अचानक किसी न किसी क्षेत्र में पहुँचते हैं और वहां कई किलोमीटर लंबी, घंटों चलने वाली पैदल पेट्रोलिंग करते हैं, जिससे न केवल सुरक्षा में सतर्कता आती है, बल्कि पुलिसकर्मियों में भी जवाबदेही और चुस्ती बनी रहती है। सभी थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और फील्ड में अधिकारियों की नियमित उपस्थिति अनिवार्य की गई है। क्षेत्रवासियों और व्यापारी वर्ग ने डीसीपी की इस पहलकदमी का खुले दिल से स्वागत किया। उनका कहना है कि जब अफसर खुद मैदान में उतरते हैं तो जनता को यह विश्वास होता है कि वह अकेली नहीं है। डीसीपी प्रशांत गौतम के कार्यभार संभालने के बाद से शाहदरा में ताबड़तोड़ कार्रवाइयाँ हुई हैं – अवैध गतिविधियों पर शिकंजा, गश्त का विस्तार, और पुलिस-जन संवाद को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने पुलिस और नागरिकों के बीच की दूरी को कम किया है और भाईचारे का माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। आज जनता सिर्फ सुरक्षा नहीं महसूस कर रही, बल्कि गर्व से यह भी कह रही है – शाहदरा में पुलिस हमारी साथी है।

हार हो जाए तो मत घबराना, खेल खिलाड़ी खेल डीएवी स्कूल में क्रीड़ा भारती का सशक्त संदेश

प्रात: किरण: मनोज जैन

गांधीनगर स्थित डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज दिनांक 5 अगस्त 2025 को क्रीड़ा भारती कोंकण प्रांत के सक्रिय पदाधिकारी अशोक यादव जी ने विद्यार्थियों को खेल और खिलाड़ी के महत्व को लेकर एक प्रेरणादायक सत्र में संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि खेल केवल जीत-हार नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, समर्पण और संयम सिखाते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2036 में भारत में ओलंपिक खेलों का आयोजन संभावित है, और यदि विद्यार्थी आज से मेहनत करें तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँच सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक जोशीला गीत भी प्रस्तुत किया, जिसने बच्चों में उत्साह की लहर भर दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री लखीराम जी ने बच्चों को अनुच्छेद 370 की समाप्ति की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार 5 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा हटाया गया और उसे भारत के अन्य राज्यों के समकक्ष लाया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान की उस ऐतिहासिक प्रक्रिया से अवगत कराया जिसमें पहले जम्मू-कश्मीर के पास पृथक ध्वज और कानून हुआ करते थे, लेकिन अब वह भारत की मुख्यधारा में पूर्ण रूप से एकीकृत है। उन्होंने इस दिन को राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया। सत्र में जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रोफेसर मनीष जी ने भी छात्रों को स्वामी विवेकानंद जी के उदाहरण देकर खेलों में आत्मबल, मनोबल और लक्ष्य साधना के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष श्री नरेश शर्मा, श्री ओमपाल यादव और श्री सतीश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों को जीवन में खेलों को अपनाने, हार से न घबराने और निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी।

अग्रवाल महासंघ बड़ौत के अध्यक्ष पद पर रवि गर्ग उर्फ बिटू निर्विरोध निर्वाचित

सैकड़ों समाजबंधुओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुई आमसभा, डॉ. योगेश जिंदल ने दिखाई एकता की मिसाल

प्रात: किरण: मनोज जैन

बड़ौत (जनपद बागपत) अग्रवाल समाज बड़ौत की ओर से पंचवटी धर्मशाला में एक भव्य आमसभा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य अग्रवाल महासंघह्ण के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव कराना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरीश मोहन अग्रवाल सर्राफ ने की, जबकि सभा का संचालन आकाश बंसल (एडवोकेट) ने सफलतापूर्वक संभाला। समाज में उत्साह और अनुशासन दोनों का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब सैकड़ों की संख्या में समाजजन एकत्र हुए। यह आयोजन समाज की लोकतांत्रिक भावना और सामूहिक एकता का प्रतीक बन गया। सभा की शुरूआत में गत वर्ष के अध्यक्ष विनोद गोयल ने अपना इस्तीफा सौंपा, और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी समाजबंधुओं का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष युगल किशोर गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जिन्होंने सभा को प्रेरणास्पद मार्गदर्शन दिया। इसके पश्चात चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हुई जिसमें दो प्रमुख नाम उभरकर सामने आए झ डॉ. योगेश जिंदल एवं रवि गर्ग उर्फ बिट्टू (लुहारी वाले)। लेकिन समाज की एकता को सर्वोपरि मानते हुए डॉ. योगेश जिंदल ने अपने नामांकन को स्वयं ही वापस ले लिया, जिससे रवि गर्ग को अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुन लिया गया। समाज ने इस एकता के संदेश को खुले दिल से स्वीकार किया और रवि गर्ग का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और समाज को एकजुट रखने की प्रेरणा दी। सभा में प्रमुख रूप से डॉ. राजेश गुप्ता, रामप्रकाश जी (नारनौल वाले), सचिन गुप्ता, संजय गुप्ता सभासद, लोकेश जी गर्ग, मोहनलाल जी (बर्फ वाले) एवं संदीप गर्ग ह्यटिट्टूह्ण मंच पर उपस्थित रहे और सभी ने एकजुट होकर संगठन को नई दिशा देने की बात कही। इस आयोजन को सफल बनाने में अनुज गर्ग (श्रीजी फैब्रिक, शांति मोहल्ला, बड़ौत) सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता ने इस आमसभा को केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक एकता, सौहार्द और सहयोग के पर्व में परिवर्तित कर दिया।

गांधी दर्शन आर्ट गैलरी में फ्रेगरेंस ऑफ आर्ट प्रदर्शनी का शुभारंभ रचनात्मकता और प्रेरणा का मिला संगम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। गांधी दर्शन आर्ट गैलरी में रचनात्मकता और प्रेरणा से भरा ह्यफ्रेगरेंस ऑफ आर्टह्ण कला प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन हुआ। इस प्रदर्शनी का आयोजन तराना आर्ट एंड म्यूज़िक द्वारा किया गया, जिसका शुभारंभ गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने किया। इस मौके पर संजीत कुमार (निदेशक, जीएसडीएस) और कमलेश चौधरी (अध्यक्ष, तराना आर्ट एंड म्यूज़िक) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उषा शर्मा, मिताली चक्रवर्ती, ममता महाराज, समीर चक्रवर्ती, डॉ. मृदुला टंडन, सफाहुद्दीन हक अबुसरीम और उम्मे मारिया हक जैसी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। प्रदर्शनी में 3डी पेंटिंग्स, ऑयल और ऐक्रेलिक पेंटिंग्स, क्ले मॉडल्स, हस्तनिर्मित आभूषण और फोटोग्राफ्स प्रदर्शित किए गए। इन्हें वरिष्ठ कलाकार नवानिल चौधरी के निर्देशन में उनके वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्यार्थियों ने तैयार किया। भाग लेने वाले कलाकारों में अनीता, आदेश, मीनाक्षी, इल्मा, तिथि, तनु, नयनतारा, प्रीति, सुधा, अंजू, विशेष, अनुराधा, उद्देश्य, अभिज्ञा, देबोलिना, हिमांशु और शालिनी शामिल रहे। इनकी कृतियों ने कला की विविधता और सृजनात्मकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। आयोजन में आए सभी अतिथियों का गरमजोशी से स्वागत और सम्मान किया गया। प्रदर्शनी ने उपस्थित लोगों को कला के माध्यम से प्रेरणा और सृजनात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया।

शाहदरा में शराब तस्करी का बड़ा भंडाफोड़, दो कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

● डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में एएनटीएफ टीम की बड़ी कामयाबी

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा जिले में अवैध शराब की तस्करी पर नकेल कसते हुए दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बड़ी सफलता हासिल की है। डीसीपी प्रशांत गौतम के निर्देशन में शाहदरा फ्लाईओवर के निकट एक सैंट्रो कार को रोका गया, जिसमें हरियाणा ब्रांड की बड़ी मात्रा में देशी शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई का नेतृत्व एएनटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह ने किया, जिनके साथ उनकी विशेष टीम शामिल थी। जांच के दौरान पाया गया कि कार की डिग्गी में अवैध रूप से भरी गई शराब की पेटियां छिपाकर लाई जा रही थीं, जिन पर ह्यकेवल हरियाणा में बिक्री हेतुह्ण अंकित था। कार में सवार दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी पहले से ही कई मामलों में संलिप्त रह चुके हैं। एक आरोपी हरियाणा के सोनीपत जिले का निवासी है, जबकि दूसरा दिल्ली के नांगलोई क्षेत्र का है। दोनों तस्कर लंबे समय से शराब की अवैध आपूर्ति में सक्रिय थे और दिल्ली में सस्ती शराब की तस्करी कर रहे थे। तलाशी के दौरान उनके पास से एक संदिग्ध वाउचर भी बरामद हुआ, जिससे यह संकेत मिला कि यह पूरा काम संगठित ढंग से किया जा रहा था। इस पूरी कार्रवाई में एसआई सत्यदेव पंवार, एएसआई सुल्तान सिंह, और हेड कांस्टेबल राजेश, विनय, वेदपाल, विकास, योगेश सहित कांस्टेबल अर्जुन, महिला कांस्टेबल शिवानी तथा डीएचजी दिनेश की भूमिका सराहनीय रही। डीसीपी प्रशांत गौतम ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि शाहदरा जिले में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसी तस्करी की जड़ तक पहुंचने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी से लगी हुई है।

आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए एमसीडी और सरकार सक्रिय : दत्त शर्मा

नई दिल्ली,। राजधानी दिल्ली, विशेषकर यमुनापार क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। रोजाना कई लोग इनकी चपेट में आकर घायल हो रहे हैं। हाल ही में रोहिणी के पूठ कलां इलाके में 6 साल की बच्ची की मौत के बाद हालात और गंभीर हो गए। पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा ने बताया कि अब दिल्ली नगर निगम और सरकार इस समस्या से निपटने के लिए सक्रिय हो गई है। एमसीडी 5 अगस्त से आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण का महाअभियान शुरू करने जा रही है। शुरूआती चरण में करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में पायलट प्रोजेक्ट चलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में आवारा कुत्तों की नसबंदी करने का लक्ष्य है। श्री शर्मा ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में कानूनी बदलावों और कुत्तों को अन्य स्थानों पर शिफ्ट करने के विकल्प पर भी चर्चा हुई। फिलहाल सरकार अदालत के रुख और कानूनी सलाह का इंतजार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा था कि डॉग बाइट की घटनाएं शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से नागरिकों को प्रभावित कर रही हैं, और बच्चों व बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। श्री दत्त शर्मा ने कहा कि यदि रिलोकेशन की अनुमति मिलती है, तो यह कदम देशभर में एक मिसाल बन सकता है और दिल्लीवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

वाल्मीकि समाज के अधिकारों के लिए मंथन शुरू : राजू चंदेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राम राज्य मंथन संस्था के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि मंदिर, उस्मानपुर में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंदिर विकास समिति अध्यक्ष मोहिनी चंदेल ने की, जबकि संयोजक की भूमिका महंत राजू चंदेल ने निभाई। मुख्य अतिथि के रूप में रमेश वाल्मीकि उपस्थित रहे। बैठक में वाल्मीकि समाज की सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज पर बढ़ते अत्याचार और शोषण पर चिंता जताई और बच्चों की शिक्षा, तरक्की और राजनीति में भागीदारी पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में राजू चंदेल ने कहा कि यह अभियान दिल्ली से शुरू होकर देश के कोने-कोने तक जाएगा, जिससे समाज को जागरूक किया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से जातिगत जनगणना में वाल्मीकि समाज के लोगों से जाति कॉलम में ह्यवाल्मीकिह्ण लिखने की अपील की। उनका कहना था कि इससे वास्तविक जनसंख्या का आकलन होगा और समाज को राजनीतिक अधिकार व उचित प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। समारोह में आए हुए अतिथियों का पगड़ी और पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मदन लक्कड़, नरेश चौधरी, सुभाष नारायण, सुरेंद्र सिंह चंदेल, विनीत कुमार, राहुल, अनिल, चंद्रपाल, अमित, कमलेश देवी, शंकर लाल, शिवम गुरुजी सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे और समाज की उन्नति के लिए साथ देने का संकल्प लिया।

दिल्ली पुलिस ने लाल किले में घुसने की कोशिश कर रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,। स्वतंत्रता दिवस से कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस ने लाल किले में एक बड़ी सुरक्षा चूक को टालते हुए पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ये सभी युवक जबरन लाल किले के भीतर घुसने की कोशिश कर रहे थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। वे दिल्ली में मजदूरी का काम करते हैं। इनकी उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच है। पुलिस ने इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज भी बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को लाल किला प्रवेश नियंत्रण कक्ष के पास हमारे सतर्क जांच दल ने 5 व्यक्तियों को रोका। उनके पास प्रवेश के लिए वैध पास नहीं था। पूछताछ करने पर पता चला कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं। वे लाल किला देखने आए थे, क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि लाल किला 15 जुलाई से आम जनता के लिए बंद है। हालांकि, इन नागरिकों से पूछताछ में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्हें कानून के अनुसार निर्वासित करने की प्रक्रिया चल रही है। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब 15 अगस्त को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस स्वतंत्रता दिवस के आयोजन से पहले राजधानी में रोजाना सुरक्षा अभ्यास कर रही है। सुरक्षा कारणों से 16 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी में पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के संचालित एयरक्राफ्ट, क्वाडकॉप्टर या एयरक्राफ्ट से पैरा जंपिंग जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध है। दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने पिछले दिनों यह आदेश जारी किए थे।

दिल्ली पुलिस का तिहरा ऑपरेशन: 55 लाख की बरामदगी साइबर गैंग का भंडाफोड़ और झपटमार गिरफ्तार

प्रात: किरण: मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए राजधानी में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए हैं। उत्तर-पश्चिम जिले के केशवपुरम थाना और विशेष टीम ने एक ऐसे नौकर को गिरफ्तार किया, जो अपने मालिक के 55 लाख रुपये लेकर फरार हो गया था। यह राशि एक पार्टी को देने के लिए सौंपी गई थी, लेकिन आरोपी ने विश्वासघात करते हुए फरार होने की योजना पहले से बना रखी थी। पुलिस ने तकनीकी निगरानी, मोबाइल रिकॉर्ड और चार राज्यों में दबिश के बाद आरोपी नरेंद्र शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार कर पूरी 55 लाख रुपये की नकद राशि बरामद कर ली। आरोपी का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला, लेकिन उसने स्वीकार किया कि वह आसान तरीके से धन कमाना चाहता था और इसी दौरान दक्षिण-पश्चिम जिले के साइबर थाना स्टाफ ने एक संगठित साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया, जो खुद को निजी बैंक का कर्मचारी बताकर लोगों को उनके क्रेडिट कार्ड के इनाम अंक (रिवॉर्ड प्वाइंट) भुनवाने का झांसा देता था। कॉल करने वाले पहले कार्ड के अंतिम चार अंक बता कर भरोसा जीतते थे, फिर ग्राहक से एक बार का पासवर्ड (ओटीपी) पूछकर उनके खाते से रकम निकाल लेते थे। पुलिस ने इस मामले में पाँच आरोपियों को गिरफ़्तार किया, जिनमें एक पूर्व बैंक कर्मचारी, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट छात्र और एक महिला शामिल है जो फर्जी बैंक खातों की आपूर्ति करती थी। आरोपियों के पास से दस मोबाइल फोन, बैंकिंग उपकरण, सात नकली बैंकिंग किट, कंपनी की मोहरें, इंटरनेट उपकरण और एक निजी बैंक का पहचान पत्र बरामद हुआ है। अब तक की जांच में 96,000 की ठगी की पुष्टि हो चुकी है, और बाकी मामलों की जाँच जारी है। तीसरी बड़ी कार्रवाई उत्तर-पश्चिम जिले के मुकर्जी नगर थाने द्वारा की गई, जहाँ पुलिस ने मोबाइल झपटमारी की एक घटना को 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया। शिकायतकर्ता से विजय नगर इलाके में मोबाइल छीना गया था। पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, संदिग्ध ठिकानों पर छापे मारे और तीन शातिर बदमाशों – नमन, अमरदीप और राहुल – को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नमन और अमरदीप के खिलाफ पहले भी झपटमारी और चोरी के केस सामने आए हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से शिकायतकर्ता का मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी बरामद कर ली है। तीनों ही मामलों में दिल्ली पुलिस की तेज कार्रवाई, तकनीकी विशेषज्ञता और जमीनी सूचना तंत्र की सक्रियता से यह सफलता संभव हो सकी,

दिगंबर जैन नैतिक शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन समारोह संपन्न

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिगंबर जैन नैतिक शिक्षा समिति द्वारा बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रीत विहार में आयोजित नैतिक शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। समिति के पाठशाला मंत्री अशोक जैन (तरुण मित्र परिषद) ने बताया कि आज के समय में बच्चों को लौकिक शिक्षा तो मिल रही है, लेकिन उन्हें जीवनोपयोगी नैतिक मूल्यों से परिचित कराना भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समिति पिछले चार दशकों से दिल्ली और एनसीआर में सैकड़ों शिविरों का आयोजन कर रही है। समिति अध्यक्ष धनपाल सिंह जैन ने जानकारी दी कि इस वर्ष ग्रीष्मावकाश के दौरान 74 शिविरों में 10,000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। शिविरों में बच्चों को संस्कार, शाकाहार, जल और ऊर्जा संरक्षण, माता-पिता व गुरुजनों के सम्मान और ईश्वर स्मरण का महत्व सिखाया गया। समापन समारोह में बच्चों ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण, ह्यस्वच्छ भारत अभियानह्ण, ह्यफास्ट फूड के दुष्प्रभावह्ण और अन्य सामाजिक विषयों पर आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. अनिल गोयल ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में नैतिक जागरूकता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने प्रतिभागी बच्चों को स्वर्ण, रजत पदक और सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। समिति के कार्याध्यक्ष प्रवीन जैन, महामंत्री मनोज जैन, उपाध्यक्ष पी.के. जैन, सह संयोजक नरेन्द्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष वरुण जैन, प्रदीप जैन सन्मति और जे.के. जैन ने शिविर संयोजकों, अध्यापिकाओं और कार्यकताओं को उपहार देकर सम्मानित किया। समापन पर समिति ने विद्यालय निदेशक योगेश अरोड़ा का आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन से पहले शाहदरा में पुलिस की सख्ती

● चीनी मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई, बाजारों और वाहनों की कड़ी जांच

प्रात: किरण: मनोज जैन

स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को ध्यान में रखते हुए शाहदरा जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसीपी प्रशांत गौतम ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। पूरे जिले में सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर वाहनों की जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी और सतत पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से चौराहों, मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तैनात है। साथ ही, ट्रैफिक पुलिस द्वारा भी विशेष रूप से दस्तावेज जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिससे कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रहे। इसी दिशा में गांधी नगर डिवीजन के एसीपी अरविंद कुमार नेगी ने विशेष कार्रवाई करते हुए कृष्णा नगर थाना क्षेत्र की सबसे बड़ी खुदरा बाजार – लाल क्वार्टर – में थानाध्यक्ष मुकेश राणा, अतिरिक्त एसएचओ सचिन वर्मा और समस्त स्टाफ के साथ गहन पेट्रोलिंग अभियान चलाया। संदिग्ध वाहनों की जांच की गई और बाजारों में सुरक्षा का निरीक्षण किया गया। एसीपी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति या दुकानदार चाइनीज मांझा बेचता या संग्रहित करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे अपने वाहनों के पूरे वैध दस्तावेज साथ लेकर चलें, अन्यथा उनके खिलाफ चालान व अन्य कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांधी नगर थाना प्रभारी प्रफुल्ल कुमार ने अपने क्षेत्र में पतंग व्यापारियों की दुकानों पर जाकर सघन निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी रूप में चीनी मांझे की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और शाहदरा पुलिस द्वारा आम जनता से भी यह अपेक्षा की गई है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि सुरक्षा एवं शांति बनाए रखी जा सके।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक मंगोलपुर खुर्द शाखा में वित्तीय समावेशन कैंप, डिजिटल सुरक्षा पर भी दी गई जानकारी

नई दिल्ली,। पंजाब एण्ड सिंध बैंक, अंचल दिल्ली-2 के अंतर्गत मंगोलपुर खुर्द शाखा में वित्तीय समावेशन जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बैंक के महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार रैगर ने किया। इस अवसर पर आंचलिक प्रबंधक श्री पवन कुमार भाटिया, मुख्य अग्रणी बैंक प्रभारी श्री मनोज कुमार, बैंक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्राहक मौजूद रहे। कैंप में प्रधानमंत्री जनधन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। आंचलिक प्रबंधक पवन कुमार भाटिया ने कहा कि बैंक का उद्देश्य है कि हर नागरिक तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। महाप्रबंधक राजेन्द्र कुमार रैगर ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक केवल वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कैंप में डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा पर भी विशेष सत्र आयोजित हुआ। मुख्य अग्रणी बैंक प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सुविधाएं जीवन को सरल बनाती हैं, लेकिन इनके उपयोग के दौरान सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने ग्राहकों को फर्जी कॉल्स, फि शिंग ईमेल्स और लिंक से सतर्क रहने और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी बैंक जानकारी साझा न करने की सलाह दी।

देश दुनिया की ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉग ओंन करें
pratahkiran www.pratahkiran.com

हाई-प्रोफाइल पार्टी एंट्री के लिए 25 हजार तक वसूलता था डीजे

भोपाल ड्रग रैकेट का मामला

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

भोपाल में हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्करी के मामले में गिरफ्तार डीजे यासीन उर्फ मछली को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। क्राइम ब्रांच की पूछताछ में सामने आया है कि यासीन शहर में सबसे यादा नाइट पार्टियां आयोजित करता था, जिसके लिए वह हर शख्स से 10 से 25 हजार रुपये तक वसूलता था। ड्रग्स की कीमत इसके अलावा होती थी।

फार्म हाउस में होती थीं रेव पार्टियां

डीजे यासीन ने क्राइम ब्रांच को बताया कि वह पहले क्लब, लाउंज और पब में नशे के आदी युवक-युवतियों के साथ पार्टी की योजना बनाता था। इसके बाद इन पार्टियों का आयोजन शहर के बाहर बने फार्म हाउसों में किया जाता था, जहाँ सिर्फ पास धारकों को ही एंट्री मिलती थी। ये फार्म हाउस आबादी से दूर होते थे, ताकि देर रात तक लाउड म्यूजिक और डांस पर किसी को कोई आपत्ति न हो।

यासीन के मोबाइल से पुलिस को कई रेव पार्टियों के वीडियो भी मिले हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हर पार्टी से पहले सभी लोग एक निश्चित पब में इकट्ठा होते थे और फिर एक साथ पार्टी के लिए तय जगह पर रवाना होते थे।

क्लब और पब मालिकों को नोटिस जारी

इस मामले में पुलिस अब उन सभी क्लब, पब और लाउंज मालिकों और मैनेजरों को नोटिस जारी कर रही है, जहाँ यासीन और उसके गिरोह के लोग अक्सर जाते थे। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं ड्रग तस्कर गिरोह की मिलीभगत इन क्लबों के मालिक या कर्मचारियों के साथ तो नहीं थी। इस जांच से ड्रग नेटवर्क से जुड़े और भी लोगों के नाम सामने आने की उम्मीद है।

भोपाल में नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान पर सख्ती

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

भोपाल में 1 अगस्त से लागू हुए नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान को सख्ती से लागू करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। शुरुआती दिनों में कई पेट्रोल पंपों पर आदेश का उल्लंघन करते हुए बिना हेलमेट वाले ग्राहकों को पेट्रोल दिया जा रहा था। इस पर लगाम कसने के लिए अब खाद्य विभाग ने पेट्रोल पंपों के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग जांचने का फैसला किया है। उल्लंघन करने वाले पंपों पर कड़ी कार्रवाई के लिए टीमें भी बनाई गई हैं।

उल्लंघन करने वाले पंपों पर फूड डिपार्टमेंट करेगा जांच

भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 30 जुलाई को यह आदेश जारी किया था, जो 1 अगस्त से प्रभावी हो गया। पहले दिन तो आदेश का पालन सख्ती से हुआ, लेकिन उसके बाद कई पंपों पर यह आदेश हवा-हवाई हो गया। तीसरे और चौथे दिन भी यही हालात देखने को मिले। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह भदौरिया ने बताया कि उनकी टीम अब पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग निकाल रही है। इन रिकॉर्डिंग्स के आधार पर उन सभी पंपों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। प्रशासन ने कार्रवाई शुरू भी कर दी है। 2 अगस्त को खाद्य विभाग की टीम ने बैरसिया क्षेत्र के तीन पेट्रोल पंपों की जांच की, जहां गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। श्रीदेव कृपा फ्यूल्स, भोजपुरा- यहां बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया जा रहा था। इसके अलावा, स्टॉक रजिस्टर अपडेट नहीं था और पंप के पास विस्फोटक लाइसेंस भी नहीं था। राजधानी फ्यूल्स किसान सेवा केंद्र, पिपलिया- यहां भी बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया जाना पाया गया। बीआर पेट्रोल पंप, बैरसिया- इस पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल बिक्री हो रही थी। जांच में 677 लीटर पेट्रोल और 9,902 लीटर डीजल स्टॉक से अधिक मिला, जिसकी कीमत 9,83,052 रुपये है। साथ ही, पंप परिसर में निर्मित टैंक के स्वीकृत नक्शे के अनुसार नहीं थे। इन तीनों पेट्रोल पंपों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम और कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है।

आदेश के प्रमुख बिंदु

यह आदेश 1 अगस्त 2025 से लागू हुआ है और 29 सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा। किसे है छूट- मेडिकल संबंधी मामलों और आकस्मिक स्थितियों में यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। क्या है प्रावधान- मध्य प्रदेश मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 129 के तहत दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठे व्यक्ति को ढ्ढस्ढ्ढ मार्क हेलमेट पहनना अनिवार्य है। उल्लंघन पर कार्रवाई- आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था या संचालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता-23 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टेस्ट में फेल हुए छत्तीसगढ़ के सरकारी टीचर

वायरल वीडियो ने खोली शिक्षा व्यवस्था की पोल

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से एक हैरान और परेशान करने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो ने छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था की सारी सच्चाई खोलकर रख दी है। यहां सरकारी स्कूल के शिक्षकों को राज्य के 'मुख्यमंत्री,' 'राष्ट्रपति,' और 'प्रधानमंत्री' तक के नाम नहीं पता हैं। ऐसे शिक्षकों के भरोसे छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था चलाई जा रही है और राज्य के भविष्य को तैयार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के इस सरकारी शिक्षक का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में सरकारी स्कूल की क्लास में बच्चों को पढ़ाने वाले टीचर से वीडियो बनाने वाला व्यक्ति सामान्य ज्ञान के कुछ सवाल पूछते दिखाई दे रहा है, जिनके स्कूल के मास्टर साहब जवाब नहीं दे पा रहे हैं। वीडियो में जब व्यक्ति ने मास्टर साहब से पूछा कि राज्य के शिक्षा मंत्री कौन हैं, तो उन्होंने जवाब में पूर्व शिक्षा मंत्री का नाम बताया।इसके बाद व्यक्ति ने मास्टर जी से पूछा कि राज्य के 'मुख्यमंत्री' कौन हैं? 'राष्ट्रपति' कौन हैं? और 'प्रधानमंत्री' का नाम क्या है? इन सभी सवालों के जवाब पर मास्टर जी ने चुप्पी साध ली और अपनी नजरें चुराने लगे। इसके बाद जब व्यक्ति ने टीचर को उनके पीछे क्लास में लगा पोस्टर दिखाकर उस पर छपे सीएम विष्णुदेव साय की फोटो दिखाई और नाम पढ़ने को बोला, तो उसे भी मास्टर जी रुक-रुक कर पढ़ रहे थे।

ब्लैकबोर्ड पर क्या लिखा है?

इसके अलावा वीडियो में टीचर के पीछे एक ब्लैकबोर्ड भी दिख रहा है, जिस पर अंग्रेजी के कुछ शब्द लिखे हुए हैं। जिसकी स्पेलिंग उम्मीद के अनुसार पूरी तरह से गलत थी। यहां मास्टर जी ने ब्लैकबोर्ड पर 'द्ब्रद्ब्रश1ठ्ठ 12' और लिखा हुआ है। मास्टर जी शायद 'श्वद्वद्द1द्गठ्ठ' और 'ञ्2द्गद्ब1द्ग' की स्पेलिंग लिखने की कोशिश कर रहे थे।

धर्मांतरण केस में जेल से रिहा दो नन के स्वागत को पहुंचे अध्यक्ष

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के आरोप में अरेस्ट की गई केरल की दो नन को शनिवार को जमानत मिल गई। इसके बाद दोनों नन का बीजेपी और कम्यूनिस्ट पार्टी के नेताओं ने स्वागत किया। एएनआई ने दो नन की रिहाई में आए बीजेपी और कम्यूनिस्ट नेताओं का वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में भाकपा सांसद पी.संतोष कुमार और केरल बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के साथ और भी कई नेता दिख रहे हैं।

बजरंग दल की शिकायत पर की गई अरेस्ट

बता दें कि केरल की दो नन को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में बजरंग दल की शिकायत पर अरेस्ट किया गया था। बजरंग के स्थानीय नेता ने दोनों नन पर ये आरोप लगाया था। इसके साथ ही एक आदिवासी युवक को भी अरेस्ट किया गया था। तीनों को बिलासपुर की एनआईए कोर्ट ने जमानत दे दी। कोर्ट ने तीनों को 50 हजार बॉन्ड जमा कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों के पासपोर्ट जमा करने क आदेश भी दिया है।

रेलवे के अधिकारी ने क्या कहा?

रेलवे के अधिकारी की मानें तो बजरंग के स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत पर दो नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस को दुर्ग रेलवे स्टेशन से अरेस्ट किया गया था। इसके अलावा दोनों के साथ स्थानीय आदिवासी युवक सुकमन मंडावी को पुलिस ने पकड़ा था। ये पूरा मामला नारायणपुर के ओरछा की 3 आदिवासी लड़कियों की तस्करी और अवैध धर्मांतरण से जुड़ा है। मामले में बजरंग दल के स्थानीय पदाधिकारी ने दोनों नन की शिकायत की थी। इसके बाद जीआरपी ने दोनों नन और एक आदिवासी युवक को अरेस्ट किया था ।मामले को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है। ये पूरी कार्रवाई बीजेपी शासित छत्तीसगढ़ में हुई है। वहीं केरल बीजेपी इन दोनों ननों को निर्दोष बता रही थी। ऐसे में बीजेपी के इस रूख से हर कोई हैरान है। हालांकि कांग्रेस ने बीजेपी को अवसरवादी बताते हुए इसे चुनावी रणनीति करार दिया है।

साइकिल चलाकर दफ्तर पहुंचे सतना कलेक्टर-एसडीएम समेत अधिकारी

सतना। रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद के प्रेरणादायक आह्वान पर सतना जिले में हर मंगलवार को 'साइकिल डे' के रूप में मनाने की अनूठी पहल की गई है। इस पहल की शुरुआत मंगलवार को देखने को मिली है। जब कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस सहित प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी साइकिल से दफ्तर पहुंचे है।

सुबह के समय कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अपने बंगले से संयुक्त कलेक्ट्रेट तक की करीब तीन किलोमीटर की दूरी 25 मिनट में साइकिल से तय की है। उनके साथ एसडीएम सिटी राहुल सलाडिया, तहसीलदार रघुराज नगर सौरभ मिश्रा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी साइकिल चलाते नज़र आए है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों की रक्षा- कमिश्नर ने जारी आदेश में बताया कि इस अभिनव अभियान का मकसद वायु प्रदूषण में कमी, ईंधन की बचत, और स्वास्थ्य लाभ जैसे बहुआयामी उद्देश्यों को हासिल करना है। गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से न केवल वायु प्रदूषण घटेगा, बल्कि शहर का पर्यावरण भी स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक बनेगा।

भोपाल में कल से मिशन कर्मयोगी के तहत काम बंद

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश में राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर-न्यायिक कार्यों के विभाजन के विरोध में बुधवार से तहसीलदार और नायब तहसीलदार काम बंद कर देंगे। ये अधिकारी केवल आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यों को ही संभालेंगे। इस विरोध से आम लोगों के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है।

क्या है विरोध का कारण?

मध्य प्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ, सरकार द्वारा 12 जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई इस व्यवस्था का विरोध कर रहा है। संघ का कहना है कि सरकार ने बाद में इसे 9 और जिलों में लागू कर दिया है। इस व्यवस्था में जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फील्ड के काम नहीं कर रहे और फील्ड के अधिकारी न्यायिक काम नहीं कर रहे। इससे अधिकारियों को उनके मूल राजस्व कार्यों से अलग किया जा रहा है। संघ ने राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा और वरिष्ठ अधिकारियों से भी इस संबंध में बात की थी, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद सभी जिला अध्यक्षों और प्रतिनिधियों की बैठक में 6 अगस्त से विरोध करने का निर्णय लिया गया।

कल से क्या करेंगे राजस्व अधिकारी?

काम बंद- बुधवार से राजस्व अधिकारी आपदा प्रबंधन के अलावा सभी कार्यों से विरत रहेंगे। वाहन और डोंगल जमा- सभी अधिकारी अपने सरकारी वाहन जिला मुख्यालयों में जमा कर देंगे और अपने डिजिटल सिग्नेचर के डोंगल को सीलबंद कर जिला अध्यक्ष को सौंपेंगे। वॉट्सऐप ग्रुप छोड़ेंगे- वे अपने-अपने आधिकारिक वॉट्सऐप ग्रुप भी छोड़ देंगे।

संघ की प्रमुख मांगें

योजना वापस लेने की मांग- संघ ने साफ कहा है कि जब तक यह विभाजन की योजना पूरी तरह से वापस नहीं ली जाती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

दंड प्रक्रिया की शक्तियां वापस लें- संघ का कहना है कि उनके संवर्ग में विभाजन का मुख्य आधार कार्यपालिक दंडाधिकारी के कार्य हैं, जिनके कारण 45त्न अधिकारियों को उनके मूल राजस्व कार्य से अलग किया जा रहा है। इसलिए सरकार से मांग की गई है कि ये शक्तियां पुलिस या सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप दी जाएं।

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा हो रही जनहानि

फसल हानि के प्रकरणों का संवेदनशीलता से करें निराकरण : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

रायपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति के प्रकरणों में त्वरित, नियमानुसार एवं संवेदनशीलता से क्षतिपूर्ति सहायता प्रदान की जाए। वनांचल में निवासरत लोगों को कई बार वन्यप्राणियों के हमलों से अपनों को खोने की पीड़ा सहनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावितों के दुख-दर्द का मानवीय दृष्टिकोण से शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाथी-मानव द्वंद्व और अन्य हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाएं राज्य के वनांचल क्षेत्रों में चुनौती बनकर उभर रही हैं। ऐसी स्थितियों में शासन की जिम्मेदारी है कि पीड़ितों को शीघ्र एवं न्यायसंगत सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जंगली हाथियों द्वारा धान जैसी प्रमुख फसल के अतिरिक्त गन्ना, केला, पपीता एवं कटहल जैसी नगदी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे किसानों को आर्थिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी दोहरी मार झेलनी पड़ती है। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रदत्त व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदत्त सहायता समय पर प्रभावितों तक पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। जनहानि, स्थायी अपंगता, पशुहानि, मकान क्षति तथा फसल हानि के लिए दी जाने वाली क्षतिपूर्ति दरों में वृद्धि किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति के आरबीसी के प्रावधानों के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि पर भी चर्चा की गई।

51 लाख की शराब जब्त

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अवैध तरीके से छत्तीसगढ़ में खपाने के लिए लाई गई शराब को जशपुर पुलिस ने पकड़ा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शराब पंजाब से आई थी। उसे झारखंड के रास्ते छत्तीसगढ़ में सप्लाई करना था। पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में अवैध शराब छत्तीसगढ़ आ रही है जिसके बाद टीम ने कार्रवाई की। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 51लाख रुपये है। शराब को पंजाब के चंडीगढ़ से रांची होते हुए जशपुर के रास्ते ट्रक में भरकर लाया जाया जा रहा था। जिसे सिटी कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर घर दबोचा हैं। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर चीमा राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली बिल हाफ योजना में कटौती पर बिफरी कांग्रेस..

7 अगस्त को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के विरोध में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। कांग्रेस ने कहा कि आम जनता को न्याय दिलाने व हाफ बिजली योजना के तहत 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना वापस फिर से शुरू किये जाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 6 अगस्त को जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ता एवं 7 अगस्त को जिला मुख्यालय स्थित बिजली ऑफिस के समक्ष विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य भाजपा सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना के तहत 400 यूनिट की सीमा को समाप्त कर आम जनता के ऊपर अत्याचार कर रही है। बिजली की दरों में हुई बेतहाशा वृद्धि और हाफ बिजली बिल योजना को समाप्त किये जाने से आमजनता को बिजली बिल के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विष्णुदेव साय सरकार ने मात्र 100 यूनिट के भीतर की खपत वाले का ही बिजली बिल हॉफ करने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के अधिसंख्यक उपभोक्ता बिजली बिल हाफ योजना से वंचित हो गये है। वर्तमान निर्देश के अनुसार 100 यूनिट से अधिक खपत होने पर बिजली बिल पूरा लगेगा तथा 100 यूनिट का छूट भी नहीं मिलेगा। पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाया था। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे यूनिट महंगी कर दी गई है।

समरसता के प्रतीक हैं सर्वशक्तिमान शिव

रीना रानी

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में बहुदेववाद की उपासना का प्रावधान है। लेकिन, ईश्वर के रूप में त्रिदेव का स्थान सर्वोच्च है। इस त्रिदेव में देवों के देव महादेव को सर्वशक्तिमान और सर्वसुलभ माना जाता है। त्रिदेव में ब्रह्मा और विष्णु के साथ विश्व के रचयिता, पालक और संहारक के रूप में जाने जाते हैं। शिव को अनेक नामों से स्मरण एवं पूजन किया जाता है। शिव, शंकर, शंभू, महेश, महादेव, नीलकंठ, रुद्र, नटराज, भोलेनाथ, कैलाशपति समेत कई अन्य नामों से भी संबोधित किया जाता है। भगवान शिव को प्रकृति के निकट और समरसता के साक्षात देव के रूप में जाना जाता है। उनकी उपासना की पद्धति काफी सरल और सहज है। महज जल और बिल्वपत्र के अर्पण से प्रसन्न होने वाले भोलेनाथ को सबसे बड़ा दानी भी कहा गया है। शिव जी को तपस्वी, ध्यानी, देवों के देव, वैरागी और नटराज के रूप में भी वर्णित किया गया है। भगवान शिव को संस्कृति, कला, विज्ञान, धार्मिक तत्व और मानवता के सभी पहलुओं में प्रगति का प्रतीक है। उनके ध्यान में रहकर व्यक्ति शक्तिशाली और समर्थ बनता है और सभी जीवों के प्रति सम्मान एवं प्रेम की भावना विकसित करता है। यही कारण है चूहा का दुश्मन सांप, सांप का दुश्मन गरुड, गाय का दुश्मन बाघ है, लेकिन शिव परिवार में सभी एक साथ रहते हैं। भगवान शिव के महत्वपूर्ण तत्व जैसे की त्रिशूल, डमरू, गंगा, नंदी आदि का उपयोग उनके पूजा-अर्चना में होता है। शिव के चिन्ह त्याग का प्रतीक है। उनके मुकुट पर साँपों की माला, गंधमाला, त्रिशूल, डमरू (डमरू), गंगा जल और चंद्रमा के चिन्ह दिखाई देते हैं। भगवान शिव के चरित्र में शांत, तपस्वी, धार्मिक और कल्याणकारी विचारधारा तथा भक्तों के प्रति कृपाशीलता शामिल है। भगवान शिव का वाहन नंदी है। भगवान शिव के दोनों पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी पूज्यनीय हैं। शिव और शक्ति दोनों हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित हैं। शिव संसार के सृष्टि, स्थिति और संहार के प्रतीक हैं तो शक्ति को उनकी पत्न ी का प्रतीक माना गया है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और उन्हें संपूर्णता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। शिव और शक्ति के उपासकों को अनंत शक्ति, ध्यान, और साधना के लिए प्रेरित करते हैं। भगवान शिव त्रिनेत्रधारी हैं। मान्यता है कि उनकी एक आंख धरती पर स्थित है, दूसरी आंख स्वर्ग में है और तीसरी आंख उनकी आत्मा को देखती है। भगवान शिव को तांडव, रुद्राष्टकम और महामृत्युंजय मंत्र प्रिय है। इसके वाचन और स्तुति के साथ ध्यान करने से मन की शांति, भक्ति और सार्थकता प्राप्त होती है। भगवान शिव की भक्ति से मनुष्य को आत्मज्ञान, समरसता और सर्वव्यापकता के लिए भगवान का अनुभव होता है। उनके ध्यान से संसार से मुक्ति मिलती है। उनके पूजन से भक्त को शक्ति, साहस और सामर्थ्य मिलता है, जो किसी भी विषम परिस्थिति का सामना करने में सहायता प्रदान करता है। उनके ध्यान से मन का शुद्धिकरण होता है और व्यक्ति ईश्वरीय आत्मा को प्राप्त करता है। भगवान शिव के पावन चरित्र का ध्यान करने से समाज की भलाई, धर्म की रक्षा और पालन के साथ ही जीव कल्याण की भावना प्रबल होती है। उनके पूजन से हमारे शरीर, मन, और आत्मा में संतुलन बना रहता है, जो हमें उच्च स्तर के ज्ञान, शक्ति, और उत्साह से युक्त बनाता है हम आत्मसम्मान के साथ सहजता से जीवन जीने की कला सीखते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की कृपा से हमें आध्यात्मिक उन्नति, संतुलन और शांति की प्राप्ति होती है। उन्हें याद करने से हमारे जीवन में संतुलन बना रहता है और हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। भगवान शिव की महिमा और व्यापकता को वर्णित करने के लिए कई जन्म गुजर सकता है, क्योंकि उनकी महिमा अनंत है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग का सनातन धर्म मे व्यापक महत्व है। शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंगों में सालोभर भक्तों का तांता लगा होता है। मान्यता है कि इन 12 जगहों पर शिव जी ज्योति स्वरूप में विराजमान हैं, इस वजह से इन 12 मंदिरों को ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारेश्वर, भीमाशंकर, विश्वेश्वर (विश्वनाथ), त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, घुष्मेश्वर (घृष्णेश्वर) शामिल हैं। हिन्दू पंचांग के सावन मास में भगवान शिव की उपासना का खास महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन मास भगवान शिव को प्रिय है। प्राकृतिक दृष्टि से देखें तो प्रकृति अपने मूल रूप में इस मास में दिखती है। भगवान शिव को अर्पित किए जाने वाले वस्तु भी सहजता से उपलब्ध हो जाते हैं। ॐ नमः शिवाय।

चुनाव आयोग की गिरफ्त में

भारत का चुनाव आयोग उपहास का पात्र नहीं है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां करना बेवकूफी है। चुनाव आयोग की भूमिका तटस्थ और निष्पक्ष है, यह विश्व के कई देश सत्यापित कर चुके हैं। वह देश के चुनावों का संचालक है, जो पार्षद-विधायक से मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद से प्रधानमंत्री तक का निर्णायक निर्वाचन तय करता है। चुनाव आयोग कांग्रेसी अथवा भाजपाई या वामपंथी नहीं हो सकता। उसके फैसलों और अभियानों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, आपत्तियां जताई जा सकती हैं, लेकिन किसी ह्यएटम बमह्ल से उसके अस्तित्व के खात्मे की प्रहारात्मक धमकी नहीं दी जानी चाहिए। यह संवैधानिक अपराध भी है। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सार्वजनिक की गई है। खुद चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 65.44 लाख से अधिक नाम काट दिए गए हैं, लिहाजा अब कुल मतदाता 7.24 करोड़ रह गए हैं। पहले मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ से अधिक थी। नाम कटने का आंकड़ा बहुत बड़ा है, लिहाजा सर्वोच्च अदालत का दखल निश्चित है। खुद अदालत ने ऐसे दखल की बात कही थी। जब 12-13 अगस्त को सुनवाई होगी, तब चुनाव आयोग जवाबदेह होगा कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाता क्यों हटाए गए? मतदाता हटाने का मतलब है किसी का मताधिकार छीनना। भारतीय लोकतंत्र और संविधान में मताधिकार छीना नहीं जा सकता, क्योंकि यह एक संवैधानिक, मौलिक अधिकार है। मताधिकार के जरिए ही लोकतांत्रिक सत्ताएं चुनी जाती हैं। जनमत ही लोकतंत्र की बुनियाद है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के मद्देनजर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बाकायदा मीडिया ब्रीफिंग करते हुए चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। आयोग स्पष्ट करे कि उनका नाम क्यों कटा? अब वह चुनाव कैसे लड़ पाएंगे? तेजस्वी ने मतदाता पहचान पत्र का जो एपिक नंबर बताया, वह अधिकृत नहीं था। चुनाव आयोग ने तुरंत पलटवार कर तेजस्वी के भ्रामक दुष्प्रचार को बेनकाब कर दिया। चुनाव आयोग ने उनके मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक और एपिक नंबर का खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने इसी एपिक नंबर के आधार पर 2015, 2020 के चुनावी नामांकन दाखिल किए थे और वह विधायक चुने गए थे। उसी आधार पर वह उपमुख्यमंत्री भी बने। अब भी नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद पर हैं। उन्होंने इसी वोटर आईडी कार्ड के आधार पर ही 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। सवाल है कि क्या तेजस्वी के पास दो-दो मतदाता पहचान पत्र हैं? यदि हां, तो यह चुनावी अपराध है, लिहाजा तेजस्वी को जेल भी हो सकती है अथवा कुछ अंतराल के लिए चुनाव लडे के अयोग्य भी घोषित किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने तेजस्वी को नोटिस भेज कर स्पष्टीकरण मांगा है और जांच के लिए कार्ड की मूल प्रति भी मंगवाई है। तेजस्वी बीते लंबे अर्से से आयोग को बदनाम कर रहे थे। उसे भाजपा का प्रकोष्ठ तक करार दे दिया था। उसे गोदी आयोग प्रचारित किया जा रहा था। तेजस्वी पर चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने, मानहानि करने के भी आरोप हैं। दरअसल आयोग ने बिहार में जो एसआईआर कराया है, उस पर विपक्ष के आरोप हैं कि उनके वोट बैंक के नाम सूची से काटे जा सकते हैं।

टैरिफ दादागिरी के बीच स्वदेशी एक जनक्रांति बने

आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब ह्यस्वदेशीह्ल एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो।

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ह्यदबाव की राजनीतिह्ल और ह्यटैरिफ की दादागिरीह्ल का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को ह्यलोकल के लिए वोकलह्ल बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की ह्यऑक्सीजनह्ल मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने ह्यमृतप्रायह्ल कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र ह्यस्वदेशीह्ल है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ यहां बनाएं तक सीमित नहीं है, यह ह्ययहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथह्ल बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का ह्यमेक इन इंडियाह्ल अभियान अब ह्यमेड बाय इंडियाह्ल की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है।

अमरीका से निर्वासन-भारतीयों की बढ़ती मुश्किल-हर दिन 8 भारतीय हो रहे हैं निर्वासन

हर दिन डिपोर्ट हो रहे भारतीय इस सख्ती के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। आने वाले समय में यदि यह रुझान बरकरार रहा, तो न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी, बल्कि भारत-अमेरिका संबंधों की लोकप्रिय छवि पर भी असर पड़ सकता है। हम अमेरिका के साथ निरंतर संवाद में हैं ताकि अनावश्यक डिपोर्टेशन को रोका जा सके। भारत की प्रतिक्रिया सावधानीपूर्वक संतुलित रही है ताकि राजनयिक संबंधों पर असर न पड़े। लेकिन बढ़ती संख्या के चलते यह मुद्दा अब भारत-अमेरिका संबंधों में केंद्र बिंदु बनने लगा है। डिपोर्टेशन से पहले की प्रक्रिया है वीजा नियमों का उल्लंघन चिह्नित होता है, व्यक्ति को नोटिस मिलता है, आव्रजन न्यायालय में सुनवाई, अपील या बचाव की सीमित समयावधि और निर्णय आने के बाद तत्काल डिपोर्टेशन किया जाता है। अब यह प्रक्रिया त्वरित और स्वचालित हो गई है, जिससे प्रवासियों को बचाव का पर्याप्त समय नहीं मिलता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

2025 का अमेरिका अब पहले जैसा नहीं रहा। ह्यअमेरिकन ड्रीमह्ल कभी जो दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता था, आज उसी सपने पर कठोरता की छाया मंडरा रही है। डॉनल्ड ट्रंप की दूसरी पारी की शुरूआत ने आव्रजन नीतियों में जिस सख्ती को जन्म दिया है, उसने हजारों भारतीय परिवारों के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। जब ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बने, तो यह पहले से ही अंदाजा था कि उनकी आव्रजन नीति कठोर होगी, लेकिन यह सख्ती इस हद तक जाएगी कि हर दिन औसतन 8 भारतीयों को अमेरिका से डिपोर्ट किया जाएगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, जनवरी से जुलाई 2025 तक 1,703 भारतीय अमेरिका से डिपोर्ट किए गए यानि हर दिन औसतन 8 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया गया। 2020 से दिसंबर 2024 तक यह औसत 3 प्रति दिन था। पिछले साढ़े पांच सालों में कुल 7,244 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद, जनवरी 2025 से डिपोर्ट की गति लगभग 3 गुना हो गई है। यह न केवल संख्या की दृष्टि से डरावना है, बल्कि इससे यह भी जाहिर होता है कि अमेरिकी नीतियों का रुख कितनी तेजी से कठोरता की ओर मुड़ा है। 2025 में डिपोर्ट किए गए 1,703 भारतीयों में से 90% केवल 5 राज्यों से हैं, जिसमें पंजाब से 620, हरियाणा से 604, गुजरात से 245, उत्तर प्रदेश से 38 और गोवा से 26 को डिपोर्ट किया गया है। अन्य राज्यों से डिपोर्टेशन की संख्या अपेक्षाकृत कम रही है, जिसमें महाराष्ट्र और दिल्ली से 20-20, तेलंगाना से 19, तमिलनाडु से 17, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड 12-12 और कर्नाटक से 5 हैं। इन आंकड़ों से साफ होता है कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों से अवैध प्रवासियों की संख्या अधिक रही है, जिससे यह क्षेत्र ट्रंप प्रशासन की निगरानी के केंद्र में रहा है। 26 जून 2025 को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया कि ह्लवीजा मिलने के बाद भी उस व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी ह्ल यह साफ संदेश है कि अमेरिका अब ह्यसिर्फ वीजा के आधार पर स्थायित्वह्ल को स्वीकार नहीं करता। यदि कोई प्रवासी वीजा की शर्तों का उल्लंघन करता है या संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उसका वीजा रद्द किया जा सकता है। उसे तुरंत डिपोर्ट किया जा सकता है। उस पर भविष्य में स्थायी रूप से वीजा प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। अमेरिकी सीमा में प्रवेश करते ही गिरफ्तारी संभव है। 1 अगस्त 2025 को अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (वरउक्र) ने नए दिशानिर्देश जारी किया है। इसका मकसद ग्रीन कार्ड के लिए की गई झूठी शादी (टं१ ३' ऋ१ ४ि) को रोकना है। नई नीति के मुख्य बिंदु है, वैवाहिक आधार पर ग्रीन कार्ड के आवेदन में पति और पत्नी दोनों की विस्तृत जांच होगी। साक्षात्कार, दस्तावेजों की गहन समीक्षा, और पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच अनिवार्य हो गई है। यदि कोई विवाह फर्जी या केवल ग्रीन कार्ड प्राप्ति के लिए किया गया पाया गया, तो ग्रीन कार्ड रद्द कर दिया जाएगा। डिपोर्टेशन की प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी और अमेरिका में स्थायी प्रतिबंध भी लग सकता है। ट्रंप प्रशासन ने इन डिपोर्टेशनों को ह्यराष्ट्रीय सुरक्षाह्ल, ह्यअर्थव्यवस्था की रक्षाह्ल और ह्यनागरिकता की पवित्रताह्ल का नाम दिया है। उनके मुताबिक अवैध प्रवासी अमेरिकी संसाधनों पर बोझ हैं। नकली शादियों से ग्रीन कार्ड की गरिमा को नुकसान होता है। विदेशी नागरिकों को कठिन मापदंडों के आधार पर ही स्थायी निवास दिया जाना चाहिए। यह सख्त रुख ट्रंप की मूल ह्यऔं१ू ऋ१ २३ह्ल नीति के तहत आता है, जहां उनका उद्देश्य देशी नागरिकों को प्राथमिकता देना है। भारत के हजारों परिवार जो अपने बेटे-बेटियों को पढ़ाई या नौकरी के लिए अमेरिका भेजते थे, अब तनाव में हैं। रोज नए डिपोर्ट मामलों ने प्रवासियों की मानसिक स्थिति खराब कर दी है। ऌ1इ और ऋ1 वीजाधारी छात्रों में डर है कि अगर कोई भी नियम तोड़ा गया, तो उन्हें सीधे वापस भेजा जा सकता है, जिससे उनका करियर खतरे में पड़ सकता है। अब ग्रीन कार्ड या वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में ज्यादा कानूनी सहायता, डॉक्युमेंटेशन, और जांच की आवश्यकता होती है, जिससे लोगों का वित्तीय बोझ बढ़ गया है। डिपोर्ट किए गए प्रवासी अक्सर अपने घरों को विदेशी मुद्रा भेजते थे, जो अब बंद हो गई है। इससे भारत के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। भारतीय सरकार ने इस मुद्दे को लेकर चिंता व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना है कि ह्लहम अमेरिका से डिपोर्ट किए जा रहे नागरिकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अमेरिका के साथ निरंतर संवाद में हैं ताकि अनावश्यक डिपोर्टेशन को रोका जा सके। भारत की प्रतिक्रिया सावधानीपूर्वक संतुलित रही है ताकि राजनयिक संबंधों पर असर न पड़े। लेकिन बढ़ती संख्या के चलते यह मुद्दा अब भारत-अमेरिका संबंधों में केंद्र बिंदु बनने लगा है। डिपोर्टेशन से पहले की प्रक्रिया है वीजा नियमों का उल्लंघन चिह्नित होता है, व्यक्ति को नोटिस मिलता है, आव्रजन न्यायालय में सुनवाई, अपील या बचाव की सीमित समयावधि और निर्णय आने के बाद तत्काल डिपोर्टेशन किया जाता है। अब यह प्रक्रिया त्वरित और स्वचालित हो गई है, जिससे प्रवासियों को बचाव का पर्याप्त समय नहीं मिलता है। डॉनल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका की नीति में जो बदलाव आया है, उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अब वहां नियमों से बाहर रहकर जीना संभव नहीं है।

बिहार में चल रहा सियासी चतुर्मास

ब्रह्मेन्द्र झा

मान्य परंपरा के अनुसार भारतीय पंचांग में इन दिनों चतुर्मास शुरू है, अर्थात श्रावण, भाद्र, आश्विन व कार्तिक मास। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जगत के पालनहार इस अवधि में शयन में चले जाते हैं। इस दौरान सभी प्रकार के मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। खैर, इन बातों को फिलहाल रहने दीजिए। हमारे बिहार में तो अभी एक अलग किस्म का चतुर्मास चल रहा है, जिसे हम सियासी चतुर्मास कह सकते हैं। सावन शुरू होते ही वर्षा से वसुधा जलमग्न होती है तो दूसरी ओर सियासी जमीन को भी सरस किया जा रहा है। शिव के प्रिय इस मास में समाजसेवी के रूप में हर सियासी पहलवान भी शिव की ही तरह अपने अनुयायी ही हर किसी के लिए सहज और सुलभ होते जा रहे हैं। सावन में रक्षाबंधन भी होगा तो सियासी महारथी भी सभी को भाई और बहन मानने में थोड़ा भी नहीं हिचकेंगे। लीलापुरुष भगवान श्रीकृष्ण के जन्ममास भादो में हर सियासी योद्धा कर्मयोगी बनकर जनता रूपी जनार्दन को गले लगाने, मनाने रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसी दौरान निर्माण के देवता विश्वकर्मा का स्मरण करते हुए सियासी समीकरणों का निर्माण होगा। दलों की दीवारों को तोड़ा और जोड़ा जाएगा। कई मिथक टूटेंगे, कई मुद्दों को गढ़ा जाएगा, कई सियासी सड़कों का निर्माण होगा। समय अपने हिसाब से मौसम के मिजाज के मुताबिक बीतता जाएगा तो राजनीति भी मतदाताओं के मूड के मुताबिक अपनी रफ़्तार में बढ़ती जाएगी। आश्विन में पितृपक्ष होगा तो हम अपने पूर्वजों का स्मरण करेंगे। सियासी साधक भी राजनीतिक पितरों का स्मरण करेंगे। स्थानीय स्तर पर भी पूर्व के राजनीतिक पूर्वज याद किए जाएंगे। फिर, नवरात्रि आते हीं हमारे नायक भी विभिन्न रूपों में जनकल्याण के लिए संग्राम की मुद्रा में मुद्दा और माद्दा रूपी हथियार के साथ मैदान में आ जाएंगे। फिर, कार्तिक में तो कहीं दीपावली के दीप जलेंगे तो कहीं अमावस ही हावी रहेगा। बिहार में महापर्व छठ में भगवान की सूर्य की उपासना का समय होगा। सियासी आसमान में भी 243 सूर्य उगने को बेताब रहेंगे। फिर, राजनीति के घाट पर भी तरह तरह के पकवान परोसे जाएंगे । गोवर्धन पूजा भी होगी तो पशुचारा की भी चर्चा होगी। मतलब पर्व, त्योहार एवं तिथि विशेष से भरे इस चतुर्मास में लोकतंत्र के महापर्व में कसमों और वादों रूपी मंत्रोच्चार के साथ विकास बनाम जातिवाद, सुशासन बनाम भ्रष्टाचार, राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण, मुद्दा बनाम माद्दा, वगैरह, वगैरह...। सियासी पहलवानों की व्यक्तिगत कुंडली भी खंगाली जाएगी। नेताओं के बयानों का गंभीर अध्ययन का दौर चलेगा। ह्यस्लीप आफ टंगह्ल भी रंग दिखा सकता है। नित्य नये नये नारे गढ़े जाएंगे, पढ़े जाएंगे। कहीं जनतंत्र के जयकारे लगेंगे, जनतंत्र के खतरे को लेकर घड़ियाली आंसू बहाने वाले चिल्लाते मिलेंगे। माननीय बनने के लिए होने वाली मशक्कत के बीच मतदाताओं को भी मनोरंजन का अवसर मयस्सर होगा।इस प्रकार बिहार में सियासी चतुर्मास के कारण जनता रूपी जनार्दन को जगाया जाएगा। पंचांग के चतुर्मास के बीत जाने के बाद आखिरकार सियासी चतुर्मास भी नवंबर के अंतिम दिनों में समाप्त हो जाएगा। विनर और रनर दोनों गंगा स्नान कर अगले पांच साल तक के लिए हरिबोल के नामधुन में रम जाएंगे। 243 विजेताओं को पाटलिपुत्र की पावन धरती पर सुविधा संपन्न आशियाना उपलब्ध कराए जाएंगे। फिर तो..... भारत डॉलर विरोधी नहीं है, लेकिन वैश्विक वित्तीय प्रणाली में विविधता लाने, एकल मुद्रा पर निर्भरता कम करने और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास के तहत, वह डॉलर पर निर्भरता कम करने का समर्थन करता है। यह रुपए के मूल्य को स्थिर करने और अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अधिक संतुलित बनाने के भारत के प्रयासों से भी प्रेरित है। भारत ने डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने के लिए रूस, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों के साथ भारतीय रुपए में द्विपक्षीय व्यापार शुरू किया है। अब तक 20 से ज्यादा देशों ने घरेलू मुद्राओं में व्यापार निपटान को सुगम बनाने के लिए वोस्ट्रो खाते खोले हैं। भारत ब्रिक्स देशों के भीतर वैकल्पिक भुगतान तंत्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करता है, जैसे स्थानीय मुद्राओं का उपयोग या ब्रिक्स मुद्रा पर चर्चा, लेकिन उनकी व्यावहारिकता को लेकर सजग है। भारत वैश्विक व्यापार और वित्त में डॉलर के प्रभुत्व को समझता है और उसने इसके पूर्ण प्रतिस्थापन (या दूसरे शब्दों में, डॉलर-विमुद्रीकरण) का आह्वान नहीं किया है। इसके बजाय, वह कई आरक्षित मुद्राओं (जैसे यूरो, युआन और संभवतः रुपया) के सह-अस्तित्व का पक्षधर है। ब्रिक्स का सदस्य होने के बावजूद, भारत इस समूह को अमेरिका-विरोधी समूह के रूप में नहीं देखता। वह ब्रिक्स समूह को वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए एक मंच के रूप में देखता है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025

संक्षिप्त खबरें

जनेश्वर मिश्र के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया

ग्रेटर नोएडा, । प्रखर समाजवादी चिंतक रहे जनेश्वर मिश्र की जयंती पर मंगलवार को सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही उनके संघर्षशील जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र एक सच्चे समाजवादी नेता थे। उनका सारा जीवन देश व समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वहीं, मासिक बैठक में पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

रामलीला की तैयारी पर चर्चा की

ग्रेटर नोएडा, । ग्रेटर नोएडा के साइट 4 में मंगलवार को श्री रामलीला कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मंजीत सिंह ने की। उन्होंने बताया कि विजय महोत्सव 2025 कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि इस वर्ष 23 सितंबर से शुरू रहे कार्यक्रम में रामलीला मंचन के साथ मेले को आकर्षक बनाने पर जोर रहेगा। इसमें खाने पीने के स्टाल व विभिन्न झूले लगाए जाएंगे।

तमंचे के साथ बदमाश गिरफ्तार

नोएडा, । सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने चोरी और लूट के इरादे से घूम रहे बदमाश को बिजलीघर के पास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। बदमाश की पहचान मोरना गांव निवासी विपिन कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला है कि उसके खिलाफ वर्ष 2018 में सेक्टर-24 थाने में लूट का मुकदमा दर्ज हुआ था। वह जेल भी जा चुका है। उस पर नौ मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में बदमाश ने बताया कि लूट और चोरी का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए वह अपने पास तमंचा रखता है।

कोल्ड ड्रिंक की एजेंसी में चोरी

ग्रेटर नोएडा। जेवर कस्बे में कोल्ड ड्रिंक की एजेंसी में चोरी हो गई। एजेंसी संचालक ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जेवर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जहांगीरपुर कस्बे में भानु प्रताप कोल्ड ड्रिंक की एजेंसी चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बदमाश रविवार की रात एजेंसी से करीब 75 हजार रुपये चोरी कर ले गए। पीड़ित ने घटना की शिकायत तुरंत पुलिस से की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

स्कूल में सुंदरकांड पाठ व मिलन समारोह हुआ

ट्रांस हिंडन, । वसुंधरा सेक्टर 15 स्थित एसजी पब्लिक सकूल में मंगलवार को कामदगिरि सेवा संघ ने संत गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर भव्य सुंदरकांड पाठ एवं आध्यात्मिक मिलन समारोह कराया। कार्यक्रम में करीब 300 श्रद्धालु शामिल हुए और हनुमान भक्ति में लीन होकर पाठ का श्रवण किया। जय श्रीराम के जयघोष से माहौल भक्तिमय हो उठा। वक्ताओं ने तुलसीदास के जीवन और रामचरितमानस की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर इंद्र मित्तल, राजा रमण खंना, विमा खंना, केके शर्मा, आरपी गोयल, डॉ. बीके शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

आश्रम के बुजुर्गों और बच्चों को वितरित किया राशन

गाजियाबाद, । हिंडन विहार स्थित आंगन एवं आंचल आश्रम के बुजुर्गों और बच्चों को रोटरी क्लब साहिबाबाद ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। क्लब ने आश्रम के बुजुर्गों तथा डे केयर में रह रहे बच्चों के लिए आटा, चावल, दाल, रिफाइंड, तेल, देसी घी, पोहा, सूजी, बेसन, दलिया, ओट्स, चीनी-पत्ती, बिस्किट, रस्क, मसाले, साबुन, सर्फ, शैंपू समेत एक माह का राशन और कपड़े तथा साफ-सफाई के लिए जरूरी वस्तुओं का वितरण किया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष शलभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विभा सिंह, सदस्य तरु अग्रवाल, किरण मक्कड़, कविता जिंदल, अरुण शर्मा, वीरेंद्र सिंह, पूजा गुप्ता, रुद्राक्ष गुप्ता, आश्रम संचालिका सुदर्शना तथा स्टाफ मौजूद रहे।

राम मनोहर लोहिया पार्क में यज्ञ और योगाभ्यास कराया

ट्रांस हिंडन, । साहिबाबाद के राममनोहर लोहिया पार्क में मंगलवार को आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन पर पतंजलि योग संस्थान की ओर से यज्ञ कराया गया। इस मौके पर यज्ञ और योगाभ्यास किया गया, जिसमें आचार्य के आदर्शों को याद किया गया। यज्ञ का संचालन मास्टर विजेंद्र आर्य ने किया। आर्य समाज समर्पण शोध संस्थान के मंत्री सुरेश आर्य ने सभी लोगों को जनेऊ धारण करवाया और सनातन संस्कृति को बचाने और आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम में औषधीय पौधे भी बांटे गए, ताकि लोग आयुर्वेदिक पौधों का महत्व समझें।

ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन उत्पादन, अलीगढ़ को दे रहा नई पहचान: सीएम योगी

प्रात: किरण संवाददाता

अलीगढ़, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ह्यवन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्न योजना आज देश के अंदर एक मॉडल बनकर उभरी है। सीएम योगी ने लोगों से अपील की कि आज स्वदेशी अपनाना हम सब लोगों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमारा ही पैसा अगर हमारे ही कारीगर और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो वह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा। प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगा। सीएम ने कहा कि 2018 में शुरू हुआ डिफेंस कॉरिडोर आज ब्रह्मोस मिसाइल जैसे उन्नत हथियारों का उत्पादन कर रहा है। यह मिसाइल विश्व में अद्वितीय है और भारत के हर दुश्मन को जवाब देने में सक्षम है। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न का जिक्र करते हुए भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीगढ़ ड्रोन और हार्डवेयर उद्योग में भी अपनी पहचान बना रहा है, जो स्थानीय कारीगरों को रोजगार और समृद्धि प्रदान कर रहा है। सीएम योगी ने मंगलवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 958 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर हमारा यह पैसा विदेशी हाथों में जाएगा, तो आतंकवाद के रूप में, धर्मांतरण के रूप में, अव्यवस्था के रूप में, विस्फोट के रूप में, भारत को अस्थिर करने के लिए भारत के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। सीएम योगी ने आने वाले सभी त्योहारों पर लोगों से अपने स्वजनों को स्वदेशी उत्पादों को गिफ्ट के रूप में देने की अपील की। समारोह में सीएम योगी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। सीएम ने स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भगवान कृष्ण के रूप में सजे बच्चों को दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट, माखन और खिलौने भेंट किए। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने अलीगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह ने अलीगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनके सपनों को साकार करते हुए हम ह्यवन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्न के माध्यम से ताला उद्योग को नई ऊंचाइयां दे रहे हैं। उन्होंने राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय जल्द ही अलीगढ़ को उच्च शिक्षा का नया केंद्र बनाएगा, जो स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को जीवित रखने के साथ-साथ युवाओं को उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यवोकल फॉर लोकलह्न अभियान को दोहराते हुए सीएम योगी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, पीतल की मूर्तियां, और हार्डवेयर आज देश-विदेश में मांग को पूरा कर रहे हैं। विदेशी सामान खरीदने से हमारा पैसा आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा देता है। जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना और इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से हम अपने राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता अभियान पर जोर देते हुए कहा कि सभी लोग स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। ह्यसिंगल यूज प्लास्टिकह्न का उपयोग बंद करें, ताकि नालियां न चोक करें और जलभराव की समस्या न हो। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के लिए हर घर तिरंगा अभियान की अपील की और कहा कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर, प्रतिष्ठान और शिक्षण संस्थान में तिरंगा लहराएं। स्वाधीनता संग्राम के स्मारकों की सफाई करें और शहीदों को श्रद्धांजलि दें।

समस्त विश्व के विद्वान कर रहे हैं संस्कृत का अध्ययन : प्रो. हरिदत्त शर्मा

प्रात: किरण संवाददाता

प्रयागराज, । संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को संस्कृत विभाग, इविवि तथा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि समस्त विश्व के विद्वान संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन केंद्र आदि अनेक संस्थाएं कार्य कर रही हैं। संस्कृत भाषा का विभिन्न भाषाओं के साथ सम्बन्ध प्रतिपादित करते हुए मैक्समूलर, श्लेगल, बर्नार्ड आदि विद्वानों ने अनेक विचारों पर अपनी शुभाशंसा व्यक्त की हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सत्यकेतु ने कहा कि संस्कृत भाषा के अंतर्गत समस्त ज्ञान विज्ञान समाहित है तथा संस्कृत में ही भारतीय संस्कृति निहित है। संस्कृत में प्राचीन एवं आधुनिक दोनों ज्ञान मिश्रित रूप से विद्यमान हैं। संस्कृत हमारे जीवन एवं राष्ट्र उत्थान के लिए कार्य करती है। संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के आचार्य प्रोफेसर शरदिंदु त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत के प्राचीन शास्त्रकारों ने जिन विषयों को स्थापित किया है उसका आगे चलकर परा एवं अपरा दो विद्वानों के रूप में व्याख्यान द्वारा विस्तार करते हुए ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। वात्स्यायन कामसूत्र में दिवस में पांच बार वस्त्र परिवर्तन की बात कही है, जिससे सिद्ध होता है कि स्वच्छता का अत्यन्त महत्व था। आचार्य राजशेखर ने कहा है कि संस्कृत कवियों का गृह कैसा हो? अत्यंत श्रेष्ठ हो। अतः जब तक आध्यात्मिक प्रगति नहीं होगी और संस्कृत का प्रचार न होगा तब तक समस्त विश्व कल्याण के मार्ग पर नहीं चल सकेगा। संस्कृत विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो.अनिल प्रताप गिरि ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा आध्यात्मिक गुणों से युक्त है, साथ ही अभ्युदय केन्द्रित है। जबकि पाश्चात्य ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत पुराने ज्ञान को खण्डित करके नवीन ज्ञान की अवधारणा दिखाई देती है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा सम्पूर्ण विश्व में प्रसारित है तथा यह ज्ञान परम्परा सम्पूर्ण विश्व में कैसे फैली इस विषय पर अध्ययन किया जाना चाहिए। संस्कृत भाषा टीका, व्याख्यान एवं टिप्पणी परम्परा से समन्वित है। भारतीय ज्ञान परम्परा में अठारह विद्याओं एवं चौसठ कलाओं के द्वारा ज्ञान के साथ-साथ कौशल का अध्ययन अत्यंत प्रचलित था। संस्कृत में गणित एवं विज्ञान, आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता, दण्डनीति आदि विद्यायें इसकी वैज्ञानिकता का प्रतिपादन करती हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत सभी ज्ञान एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मैक्समूलर ने सम्पूर्ण ऋग्वेद का सायण भाष्य सहित बीस वर्ष तक सम्पादन किया। पेनसिल्वा फिरोजा नामक विद्वान ने संस्कृत व्याकरण पर विशिष्ट कार्य किया। थाईलैंड, बर्मा, जापान आदि विभिन्न देशों में रामायण ग्रन्थ विभिन्न नामों से प्राप्त होते हैं। जिनकी मूल कथा वाल्मीकि रामायण से ही मिलती हुई प्राप्त होती है। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र ने अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कहा कि प्राचीन काल से गतिमान वेदारंभ, उपाकर्म के विशिष्ट अवसर पर अब संस्कृत दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उसी के उपलक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के रूप में विद्यमान संस्कृत भाषा के प्रसार के लिए संस्कृत दिवस का आयोजन होना आवश्यक है।

जाति और धर्म आधारित आदेश पर सीएम योगी नाराज, अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग के उस आदेश पर कड़ी नाराजगी जताई है, जिसमें ग्राम सभा की जमीन से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई को खास जाति (यादव) और धर्म (मुस्लिम) से जोड़कर निर्देशित किया गया था। मुख्यमंत्री ने इस आदेश को ह्यभेदभावपूर्ण और अस्वीकार्य बताते हुए इसे तुरंत रद्द करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए संबंधित संयुक्त निदेशक एस.एन. सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस तरह की भाषा और सोच न सिर्फ शासन की नीति के खिलाफ है, बल्कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह से निष्पक्ष, तथ्यों और कानून के अनुसार होनी चाहिए, न कि जाति या धर्म के आधार पर। उन्होंने यह भी कहा कि आगे से ऐसी गलती न हो, इसका सख्त ख्याल रखा जाए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार समरसता, सामाजिक न्याय और सभी के समान अधिकारों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियां किसी भी व्यक्ति, समुदाय या वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह पर आधारित नहीं हो सकतीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की नीति संविधान और न्याय की मूल भावना पर आधारित है, न कि किसी भेदभाव पर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर में एक कार्यक्रम के दौरान विपक्षी दलों को भी घेरा। उन्होंने कहा, सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान हैं। पहले की सरकारें आतंकियों को संरक्षण देती थीं और सनातन धर्म की परंपराओं को कमजोर करने का प्रयास करती थीं, लेकिन अब भारत अपनी आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने सहारनपुर क्षेत्र की उपेक्षा को समाप्त कर दिया है और विकास तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक नया अध्याय शुरू किया है। इस पूरे मामले से सरकार का यह संदेश साफ है कि जाति और धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई न तो स्वीकार की जाएगी और न ही उसे बर्दाश्त किया जाएगा।

पार्टी की छवि धूमिल करने का हो रहा प्रयास, बसपा न एनडीए में है और न ही इंडी गठबंधन में : मायावती

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ, । बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बयान जारी कर अपनी पार्टी की स्वतंत्र राजनीतिक नीति को दोहराया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएसपी न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एनडीए गठबंधन के साथ है और न ही कांग्रेस के इंडी गठबंधन से जुड़ी है। मायावती ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के ह्लसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्व के सिद्धांतों पर चलती है, जो दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए समर्पित है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, जैसा कि सर्वविदित है कि बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) ना तो बीजेपी के एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इंडिया समूह (गठबंधन) के साथ है, और ना ही किसी और के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखायह्न के अंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है। मायावती ने आगे लिखा, इसके बावजूद भी खासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बी.एस.पी. की इमेज को बीच-बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुकसान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं, जिसको लेकर पार्टी को लगातार अपने लोगों को इनसे सतर्क करते रहने की जरूरत पड़ती रहती है। पोस्ट में आगे लिखा कि इस क्रम में अभी हाल में एक यूट्यूब चैनल में बीजेपी के साथ आ गयी मायावती कर दिया बड़ा ऐलान? इस शीर्षक से गलत, तथ्यहीन व विषैली खबर चलायी है, जबकि उसके भीतर न्यूज में कुछ और है। इस प्रकार से चैनल द्वारा पार्टी की इमेज को खासकर चुनाव के पूर्व इस प्रकार का आघात पहुंचाने का जो यह घिनौना प्रयास किया गया है उसकी जितनी भी निंदा व भर्त्सना की जाए, वह कम है। चैनल को इसके लिए माफी भी जरूर मांगनी चाहिये। मायावती ने आगे कहा, साथ ही, पार्टी के लोगों से यह विशेष आग्रह है कि वे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत मीडिया के इस प्रकार के घिनौने हथकण्डों से हमेशा जरूर सावधान रहें और किसी के भी बहकावे में ना आएं, क्योंकि जातिवादी तत्व अपने अम्बेडकरवादी कारवां को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्र में हमेशा किसी न किसी रूप में लगे रहते हैं।

पुलिस ने तीन शातिर चोरों को पकड़ा, लाखों का माल और नकदी बरामद, लंबा है आपराधिक इतिहास

वाराणसी, । लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने एढ़े रोड के पास से तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। उनके पास से पीली धातु के आभूषण और नकदी बरामद किए गए। बरामद माल की कीमत 8 से 10 लाख बताई जा रही है। दो चोरों का आपराधिक इतिहास लंबा है। वे पहले भी चोरी-छिनैती जैसी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस उनसे पूछताछ के साथ ही विधिक कार्रवाई में जुटी रही। एडीसीपी वरूणा जोन नीतू ने बताया कि 2 अगस्त की रात एक घर में ताला तोड़कर आभूषण और नकदी की चोरी हुई थी। गृहस्वामी राहुल मौर्या की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। चोरों की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई थीं। एक टीम सर्विलांस के जरिये चोरों की गतिविधियों का पता लगा रही थी। वहीं दूसरी टीम अन्य स्रोतों से जानकारी हासिल कर चोरों की गिरफ्तारी में जुटी थी। पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर तीनों चोरों करन गौड़, अनुज चौधरी और विक्की वेनवंशी को एढ़े रोड से गिरफ्तार किया। एडीसीपी ने बताया कि चोरों के पास से पीली धातु का एक मोटा चेन, एक मोटा हार, दो अंगूठियां और 22 हजार रुपये नकदी बरामद किया गया। बरामद सामान की कीमत लगभग 8 से 10 लाख रुपये है। चोरी गए माल की लगभग शत-प्रतिशत बरामदगी की गई है। उन्होंने बताया कि करन गौड़ और विक्की वेनवंशी पर पहले से मुकदमे दर्ज हैं। करन का भाई मुठभेड़ में पकड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि तीनों चोर काफी कम उम्र के हैं और काफी दिनों से चोरी-छिनैती की घटनाओं में संलिप्त हैं। तीनों अपने शौक पूरे करने के लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने बताया कि लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने चोरी की वारदात में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए चोरी गए माल की शत-प्रतिशत बरामदगी सुनिश्चित की। इसके लिए पुलिस टीम को डीसीपी की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

मुरादाबाद: बुर्का पहनी महिला से छेड़छाड़ करने वाला आदिल मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादाबाद, । मुरादाबाद के नागफनी थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक बुर्का पहने महिला के साथ अश्लील छेड़छाड़ करने वाले आरोपी आदिल को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू की थी. जिसके बाद आरोपी को सोमवार देर रात दबोच लिया. पुलिस के मुताविक रविवार शाम को मुरादाबाद के नागफनी थाना क्षेत्र में आदिल नामक युवक ने एक महिला के साथ अश्लील हरकत की थी. घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत नागफनी थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की.

पुलिस की कार्रवाई

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं. सोमवार रात को गश्त के दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई. इस दौरान पुलिस की गोली से आरोपी आदिल के पैर में चोट लगी. उसे तुरंत मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है.

प्राइवेट अस्पताल में काम करता है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी आदिल मुरादाबाद के कांठ थाना क्षेत्र के उमरी कला गांव का निवासी है. वह शहर के एक प्राइवेट अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के रूप में काम करता है. पुलिस ने उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल और एक अवैध 315 बोर का तमंचा बरामद किया है. एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मुरादाबाद पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सजग है. इस तरह के अपराधों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने जनता से अपील की कि ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय पर कार्रवाई हो सके.

वायरल सीसीटीवी फुटेज

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया. इसी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान हुई और देर रात तक पुलिस ने उसे दबोच लिया. मुठभेड़ के बाद पुलिस को देखते ही बोला जिन्दगी में कभी ऐसा नहीं करूंगा, मुझे जान से नहीं मारना.

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकलते ही तत्काल सफाई व दवाओं का किया जाय छिड़काव: जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

प्रयागराज, । शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी कम होते ही तत्काल सफाई एवं दवाओं को छिड़काव किया जाय। जिससे लोग संक्रामक बीमारियों के चपेट में न आने पाए। यह निर्देश मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का गहन निरीक्षण करने के बाद, जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रयागराज जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने दिया। जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बलुआ घाट, गऊ घाट, दुवार्सा घाट, ग्राम धोकरी उपरहार एवं मोरी पम्पिंग स्टेशन दारागंज सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया और बाढ़ प्रभावित लोगों का हाल जाना और उनकी समस्याओं को जानने के बाद तत्काल जिम्मेदार अधिकारियों को समाधान करने का निर्देश दिया। डीएम ने बाढ़ का पानी कम होने वाले क्षेत्रों में बीमारियां न फैले, इसके लिए नगर निगम, पंचायतीराज विभाग को साफ-सफाई के साथ दवाओं का छिड़काव कराये जाने के निर्देश दिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से अपील किया है कि कोई समस्या होती है तो तत्काल कंट्रोल रूम के नम्बर 0532-2641577, 0532 2641578, 0532-2641597, 0532-2641598 एवं 1077 पर सम्पर्क करके सूचना दे। जिलाधिकारी ने मंगलवार को बाढ़ के द्दष्टिगत बलुआ घाट, गऊ घाट, ककरा दुबावल स्थित दुवार्सा घाट, ग्राम धोकरी उपरहार तहसील फूलपुर एवं मोरी-दारागंज पम्पिंग स्टेशन पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं बाढ़ से प्रभावित हुए लोगों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

टोयोटा इनोवा ने भारत में पूरे किए 20 शानदार साल, बनी 12 लाख से ज्यादा ग्राहकों की पहली पसंद

दिल्ली ,टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत में टोयोटा इनोवा की 20 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा का जश्न मनाया। बीते दो दशकों में इनोवा एक ऐसा नाम बन चुकी है, जिसे भारतीय परिवारों और व्यवसायों ने अपने भरोसेमंद साथी की तरह अपनाया है। इनोवा, इनोवा क्रिस्टा और इनोवा हाईक्रॉस झ इन तीनों मॉडलों की अब तक कुल 12 लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं, जो ग्राहकों के विश्वास और इस ब्रांड की दीर्घकालिक उपयोगिता का प्रमाण हैं। इन वर्षों में इनोवा ने लगातार खुद को बदला है झ ग्राहकों की बदलती जरूरतों और उम्मीदों के साथ कदम मिलाते हुए। लेकिन इसकी मूल पहचान, यानी गुणवत्ता, मजबूती और विश्वसनीयता, आज भी उतनी ही सशक्त है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उन अनगिनत यादों और सफरों का उत्सव है, जिनमें इनोवा हर कदम पर साथ रही। टोयोटा इनोवा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री वरिंदर वाधवा, वाइस प्रेसिडेंट झ सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, टोयोटा इनोवा ने पिछले 20 वर्षों में भारतीय ग्राहकों के साथ न सिर्फ एक व्यावसायिक, बल्कि गहरा भावनात्मक रिश्ता बनाया है। यह सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि हर परिवार की भरोसेमंद हमसफर बन चुकी है – जिसकी आरामदायक सवारी और अद्वितीय विश्वसनीयता को हर पीढ़ी ने अपनाया है। चाहे रोज का सफर हो या कोई यादगार रोड ट्रिप, इनोवा हमेशा साथ रही है। इसके विशाल और आरामदायक इंटीरियर्स, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस ने इसे भारत की सबसे पसंदीदा टढश्२ में जगह दिलाई है। साथ ही, इसने क्वॉलिटी और परफॉर्मेंस के मामले में अपने सेगमेंट का बेंचमार्क भी तय किया है। नवाचार और बदलाव की 20 साल की कहानी पिछले दो दशकों में टोयोटा इनोवा ने भारतीय ऑटोमोटिव दुनिया में नवाचार और ग्राहक-केन्द्रित बदलाव की मिसाल कायम की है। 2005 में लॉन्च हुई इनोवा ने अपनी बेहतरीन राइड कम्फर्ट, विशाल इंटीरियर्स, मजबूत बॉडी-ऑन-फ्रेम स्ट्रक्चर और एडवांस सेफ्टी फीचर्स के साथ टढश सेगमेंट की परिभाषा ही बदल दी। 2016 में इनोवा क्रिस्टा के रूप में ब्रांड ने एक बड़ा कदम उठाया – नए डिजाइन, दमदार इंजन, प्रीमियम फीचर्स और बेहतर सुरक्षा के साथ यह अनुभव को एक नई ऊंचाई पर ले गया। इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, 2022 में इनोवा हाईक्रॉस की लॉन्चिंग ने सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी की दिशा में एक बड़ा बदलाव पेश किया। ग्राहक की बदलती जरूरतों और उनकी पसंद को समझते हुए डिजाइन की गई हाईक्रॉस ने कम्फर्ट, परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी के नए मानक तय किए – साथ ही वह भरोसा और स्पेस भी बरकरार रखा जिसने इनोवा को हर घर की पहली पसंद बना दिया। टोयोटा की 5वीं पीढ़ी की हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस इस कार में 2.0 लीटर गैसोलीन इंजन और ई-ड्राइव ट्रांसमिशन है, जो 137 'ह (186 ढर) की पावर और सेगमेंट में सबसे बेहतर माइलेज देता है। बोल्ड डिजाइन, पैनोरमिक सनरूफ, ऑटोमैटिक छएऊ हेडलैम्प्स (ऑटो हाई बीम के साथ), गनमेटल फ्रंट ग्रिल और डुअल-फंक्शन ऊ्रछ जैसे प्रीमियम फीचर्स इसे और भी खास बनाते हैं। नवंबर 2024 में हाईक्रॉस ने भारत में 1 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार किया – जो इसकी लोकप्रियता और टोयोटा के भरोसे का प्रमाण है। यह उपलब्धि न सिर्फ ग्राहकों के बीच ब्रांड के प्रति भरोसे को दशार्ती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हाईक्रॉस लगातार अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी, बेहतरीन कम्फर्ट और शानदार परफॉर्मेंस के दम पर लोगों की पसंद बनी हुई है। कम्फर्ट, उपयोगिता और लंबे समय तक साथ निभाने का वादा टोयोटा इनोवा की सफलता की सबसे बड़ी वजह है – कम्फर्ट, उपयोगिता और अनुकूलता का बेहतरीन मेल। समय के साथ टोयोटा ने ग्राहकों की बातों को गंभीरता से सुना है और सुरक्षा, कनेक्टिविटी और सुविधा को बेहतर बनाने वाले कई बदलाव किए हैं – वह भी उस सहज ड्राइविंग अनुभव को बनाए रखते हुए, जिसने इनोवा को हर पीढ़ी की पसंद बनाया। यह भरोसेमंद कम्फर्ट, टोयोटा की दीर्घकालिक गुणवत्ता और टिकाऊपन की विरासत से और भी मजबूत हुआ है, जिसने इनोवा को सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि ज़िंदगी भर साथ निभाने वाला साथी बना दिया है। ग्राहकों की संतुष्टि को हर कदम पर सुनिश्चित करने के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का व्यापक आफ्टर-सेल्स इकोसिस्टम – टी केयर (T CARE) – एक अहम भूमिका निभाता है। यह व्यवस्था खरीद से लेकर दोबारा खरीद तक, हर चरण को आसान और सुविधाजनक बनाती है। टी डिलीवर, टी ग्लॉस, टी असिस्ट, टी साथ, टी सिक्योर, टी च्वॉइस, टी इंस्पेक्ट और टी स्माइल जैसी सेवाएं तेज डिलीवरी, वाहन की सुरक्षा, हेल्थ मॉनिटरिंग और पारदर्शी सर्विस का भरोसा देती हैं। टोयोटा मोबिलिटी के पूरे जीवनचक्र को संजोते हुए ग्राहकों को सुविधा, सुरक्षा और संतुष्टि का वादा करती है

अग्निवीर भर्ती में अमेठी व कौशाम्बी के उम्मीदवारों की रही भीड़

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश में अमेठी सेना भर्ती कार्यालय की ओर से आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली मंगलवार को डोगरा रेजिमेंटल ग्राउंड अयोध्या कैंट में आरम्भ हुई। जिसमें अमेठी और कौशाम्बी जिलों के उम्मीदवारों ने भाग लिया। यह रैली उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के युवा उम्मीदवारों को सुनहरा अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सेना और नागरिक प्रशासन के संयुक्त प्रयासों का प्रमाण है। इस अवसर पर हेडक्वार्टर रिक्रूटिंग जोन (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) के डीडीजी रिक्रूटिंग (स्टेट्स) ब्रिगेडियर स्वर्ण सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने भर्ती के लिए आए उम्मीदवारों को प्रेरणा देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अमेठी से सबओ अधिक 488 उम्मीदवारों ने रिपोर्ट किया, जबकि कौशाम्बी जिले से 333 उम्मीदवार पहुंचे। इन सभी युवाओं ने पहले ही ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम उत्तीर्ण कर लिया है और अब पूरी तैयारी एवं आत्मविश्वास के साथ मैदान में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय प्रयागराज के विंग कमांडर एवं पीआरओ देबर्थो धर ने बताया कि सेना एवं नागरिक प्रशासन के तालमेल से रैली की व्यवस्थाएं बेहतरीन रूप से संचालित की गईं। ग्राउंड प्रबंधन, जल व्यवस्था, चिकित्सा सहायता और प्रवेश नियंत्रण जैसी सभी व्यवस्थाएं अत्यंत सटीकता से की गईं, जिससे प्रतिभागियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण मिला। उम्मीदवारों ने 1.6 किमी. दौड़, जिगजैग बैलेंसिंग, खाई कूद और चिन-अप जैसी शारीरिक परीक्षाएं दीं। इसके बाद उनकी ऊंचाई, वजन एवं सीने का माप लिया गया। जो उम्मीदवार इन सभी चरणों में फिट पाए गए, उन्हें दस्तावेज सत्यापन के लिए भेजा गया। दस्तावेजी जांच में सफल प्रतिभागियों को आगे चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को संदेश दिया गया कि वे दलालों के झांसे में न आएं और पूरी तरह अपने प्रयास और योग्यता पर विश्वास रखें। सेना में भर्ती की प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी होती है, जहां सफलता केवल मेहनत एवं प्रदर्शन पर आधारित होती है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, अवैध निर्माण हटाने और त्वरित राहत कार्यों के निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, भारी बारिश के चलते जिले के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। हालात को देखते हुए जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर खुद मौके पर पहुंचीं और बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

मालन और खो नदियों का रौद्र रूप

मालन नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण ग्राम कछियाना व मुअज्जमपुर तुलसी प्रभावित हुए। जिलाधिकारी ने यहां अवैध अतिक्रमण की जांच के आदेश दिए और स्पष्ट कहा कि जलप्रवाह में बाधा डालने वाले निर्माण को तुरंत हटाया जाए।

कटान से निपटने को लेकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

चिड़ियापुर से मिजार्पुर उर्फ पीतमपुरा जाने वाले मार्ग पर अस्थाई पुल का एप्रोच रास्ता क्षतिग्रस्त मिला। PWD के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए,तत्काल सेंड बैग लगाकर कटाव रोका जाए, और वैकल्पिक जलप्रवाह की व्यवस्था हो। गांव बड़िया में संकट झ अस्थाई पुल पर खतरा नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल के पास कटान की गंभीर स्थिति। जिलाधिकारी ने आदेश दिया,ढहऊ जल्द से जल्द मजबूत और प्रभावी समाधान लागू करे। सुखरो नदी पर भी दबाव, ढकिया 52 सराय क्षेत्र में कटान कोटद्वार-नगीना मार्ग पर बनी एप्रोच रोड कटान की चपेट में। गुणवत्ता के साथ शीघ्र मरम्मत का निर्देश, साथ ही बिजली के झुके खंभे को भी सीधा करने के आदेश विद्युत विभाग को। खो नदी में हो रहा है कृषि भूमि का कटाव ग्राम सारंगवाला में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नदी की धारा खेतों को निगल रही है। सिंचाई विभाग को निर्देश, सेंड बैग सहित अन्य प्रभावी उपायों से कटान रोका जाए।

SDM और उड नगीना ने भी संभाली कमान

थाना बढ़ापुर क्षेत्र के सारंगवाला गांव में खो नदी के बढ़े जलस्तर के चलते रुद्र व उड नगीना ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों को दी सावधानी बरतने की सलाह, बच्चों व पशुओं को नदी से दूर रखने का निर्देश आपात स्थिति में प्रशासन को तुरंत सूचित करने की अपील। प्रशासन की तैयारियां पूरी, राहत व बचाव दल तैनातआपदा प्रबंधन की पूरी योजना तैयार कर ली गई है। संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित, राहत टीमों की तैनाती भी हो चुकी है। SDM का आह्वान– नागरिक प्रशासन से सहयोग करें, हम हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

आरएसपी इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट का चुनाव समपन्न

- लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा अध्यक्ष व मनोज कुमार दुबे बने मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

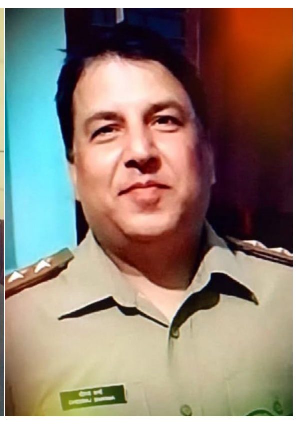

स्योहारा। नगर के शिक्षा के क्षेत्र में जाने माने आरएसपी इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट शाखा स्योहारा के लिये चुनाव किया गया ' जिसमें सर्वसम्मति से लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा को शाखा अध्यक्ष तथा मनोज कुमार दुबे को शाखा मंत्री चुना गया है लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा पहले एक दशक से शाखा मंत्री के पद पर काबिज रहे हैं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ में प्रांतीय प्रतिनिधि तथा जिला कार्यकारणीय सदस्य के पद पर भी काम कर चुके है। चुनाव में प्रधानाचार्या मधुबाला शर्मा, कांता प्रसाद पुष्पक, पंकज छाबड़ा, अरविंद कुमार, अनुज कुमार रस्तोगी, शरद वर्मा, ओमेंद्र कुमार त्यागी रघुवीर सिंह वीरेंद्र कुमार शाखा सदस्य के रूप में चुने गए। सभी ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ में रहकर अपने कर्तव्यों का शत प्रतिशत निर्वाह करने की बात कही '

संक्षिप्त खबरें

आपस में टकराए बजरी से भरे दो कंटेनर, चालक की मौत

गजरौला। हाईवे पर शाहबाजपुर डोर के निकट मंगलवार को बजरी से भरे दो कंटेनर आसपास में भिड गए। हादसे में एक कंटेनर चालक की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि दो कंटेनर आगे पीछे चल रहे थे। अचानक ब्रेक लगाने से हादसा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे में मरे कंटेनर चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाया।

भरभरा कर गिरा लिंटर, युवक की मौत, भाई गंभीर

नौगावां सादात।थाना क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती में मंगलवार सुबह हैंडलूम कारोबारी कमर आलम के बेटे सुहैल की लिंटर के पीचे दबने से हो गई। इस इस हादसे में जान गंवाने वाले युवक का भाई नावेद भी गंभीर रूप से घायल हो गया उसको निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। बारिश के चलते शहर में भी कई जगह पुराने मकानों की दीवारें दरककर गिर गई हैं।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में शुरू हुई चहल पहल

अमरोहा। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में चहल पहल है। रंग-बिरंगी राखियों से दुकानें सज गई हैं। कांवड़ यात्रा के बाद रक्षाबंधन की खरीदारी में तेजी आई है। सड़क किनारे रंग बिरंगी राखी की दुकानें सजी गई हैं। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए खूबसूरत राखियां खरीद रही हैं। इन दुकानों पर महंगी से महंगी और सस्ती से सस्ती राखियां उपलब्ध रहीं। सोने व चांदी से बनी सुंदर राखियां भी थीं। राखियों की खरीदारी बहनों ने जमकर की। जिन बहनों के भाई दूर दराज नौकरी व व्यवसाय करते हैं, उनको डाक व कोरियर से राखियां भेज चुकी है। बाजार में चंदन और कुंदन की राखियां भी लोगों को लुभा रही हैं।

एसटीपी प्लांट में जलभराव से परेशानी

ग्रेटर नोएडा,। इको विलेज वन सोसाइटी में अधूरे बने एसटीपी प्लांट में जलभराव से लोग परेशान हैं। आरोप है कि चार दिन पहले यहां बारिश का पानी भर गया। आसपास बने टावरों में रहने वाले लोगों को बीमारी फैलने का खतरा सता रहा है। सोसाइटी में रहने वाले समीर भारद्वाज ने बताया कि परिसर में आठ साल से एसटीपी प्लांट का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। करीब एक साल पहले निर्माण कार्य शुरू किया गया, इसके बाद बंद कर दिया गया। चार दिन पहले हुई बारिश का पानी निर्माणधीन एसटीपी प्लांट में भर गया। लोगों ने मेंटेनेंस प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन पानी निकाला नहीं गया। एसटीपी प्लांट के पास टावरों में रहने वाले लोगों को जलभराव से बीमारी फैलने का डर सता रहा है।

कंटेनर की टक्कर से दो मवेशी मरे

ग्रेटर नोएडा,। न्यू हॉलैंड कंपनी के समीप सोमवार की सुबह कंटेनर की टक्कर से सड़क पर घूम रही दो गाय की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गई। गांव के चौकीदार ने कंटेनर चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। ग्रेनो वेस्ट के तुस्याना गांव के चौकीदार खुशीराम ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार की सुबह किसी काम से साइकिल पर सवार होकर सूरजपुर जा रहे थे। वह न्यू हॉलैंड कंपनी के समीप पहुंचे तो कंटेनर चालक ने सड़क पर घूम रही तीन गोवंश को टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपी चालक कंटेनर लेकर भाग गया। हादसे में दो गाय की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गई। सेक्टर ईकोटेक-3 कोतवाली के प्रभारी का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे में कंटेनर दिखाई दिया है। पुलिस कंटेनर के नंबर से चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

तालाबों पर कब्जा, गांव में जलभराव और विधवा का मकान ध्वस्त: बिजनौर में प्रशासनिक निष्क्रियता पर उठे सवाल

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी तालाबों पर हो रहे अवैध कब्जों और प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर तीव्र असंतोष देखा जा रहा है। ग्राम पंचायत ढकौली और ग्राम अगरी में दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। ग्राम पंचायत ढकौली में मॉडल तालाब की लगभग 6 से 7 बीघा भूमि पर कथित रूप से ग्राम प्रधान व उनके परिजनों द्वारा कब्जा कर लिया गया। स्थानीय निवासी सुनील कुमार के अनुसार, तालाब के संकुचित हो जाने के कारण हाल की बारिश में पूरा तालाब भर गया और उसका पानी गांव की ओर लौटने लगा, जिससे जोगी चौराहे, गांव का प्राथमिक विद्यालय और कई घरों में जलभराव हो गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, दूसरी ओर ग्राम अगरी में तालाब पर हुए अतिक्रमण की शिकायत करने पर एक विधवा महिला के घर को प्रशासन द्वारा गिरा दिया गया। पीड़िता विधा देवी का आरोप है कि उन्होंने गांव के तालाब पर बने कई अवैध मकानों की लिखित शिकायत प्रशासन से की थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर उन्हीं के कच्चे मकान को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि जिनके विरुद्ध शिकायत की गई थी, उनके निर्माण यथावत हैं। पीड़िता ने कहा कि, हमने न्याय की उम्मीद की थी, लेकिन हमें ही सजा दे दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटनाएं प्रशासनिक भेदभाव और दबंगों के प्रभाव का प्रमाण हैं। वे मांग कर रहे हैं कि जिला प्रशासन पूरे जिले के तालाबों की भौतिक सत्यापन कराए, सभी अवैध कब्जों को बिना भेदभाव हटवाए और विधवा महिला को मुआवजा व पुनर्वास की सुविधा प्रदान करे। वर्तमान में दोनों ही मामलों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन न्याय की मांग कर रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष ने लावलपुर में छत गिरने से घायल किसानों से की मुलाकात, पीड़ितों को मदद का भरोसा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान आज जनपद के ग्राम लावलपुर पहुंचे, जहां किसान दिनेश कुमार के मकान की छत गिरने से सात लोग घायल हो गए। जिला अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। सुनील प्रधान ने कहा कि यह एक बेहद दुखद घटना है और भारतीय किसान यूनियन इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ी है। उन्होंने प्रशासन से भी मांग की कि घायल परिवार को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष के साथ यूनियन के अन्य पदाधिकारीगण - आशु चौधरी, जय सिंह, रजनीश अहलावत, मोनू प्रधान, कीरत बालियान और जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, सुनील प्रधान ने पूर्व राज्यपाल और किसान नेता सतपाल सिंह मलिक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मलिक जी एक जमीनी नेता थे, जिनका जुड़ाव गांव और किसानों से रहा। वे किसानों की आवाज हमेशा बुलंद करते रहे और उनके हितों की रक्षा के लिए संघर्षशील रहे। उन्होंने कहा कि किसानों ने एक सच्चा नेता खो दिया है जिसकी भरपाई कठिन है। यह दौरा भारतीय किसान यूनियन की जनसेवा और किसानों के हित में समर्पण को दर्शाता है, जिसमें संगठन हर समय किसानों के सुख-दुख में भागीदारी निभाता है।

भारी बारिश को लेकर अलर्ट, बिजनौर प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिले में आगामी 06 एवं 07 अगस्त को भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के हवाले से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्रीमती वान्या सिंह ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

क्या कहता है अलर्ट

अगले दो दिन तेज बारिश की संभावना विद्युत आपूर्ति, यातायात और जनजीवन पर असर पड़ सकता है फसल, पशुधन, वन्य जीव और संपत्ति को भी हो सकता है नुकसान प्रशासन ने दिए सुरक्षा के सुझावः घरों में सुरक्षित रहें, दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें अनावश्यक यात्रा से बचें बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें वाहन चलाते समय सावधानी बरतें पेड़ों के नीचे न बैठें और कंक्रीट की दीवारों से दूर रहें जल स्रोतों से दूर रहें और बिजली से संबंधित वस्तुओं से संपर्क न करें 247 कंट्रोल रूम नंबर बाढ़ से जुड़ी हर जानकारी यहां से लें जिला स्तर पर इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर तथा सभी तहसीलों और सिंचाई विभाग में कंट्रोल रूम सक्रिय हैं: जिला स्तर (247): 01342-262295, 01342-263031 तहसील स्तर कंट्रोल रूम: बिजनौर 01342-264048 धामपुर 01344-230035 नगीना 01343-250269 नजीबाबाद 01341-220419 चांदपुर 01345-220521 सिंचाई विभाग बाढ़ नियंत्रण कक्ष: मध्य गंगा बैराज बिजनौर 01342-263429 अफजलगढ़ (धामपुर) 01344-234247 पीली जलाशय चौकी थाना रहे वायरलेस सेट खो बैराज 9319450546 हरेवली बैराज।

श्री वेंकटेश्वरा में नवप्रेशित छात्र-छात्राओ के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम दीक्षारम्भ -2025 का आयोजन

- राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एवं इन्डस्ट्री की डिमाण्ड के अनुरूप ट्रैण्ड प्रोफेशनल्स तैयार कर रहा है वेंक्टेश्वरा समूह: सुधीर गिरि
- नयी शिक्षा नीति में युवाओ के लिए ढेरो सम्भावनाऐं, लेकिन आपको भीड़ से अलग अपने को अपग्रेड करना होगा: डॉ0 राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। छात्र-छात्राओ ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर नव प्रवेशित यू0जी0/पी0जी0 के छात्र-छात्राओ के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम दीक्षारम्भ -2025 का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान प्रबन्धन एवं प्रशासन ने नवागुन्तक छात्र-छात्राओ को स्वागत करते हुए उन्हे अपने अन्तर्राष्ट्रीय डिमाण्ड के अनुरूप तैयार करने की शपथ दिलाते हुए देश सेवा में जुड़ने का आवहान किया। समूह चेयरमैन सुधीर गिरि ने सभी नवप्रवेशित यू0जी0/पी0जी0 पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओ को नये सुनहरे भविष्य की शुभकामनाऐं देते हुए उनसे शत-प्रतिशत देते हुए देश सेवा में जुड़ने का आवहान किया। मंगलवार को श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर भवन में आयोजित दीक्षारम्भ -2025 कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह अध्यश सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे, सी0एस0ओ0 भूपेश गुप्ता, आर्थर करिश्मा बाबूलाल, आचार्य अश्विनी, आचार्य सिद्धार्थ, डीन एकेडमिक्स डॉ0 राजेश सिंह, कुलदीप सिंह, आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि ने कहा कि पूरी दुनिया में भारत की नयी शिक्षा नीति बहुत ही शानदार है, जिसमें सभी क्षेत्रो के युवाओ के लिए ढेरो रोजगार की सम्भावनाऐं निहित है, लेकिन इसके लिए आपको इसके अनुसार खुद को अपग्रेड करना होगा। श्री वेंक्टेश्वरा समूह पिछले एक दशक में विभिन्न क्षेत्रो में हजारो स्किल्ड नर्सिंग/मैनेजमेंट/फामेसी/इंजीनियरिंग/लॉ/लिवरल आर्टस/एग्रीकल्चर/एप्लाईड साईसेस प्रोफेशनल्स तैयार कर चुका है। ये बडे गौरव की बात है कि संस्थान के प्रोफेशनल्स युवा आज देश एवं दुनिया के विभिन्न शीर्ष संस्थानो में कार्य कर रहे है। लेकिन बदलते परिवेश में हमें युवाओ की नयी शिक्षा नीति के अनुरूप राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित करना होगा ताकि ये युवा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर अपनी प्रभावी उपस्थित दर्ज कर सके। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय युवाओ ने नर्सिंग/मैनेजमेंट/फामेर्सी/ इंजीनियरिंग/लॉ/लिवरल आर्टस/ एग्रीकल्चर/एप्लाईड साईसेस/ पैरामेडिकल एवं मेडिकल्स प्रोफेशनल्स में शानदार तरीके से काम करके भारत का गौरव बढाने का काम किया है। हम अपने यहां प्रवेशित यू0जी0/पी0जी0 के छात्र-छात्राओ को एक सफल एवं सुरक्षित कैरियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। दीक्षारम्भ-2025 कार्यक्रम को कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर कुलसचिव पीयूष पाण्डेय, डीन एकेडमिकस डॉ0 राजेश सिंह, डायरेक्टर आई0क्यू0ए0सी0 डॉ0 नीतू पवांर, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 अनिल जायसवाल, लीगल डायरेक्टर देवप्रताप, मेरठ परिसर से प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मनीष कुमार ने किया।

डीएससी रोड की हालत खस्ता, टूटी सड़कें बनी हादसों का कारण

- स्थानीय लोग बोले- जल्द कराएं मरम्मत, सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

नोएडा,। दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) मार्ग की हालत बद से बदतर हो गई है। सड़कें कई स्थानों पर टूट चुकी हैं, खासकर सेक्टर-41 आगहापुर और सेक्टर-49 बरौला गांव के सामने। यहां की टूटी सड़क की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। डीएससी रोड पर सेक्टर-41 आगहापुर गांव से लेकर सेक्टर-82 पेट्रोल पंप के पास नाले तक एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। लेकिन एलिवेटेड रोड के नीचे की सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। राहगीरों और वाहन चालकों को गंभीर दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। टूटी सड़क पर बढ़ा हादसों का खतरा दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए सड़क पार करना मुश्किल हो गया है। कई बार दोपहिया चालक गहरे गड्ढों में गिर चुके हैं, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई है। पवन यादव, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष (सेंचुरी अपार्टमेंट, सेक्टर-100) ने बताया, सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जो किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। प्राधिकरण तुरंत ध्यान दे। अनिल चौधरी, निवासी (बरौला गांव) ने कहा, विकास कार्य के दौरान दिक्कतें आती हैं, लेकिन गांव के सामने सड़क की स्थिति बेहद खराब है। मरम्मत तुरंत होनी चाहिए। दिनेश भाटी, अध्यक्ष (आरडब्ल्यूए, सेक्टर-48) ने कहा, टूटी सड़क की वजह से वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और बारिश में हालात और बिगड़ गए हैं। प्राधिकरण ध्यान नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण से मांग की है कि सड़क की तुरंत मरम्मत कराई जाए, ताकि हादसों को रोका जा सके और आवाजाही सुचारू हो सके।

लावारिस कुत्तों के पीछे पड़ने से बच्चा गिरकर घायल

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील ग्रीन्स-1 सोसाइटी में मंगलवार को लावारिस कुत्तों ने बच्चे पर हमला कर दिया। जान बचाने के लिए भागते समय बच्चा नीचे गिरकर घायल हो गया। लोगों का आरोप है कि परिसर में लावारिस कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। वे आए दिन लोगों पर हमला कर देते हैं। सोसाइटी में रहने वाली शिखा ने बताया कि उनका बेटा मंगलवार सुबह छह बजे जॉगिंग के लिए नीचे गया था। इसी दौरान पांच लावारिस कुत्ते उनके बेटे के पीछे भागने लगे। बेटे ने उनसे जान बचाने के लिए दौड़ लगाई तो उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान बच्चे के पैर, हाथ और अन्य हिस्से में चोटें आईं। खून भी निकलने लगा। आसपास के लोगों ने उसके पास पहुंचकर कुत्तों को भगाया। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में लावारिस कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। वे आए दिन लोगों पर हमला कर देते हैं, जिसके कारण लोगों ने अपने बच्चों को अकेले बाहर भेजना बंद कर दिया है। सोसाइटी में सबसे अधिक समस्या डॉग फीडिंग की है। लावारिस कुत्तों को सोसाइटी के बेसमेंट, लिफ्ट के पास और अन्य स्थानों पर खाना डाला जाता है, जिससे कुत्ते वहीं पर आकर बैठते हैं। ऐसे में जब वहां से लोग निकलते हैं तो वह उन पर हमला कर देते हैं। इस बारे में बिल्डर प्रबंधन से कई बार शिकायत की गई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

डिपो की बसें भीड़ के मुताबिक रूट बदल सकेंगी

नोएडा,। रक्षाबंधन पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो की बसें भीड़ के मुताबिक रूट बदल सकेंगी। चालकों की इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) में सभी रूट की बसों के विकल्प दर्ज कर दिए गए हैं। आम दिनों में यह व्यवस्था नहीं होती। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो में 305 बसें हैं। दोनों डिपो से तमाम शहरों के लिए बसें चलती हैं। इनमें आगरा, मथुरा, लखनऊ, बरेली, कासगंज, एटा, बदायूं, हरिद्वार, कोटद्वार, बिजनौर, अलीगढ़, कालागढ़, सहारनपुर और फरुर्खाबाद समेत अन्य शहरों के लिए बस सेवा शामिल है। त्योहारों पर रोडवेज की बसों में बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बसों के अतिरिक्त फेरों की सुविधा दी जाती है। इस बार रक्षाबंधन पर डिपो को 45 नई बसें मिल चुकी हैं। ऐसे में बसों की संख्या भी पहले के मुकाबले बढ़ गई है। 35 और बसें डिपो को मिलनी है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन पर संभव है कि कुछ रूट पर अन्य शहरों के मुकाबले अधिक भीड़ हो। इसमें समीप के शहरों की संख्या अधिक हो सकती है, इसलिए ईटीएम में सभी रूट के विकल्प दर्ज कर दिए गए हैं। परिचालक जिस शहर के लिए ज्यादा यात्री होंगे, उस रूट के लिए बस में यात्रियों के टिकट बनाएगा। उदाहरण के तौर पर जैसे बदायूं रूट पर यात्रियों की संख्या कम है और फरुर्खाबाद के लिए ज्यादा है तो बस बदायूं के स्थान पर फरुर्खाबाद भेजी जाएगी। बदायूं के लिए दूसरी बस की व्यवस्था की जाएगी। बहनों को निशुल्क सफर की सुविधा क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन पर सरकार की ओर से बहनों को निशुल्क सफर की सुविधा दी जाएगी। आठ अगस्त की सुबह छह बजे से दस अगस्त की रात 12 बजे तक बहनों को यात्रा के लिए किराया नहीं देना पड़ेगा। त्योहार के चलते यदि यात्रियों की रात में भी भीड़ रहेगी तो देर रात तक बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि डिपो की सभी बसें साधारण और सीएनजी से चलने वाली है। डिपो की अपनी एसी बस नहीं है। अन्य डिपो की एसी बसें नोएडा होकर निकलती है। इन बसों में लोग पहले ही टिकट बुक कर लेते हैं। साधारण बसों में भी ऑनलाइन टिकट बुक करने की सुविधा है। लोग उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की वेबसाइट ६६६.४स्त्र२१३.४स्त्रॅ.ङ्म५.ल्ल पर टिकट बुक कर सकते हैं। रक्षाबंधन के बाद जन्माष्टमी पर यात्रियों को बसों की बेहतर सुविधा देने पर जोर रहेगा। इसमें यात्रियों की संख्या के मुताबिक बसों के अतिरिक्त फेरों की सुविधा शामिल है। 50 हजार से अधिक यात्री करते हैं सफर अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार नोएडा डिपो की बसों में आम दिनों में 30 से 35 हजार तक यात्री सफर करते हैं लेकिन त्यौहारों में यह संख्या बढ़ जाती है। त्यौहारों पर एक दिन में 50 हजार से अधिक यात्री बसों में सफर करते हैं।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का डीएम मेधा रूपम ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों की समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी मेधा रूपम ने मंगलवार को एयरपोर्ट साइट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने टर्मिनल बिल्डिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण हिस्सों का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर एयरपोर्ट निर्माण कार्य में लगे अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। डीएम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और तय समयसीमा में प्रोजेक्ट पूरा करने की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी गौरव का विषय है, और इसके निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एयरपोर्ट निर्माण कार्य में जुटी निर्माण कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के वरिष्ठ अधिकारियों से बैठक की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों, यह सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा, तकनीकी व संचालन संबंधी सभी व्यवस्थाएं विश्वस्तरीय हों, इसके लिए लगातार निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण किए जाएं। डीएम मेधा रूपम ने निर्माण स्थल पर मौजूद इंजीनियरों, पुलिस अधिकारियों और ऑपरेशनल रेडनेस एंड एयरपोर्ट ट्रांसफर टीम के साथ पूरी तत्परता से हर पहलू पर चर्चा की। एटीसी टावर में भी उन्होंने पहुंचकर तकनीकी उपकरणों की स्थापना और संचालन प्रक्रिया की जानकारी ली। जिलाधिकारी के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर डीएम मेधा रूपम ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का कार्य राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि यह प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण हो और इसका लाभ आमजन को जल्द मिल सके। गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और उम्मीद की जा रही है कि यह एशिया के सबसे आधुनिक और व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक बनेगा।

बिजली उपकेंद्रों पर फीडर मैनेजर तैनात होंगे

पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन ने दिए आदेश

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। जिले में बिजली उपकेंद्रों पर लगे फीडरों पर फीडर मैनेजर तैनात होंगे। इसके लिए पावर कॉरपोरेशन के चैयरमेन ने आदेश जारी किए हैं। फीडर मैनेजर की जिम्मेदारी यह देखना होगा कि फीडर से कितनी बिजली गई और कितनी बिजली के बिल तैयार हुए। उपभोक्ताओं को बिल मिल रहे हैं या नहीं। कहीं गलत बिल तो नहीं मिल रहे। फीडर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के साथ नियमित संवाद भी बनाए रखेगा। फीडर मैनेजर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के बिल जमा कराने का कार्य भी करेंगे। जिले के विद्युत निगम के अधिकारियों ने चेयरमैन के आदेश के बाद फीडर मैनेजर तैनात कर उनकी जिम्मेदारी तय कर दी है। इनके कार्यों की निगरानी क्षेत्र के जेई और एसडीओ रखेंगे। इसी तरह जेई और एसडीओ के कार्यों की निगरानी अधीशासी अभियंताओं के जिम्मे होगी। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार जिले में विद्युत निगम के 106 बिजली उपकेंद्र है। इन उपभोक्ताओं पर करीब 810 फीडर लगे हैं। इसमें सर्किल वन में 357 फीडर और सर्किल-टू में 453 फीडर हैं। इन बिजली फीडर पर फीडर मैनेजर तैनात कर दिए हैं। कर्मचारियों की संख्या कम होने की वजह से एक व्यक्ति को एक से दो या दो से तीन फीडर का मैनेजर भी तैनात किया गया है। पावर कॉरपोरेशन के उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद सभी फीडर पर फीडर मैनेजर तैनात कर दिए गए हैं। उन्हें अधिकार और कर्तव्यों के बारे में सूचित कर दिया गया है, ताकि कार्य में किसी तरह की लापरवाही बरती न जा सके।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025

लाफ्टर शेफ्स 2 जीतने के बाद वेब सीरीज में नजर आएंगे एल्विश यादव

एल्विश यादव इस वक्त स्टारडम में जी रहे हैं। हाल ही लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब उन्हें एक और नया रियलिटी शो मिल चुका है। इसके अलावा वह एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। एल्विश एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है।
इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है।
एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज किए और MTV Roadies XX में नजर आए। वह इस शो के भी विनर बने, और हाल ही करण कुंद्रा के साथ लाफ्टर शेफ्स- एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड जीता।
एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ की बात करें, तो वह यूट्यूब के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज जीतकर मोटी कमाई कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विश को हर एपिसोड के लिए 2 लाख रुपये मिले। वह पूरे 44 एपिसोड्स में नजर आए। इस हिसाब से देखें तो एल्विश ने इस शो से 88 लाख रुपये कमाए। इसके अलावा उन्होंने और करण कुंद्रा ने प्राइज मनी भी जीती, जिसका खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

एल्विश यादव को मिला एक और शो, जियो हॉटस्टार पर शुरू

एल्विश यादव का करियर एकदम चरम पर है। उनके हाथ एक और नया रियलिटी शो लगा है, जिसे जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका नाम है अड्डा एक्सट्रीम बैटल। वह इसे होस्ट कर रहे हैं और हाल ही इसका प्रोमो भी रिलीज किया गया, जिसे एल्विश यादव ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

फरहान अख्तर स्टारर फिल्म 120 बहादुर में हुई राशि खन्ना की एंट्री

अभिनेता, निर्देशक और निर्माता फरहान समय 120 बहादुर को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। अब खबर है कि इसमें एक्ट्रेस राशि खन्ना को कास्ट कर लिया गया है। ये पहला मौका होगा, जब वह किसी फिल्म में फरहान के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक... राशि को ये फिल्म पिछली फिल्मों में उनकी अदाकारी के बलबूते मिली है। पिछली बार विक्रांत मैसी अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट में उन्होंने दिल जीत लिए थे। इससे पहले आई फिल्म योद्धा में भी राशि ने अच्छा काम किया था। मेकर्स को पूरा यकीन है कि राशि एक देशभक्ति और दिल छू लेने वाली इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगी। पिछले दिनों सुनने में आया था कि रेजांग ला की लड़ाई पर बेस्ड इस फिल्म में अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फरहान ने खुद को पूरी तरह झोंक दिया है। इसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले मेजर शैतान सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। फरहान अख्तर इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह का किरदार प्ले करेंगे।

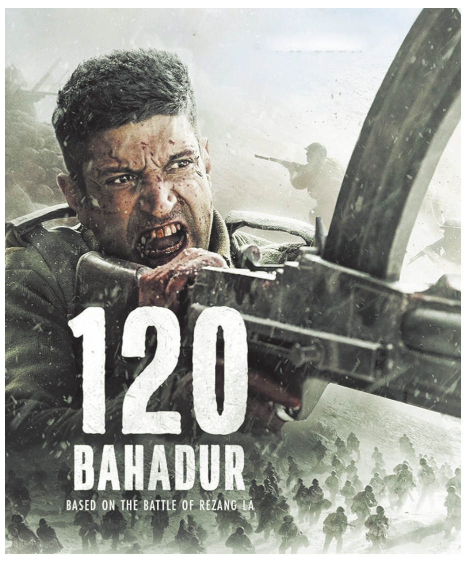

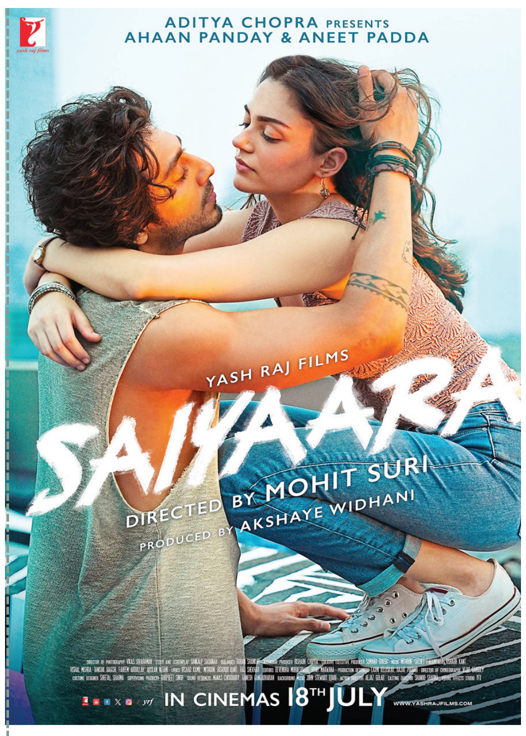

सैयारा के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि, 300 करोड़ी क्लब में हुई एंट्री

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा ने 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ले ली है। यह कारनामा फिल्म ने आज सोमवार को 18वें दिन कर दिखाया है। फिल्म विदेशों में भी धमाल कर रही है और वर्ल्डवाइड यह 400 करोड़ी क्लब का हिस्सा बन चुकी है। वहीं, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह 300 करोड़ी फिल्मों वाली लिस्ट में नाम दर्ज करा चुकी है। फिल्म सैयारा ने कल रविवार को 17वें दिन आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, आज के शुरुआती आंकड़ो में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 300.11 करोड़ रुपये हो गया है।

इस मामले में 300 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली पहली फिल्म

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा 300 करोड़ी कुनबे में शामिल होने वाली ऐसी पहली फिल्म है, जिसमें नए सितारे हैं। वहीं, यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह पांचवी फिल्म है, जो 300 करोड़ी बनी है। बता दें कि इस फिल्म को यशराज फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

एसएसएमबी 29 की शूटिंग के लिए भारत लौटीं प्रिंयका चोपड़ा

बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी से सभी के दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती के साथ भारत लौट आई हैं। सोमवार सुबह उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल की स्टोरी पर अपनी बेटी मालती की प्यारी तस्वीरें शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। कथित तौर पर प्रियंका एसएसएमबी 29 की शूटिंग के लिए हैदराबाद आई हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो शानदार तस्वीरें शेयर कीं, जो हैदराबाद की हैं। एक तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में मालती के नन्हें पैर दिखाई दे रहे हैं। प्रियंका ने इस पोस्ट के साथ हैदराबाद पहुंचने की बात कही और कैप्शन में लिखा, मां और मालती। एक और तस्वीर में प्रियंका ने लिखा, हैदराबाद हमने कर लिया मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका अपनी नई फिल्म एसएसएमबी 29 की शूटिंग के लिए भारत आई हैं। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जो 2027 में रिलीज हो सकती है।

अवने श्रीमन्नारायण के निर्देशक की अगली एक्शन फिल्म में दिखेंगे टाइगर

बॉलीवुड के यंग एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ जल्द ही एक नई हाई-कॉन्सेप्ट एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म प्रोड्यूसर मुराद खेतानी और अवने श्रीमन्नारायण जैसी चर्चित कन्नड़ फिल्म बना चुके डायरेक्टर सचिन रवि की अगली पेशकश होगी। टाइगर इस फिल्म की शूटिंग इसी साल अक्टूबर से शुरू करेंगे, जो करीब 45 दिनों तक चलेगी। सूत्रों के मुताबिक, टाइगर लंबे समय से एक अलग फॉर्मेट में एक्शन फिल्म की तलाश में थे। ऐसे में मुराद खेतानी और सचिन रवि ने उन्हें एक ऐसा आइडिया सुनाया, जिसने टाइगर को काफी प्रभावित किया।

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम जुड़ेगी

यह फिल्म न सिर्फ एक्शन से भरपूर होगी, बल्कि इसका कॉन्सेप्ट भी काफी यूनिक और नया होगा। फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम को इस प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा है। वहीं डायलॉग्स की जिम्मेदारी जवान और बॉर्डर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े लेखक सुमित अरोड़ा संभाल रहे हैं। यह फिल्म 2026 में बड़े परदे पर रिलीज की जाएगी। बता दें, डायरेक्टर सचिन रवि की यह पहली हिंदी फिल्म होगी। उन्होंने इससे पहले कन्नड़ इंडस्ट्री में ऑपरेशन अलमेलम्मा, अथाडे श्रीमन्नारायण जैसी विजुअली शानदार फिल्म दी है। साथ ही बतौर एडिटर भी वो किरिक पार्टी, उलिदवरु कांडंथे और सिंपल अगी ओंध लव स्टोरी जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं।

नेतृत्व और नियंत्रण पर बोलीं दिव्या दत्ता- दोनों में बड़ा अंतर

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जल्द ही अपकमिंग तेलुगू वेब सीरीज 'मायासभा- द राइज ऑफ द टाइटन्स' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह इरावती बोस का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने नेतृत्व और नियंत्रण के बीच के अंतर पर अपनी राय साझा की। दिव्या ने कहा कि नेतृत्व और नियंत्रण में कोई मामूली अंतर नहीं, बल्कि बहुत बड़ा फर्क है। उनके अनुसार, एक अच्छा नेता अपनी टीम को साथ लेकर चलता है, जबकि तानाशाही पूरी तरह अलग होती है। 'मायासभा' के ट्रेलर में दिव्या का किरदार इरावती बोस कहती है, कौन कहता है कि तानाशाही नेतृत्व नहीं है?
इस डायलॉग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया, यह डायलॉग बहुत दमदार है। नेतृत्व और नियंत्रण में बड़ा अंतर है। एक नेता अपनी टीम को प्रेरित करता है, जबकि तानाशाही दूसरों पर हावी होने की कोशिश करती है। दिव्या इस सीरीज के साथ तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्होंने इसे लेकर उत्साह जताया और कहा कि यह उनके 30 साल के करियर में एक नया और रोमांचक कदम है। दिव्या ने इरावती बोस के किरदार को चुनने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि इस किरदार की ताकत के साथ-साथ स्क्रिप्ट की गहराई और किरदारों के बीच की गतिशीलता ने उन्हें आकर्षित किया।
अभिनेत्री ने बताया, यह स्क्रिप्ट बेहद रोमांचक है। भारतीय स्क्रीन पर इस तरह का ड्रामा पहले कम ही देखा गया है। इरावती का अन्य किरदारों के साथ संबंध और उनकी बारीकियां मुझे एक अभिनेत्री के तौर पर उत्साहित करती है। निर्देशक ने मुझे इन बारीकियों को निभाने में बहुत मदद की। 'मायासभा- द राइज ऑफ द टाइटन्स' एक राजनीतिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने किया है। सीरीज में आधी पिनिसेट्टी और चैतन्य राव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि साई कुमार, श्रीकांत अय्यर, नासिर और तान्या रविचंद्रन जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण किरदारों में हैं। यह सीरीज 1990 के दशक के अविभाजित आंध्र प्रदेश की अस्थिर राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह दो प्रमुख राजनीतिक हस्तियों, नारा चंद्रबाबू नायडू और वाईएस राजशेखर रेड्डी, की दोस्ती से लेकर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता तक की यात्रा को पेश करती है। यह सीरीज 7 अगस्त से सोनी लिव पर हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल और मलयालम में स्ट्रीम होगी।

अभिनय से परे इन एक्टर्स ने होस्टिंग में भी आजमाया हाथ

बॉलीवुड की खूबसूरत और दमदार अदाकारा सोनाली बेंद्रे इन दिनों कलर्स टीवी के रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के साथ होस्टिंग करती नजर आ रही हैं। फिल्मों में अपनी मासूम मुस्कान और सधी हुई एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली का ये नया रूप दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। हालांकि ये पहला मौका नहीं है जब बड़े पर्दे के सितारे छोटे पर्दे पर नजर आए हों। इससे पहले भी कई सितारे एक्टिंग की दुनिया से हटकर होस्टिंग में हाथ आजमा चुके हैं।

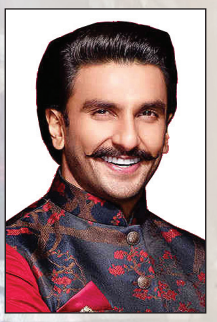

रणवीर सिंह

बॉलीवुड के एनर्जी किंग रणवीर सिंह ने साल 2022 में टीवी डेब्यू किया 'द बिग पिक्चर' के जरिए। कलर्स टीवी पर आए इस क्विज शो में उनका चार्म तो खूब दिखा लेकिन शो टीआरपी के मामले में खास नहीं चला। रणवीर की मेहनत और ब्रांड वैल्यू के बावजूद यह शो मात्र एक सीजन बाद बंद हो गया।

सलमान खान

टीवी होस्टिंग की दुनिया में अगर किसी स्टार का सबसे लंबा और सफल करियर रहा है, तो वह सलमान खान हैं। उन्होंने 'बिग बॉस' के चौथे सीजन से इसकी होस्टिंग शुरू की थी और अब तक 13 सीजन पूरे कर चुके हैं। सलमान का बतौर होस्ट चौदहवां सीजन भी आने वाला है। उनका दबंग स्टाइल और कंटेस्टेंट्स से सीधी बात दर्शकों को खूब पसंद आती है।

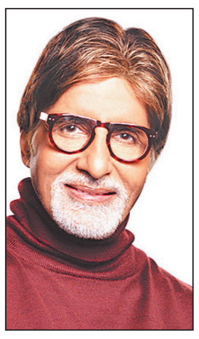

अमिताभ बच्चन

टीवी की दुनिया में महानायक अमिताभ बच्चन की पहचान 'कौन बनेगा करोड़पति' से जुड़ी है। साल 2000 में शुरू हुए इस शो ने छोटे पर्दे पर क्रांति ला दी थी। बिग बी की आवाज, अंदाज और ज्ञान ने शो को आज तक दर्शकों के दिल में कायम रखा है। वो 16 सीजन तक इस शो का हिस्सा रह चुके हैं और अब जल्द ही वो शो के नए सीजन के साथ वापसी भी करने वाले हैं।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी ने 'झलक दिखला जा' और 'सुपर डांसर' जैसे रियलिटी शोज को जज किया है। साल 2016 से 'सुपर डांसर' के साथ जुड़ने के बाद शिल्पा छोटे बच्चों की डांसिंग प्रतिभा को सपोर्ट करती आई हैं। हालांकि जज करने से पहले शिल्पा होस्ट की भूमिका में भी नजर आ चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस सीजन 2 को होस्ट कर चुकी हैं।

प्रियंका चोपड़ा

साल 2010 में प्रियंका ने 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी' सीजन 3 को होस्ट किया था। यह शो उन्होंने अक्षय कुमार की जगह किया था और अपने दमदार अंदाज से उन्होंने हर किसी को चौंका दिया। हालांकि यह उनका टीवी डेब्यू और आखिरी शो भी रहा, क्योंकि इसके बाद वो कभी टीवी पर वापस नजर नहीं आईं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी' से साल 2008 में टीवी होस्टिंग शुरू की थी। वो इस एडवेंचर शो के पहले दो और फिर 2011 का सीजन लेकर आए। उनकी फिटनेस और रफ-टफ स्टाइल के चलते ये शो सुपरहिट रहा।

अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर ने साल 2016 में 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 7 को होस्ट किया। हालांकि उन्हें दर्शकों से वैसी सराहना नहीं मिली जैसी अक्षय या रोहित शेट्टी को मिलती रही है। शो की टीआरपी में गिरावट दर्ज हुई, और अर्जुन का ये होस्टिंग डेब्यू ज्यादा असरदार नहीं रहा।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, बुधवार, 06 अगस्त, 2025

सैमसंग ने भारत में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विज़न एआई टीवी पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन'

ब्लॉकबस्टर डील्स की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने स्वतंत्रता दिवस के जश्न पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' कैंपेन की घोषणा की है। यह कैम्पेन 1 से 31 अगस्त, 2025 तक चलेगा और देशभर के रिटेल स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक सैमसंग के विज़न एआई से लैस बिग टीवी पर आकर्षक ऑफर्स के साथ अपने होम एंटरटेनमेंट का स्तर अपग्रेड कर सकेंगे। सैमसंग का यह एडवांस विज़न एआई टीवी पिक्चर, साउंड और कंटेंट को यूज़र की पसंद के अनुसार खुद-ब-खुद ऑप्टिमाइज़ कर एक रिफाइंड और इमर्सिव होम एन्टरटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। पिछले कुछ वर्षों में सैमसंग ने त्योहारी खरीदारी को ग्राहकों के लिए अधिक लाभकारी बनाने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इस बार अपने 55 इंच और उससे बड़े नियो क्यूएलइडी, ओयूएलइडी, क्यूएलइडी और क्रिस्टल 4के यूएचडी टीवी मॉडल्स पर जबरदस्त ऑफर पेश किए हैं। इनमें 93,000 रूपए तक का साउंडबार या 2,05,000 रूपए तक का टीवी एकदम मुफ्त मिल सकता है।

सैमसंग इंडिया के सीनियर डायरेक्टर और हेड - विजुअल डिस्प्ले बिजनेस, विप्लेश डांग ने कहा,

स्वतंत्रता दिवस ऐसा अवसर है, जब परिवार एक साथ भारत की विविधता और खूबसूरती का उत्सव मनाते हैं। 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' कैंपेन के जरिए हम चाहते हैं कि परिवार सैमसंग के एआई-पावर्ड बिग टीवी का आनंद लें, जो शानदार पिक्चर क्वालिटी, सिनेमैटिक साउंड और स्मार्ट विजन एआई फीचर्स से भरपूर हैं। हमारा उद्देश्य है कि एआई व्यूइंग जैसी प्रीमियम तकनीक देश के हर कोने तक पहुंचे। अपग्रेड को और भी आसान और किफायती बनाने के लिए सैमसंग ने आकर्षक फाइनेंस स्कीम्स की पेशकश की है। ग्राहक चुनिंदा 55-इंच और उससे बड़े टीवी पर 2,990 रूपए की आसान ईएमआई और 30 महीने तक की लंबी अवधि की योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही चुनिंदा बैंकों के ज़रिए 20 प्रतिशत तक कैशबैक और सैमसंग ऐक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत एक्सक्लूसिव कैशबैक भी मिल रहा है।

बिहार की कंपनी आदित्य विजन ने काटा गदर, 5 साल में 1 लाख को बना दिया 2 करोड़

नई दिल्ली,एजेंसी। शेयर बाजार से आप भी करोड़पति बन सकते हैं। आज हम आपको एक ऐसे शेयर के बारे में बता रहे हैं जिसने अपने निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न दिया है। यह शेयर - आदित्य विजन का है। यह पटना, बिहार बेस्ड रिटेल कंपनी है। इस शेयर ने पांच साल में 20,500 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। यानी, जिन निवेशकों ने 5 साल पहले इस कंपनी में सिर्फ 1 लाख लगाए थे, आज उसकी वैल्यू करीब 2 करोड़ हो चुकी है। बता दें कि आज मंगलवार को कंपनी के शेयर की कीमत 415 रुपये है।

कंपनी का कारोबार- आदित्य विजन एक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, जो बिहार, झारखंड और यूपी जैसे राज्यों में अपने स्टोर्स के जरिए टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसी चीजें बेचती है। कंपनी का बिजनेस लगातार बढ़ता गया और शेयर की कीमत भी आसमान छूती गई। मुनाफा वसूली और सुस्त उपभोक्ता भावनाओं के बीच 2025 में मंदी के बाजार में फिसलने के बाद, इस मल्टीबैगर स्मॉलकैप शेयर में एक बार फिर नई गति देखी जा रही है,

आईपीओ से 3600 करोड़ जुटाएगी जेएसडब्ल्यू, प्राइस बैंड का किया ऐलान, 7 अगस्त से ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान किया है। कंपनी ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों के लिए 139 रुपये से 147 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ निवेशकों के लिए 7 अगस्त को ओपन हो जाएगा। कंपनी का आईपीओ 11 अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी ने 102 शेयरों का एक लॉट बनाया है। बता दें, एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 6 अगस्त को खुल जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के शेयरों का अलॉटमेंट 12 अगस्त को होगा। वहीं, कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 अगस्त को प्रस्तावित है। बता दें, जेएसडब्ल्यू आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में होगी।

किसके लिए कितना हिस्सा आरक्षित रहेगा-जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा बुक रहेगा। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

3600 करोड़ रुपये है साइज

जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ का साइज 3600 करोड़ रुपये है। कंपनी फ्रेश इश्यू के जरिए 1600 करोड़ रुपये और 2000 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी करेगी।
एपी एशिया ऑपर्चुनिस्टिक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की तहत 931.80 करोड़ रुपये और सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट्स होल्डिंग लिमिटेड तरफ से 938.50 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। वहीं, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से 129.70 करोड़ रुपये के शेयर बेच जाएंगे।

राजीव आनंद को इंडसइंड बैंक का नया एंडी और सीईओ बनाया

मुंबई, एजेंसी। बैंकिंग सेक्टर के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने इंडसइंड बैंक के नएएमडी सीईओ के नाम पर मुहर लगा दी है। चार्टर्ड अकाउंटेंट राजीव आनंद अब इंडसइंड बैंक के नए एमडी सीईओ होंगे। बैंक ने बीते सोमवार की शाम को ही स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दे दी है। वह आगामी 25 अगस्त से अपना पदभार संभालेंगे। वह इस पद पर

तीन साल तक यानी कि 24 अगस्त 2028 तक बने रहेंगे। हालांकि, उनकी नियुक्ति तभी प्रभावी होगी जबकि इस फैसले पर बैंक के शेयरहोल्डर्स की अनुमति मिल जाएगी।
तीन व्यक्ति का आया था नाम- इंडसइंड बैंक के इस पद के लिए बैंक बोर्ड ने दो और लोगों के नाम पर विचार किया था। इनमें बजाज फाइनेंस के अनूप साहा और एचडीएफसी बैंक के राहुल शुक्ला का नाम भी शामिल था। लेकिन आखिर में राजीव आनंद को चुना गया।

कॉमर्स में ग्रेजुएशन और...

राजीव आनंद एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। इससे पहले, उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। उनके पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में 35 साल से ज्यादा समय तक काम करने का अनुभव है। उन्होंने एसेट मैनेजमेंट, रिटेल बैंकिंग और होलसेल बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में काम किया है।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी खुशखबरी

3 प्रतिशत बढ़ेगा डीए!

नई दिल्ली,एजेंसी। एक करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए अच्छी खबर है। खबर है कि जुलाई-दिसंबर के लिए महंगाई भत्ते (डीए) की घोषणा दिवाली के आसपास की जाएगी। डीए में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इस तरह डीए मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो जाएगा। बता दें कि जनवरी 2025 में सरकार ने ष्ठ में सिर्फ 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की, जिससे यह 53 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गया। उस समय कर्मचारियों में थोड़ी निराशा भी देखी गई थी, क्योंकि उम्मीदें इससे कहीं अधिक थीं।

पिछले 12 महीनों के मुद्रास्फीति के आंकड़ों और सूत्र-आधारित गणना के आधार पर डीए को साल में दो बार (हर छह महीने में) संशोधित किया जाता है। श्रम ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 के लिए अखिल भारतीय सीपीआई-आईडब्ल्यू 1 अंक बढ़कर

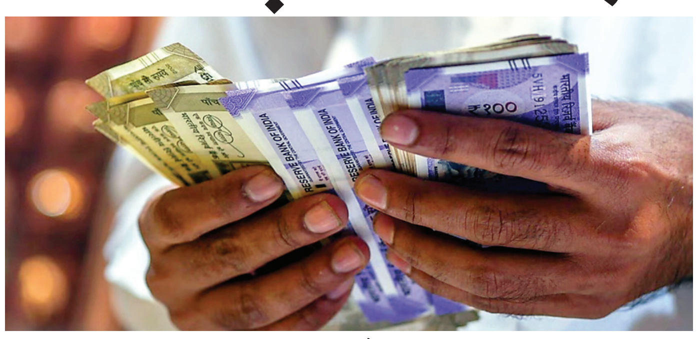

145 पर रहा। बता दें कि श्रम ब्यूरो ने हाल ही में जून 2025 के लिए औद्योगिक श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी किया है, जो 145 था। इसके साथ ही, जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 12 महीनों का औसत सूचकांक 143.6 हो गया है।

डीए बढ़ोतरी की घोषणा कब होगी

हालांकि नया डीए 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी माना जाएगा, लेकिन केंद्र सरकार आमतौर पर त्योहारों से ठीक पहले सितंबर या अक्टूबर में इसकी घोषणा करती है। इस बार भी, डीए/डीआर बढ़ोतरी की औपचारिक घोषणा दिवाली के आसपास की जा सकती है।जुलाई-दिसंबर 2025 में होने वाली यह महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी, 7वें वेतन आयोग (7वें वेतन आयोग) के तहत निर्धारित अंतिम बढ़ोतरी होगी, क्योंकि इस आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है।

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने पर गिरता है क्रेडिट स्कोर?

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रेडिट कार्ड का एटीएम से कैश निकालना आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए साइलेंट किलर साबित हो सकता है! आइए समझते हैं क्योंकि, कैश एडवांस के 3 बड़े नुकसान हैं। पहला ब्याज का, दूसरा क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो बिगड़ता है और तीसरा लोन लेना मुश्किल हो सकता है। पर्चेजेज पर 45-50 दिनों की इंटरेस्ट-फ्री पीरियड मिलती है, लेकिन कैश एडवांस पर ब्याज तुरंत लगता है (अक्सर 2-3.5 प्रतिशत प्रति माह)।उदाहरण के साथ ऐसे समझें। मान लीजिए आपने 20,000 कैश निकाला। 1 महीने में 700 अतिरिक्त ब्याज लग जाता है।

क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो बिगड़ता है- अगर आपका कुल क्रेडिट लिमिट 1 लाख है और आप 30,000 कैश निकालते हैं, तो सीयूआर 30 प्रतिशत हो जाता है (30 प्रतिशत से ऊपर सीयूआर स्कोर गिराता है)।

क्रेडिट स्कोर पर कैसे पड़ता है असर

अगर समय पर भुगतान नहीं तो भारी नुकसान। स्कोर 50-100 पॉइंट तक गिर सकता है। हाई क्रेडिट यूज यानी सीयूआर बढ़ने से स्कोर में 10-30 पॉइंट की कमी। बार-बार कैश निकालने से लेंडर्स आपको हाई-रिस्क प्रोफाइल मान सकते हैं। कैश एडवांस सिर्फ लाइफ-डेथ सिचुएशन में यूज करें। नियमित तौर पर इस्तेमाल करने पर कर्ज का जाल फैल सकता है।

बीईएमएल लिमिटेड को मिला रक्षा मंत्रालय से 282 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली,एजेंसी। बीईएमएल लिमिटेड को डिफेंस मिनिस्ट्री से काम मिला है। कंपनी को 282 करोड़ रुपये का काम मिला है। डिफेंस मिनिस्ट्री ने 8×8 हाई मोबिलिटी व्हीकल्स का काम मिला है। बीईएमएल लिमिटेड के शेयर 4040 रुपये के लेवल पर आज खुला है। कंपनी के शेयरों का भाव दिन में 4058.40 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। बता दें, कंपनी के शेयरों में उठापटक का दौर आज जारी है। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तेजी इस सरकारी कंपनी के शेयरों में देखने को मिली। कंपनी के शेयरों का भाव 6 महीने में 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

मार्च तिमाही में कैसा रहा है प्रदर्शन-बीईएमएल ने दी जानकारी में बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। कंपनी का नेट प्रॉफिट 287.50 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली थी।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के मामले में दिल्ली सबसे आगे

- **चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के हरियाणा नंबर 1**

नई दिल्ली,एजेंसी। इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने में दिल्ली, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ देश में सबसे आगे चल रहे हैं। नीति आयोग की ओर से सोमवार जारी पहले इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स में ये तीनों राज्य बाकियों से आगे रहे। कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा

का प्रदर्शन भी बाकियों से अच्छा माना गया। अपनी तरह के इस पहले इंडेक्स में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में श्वङ्क से जुड़े नियमों, नीतियों और इंफ्रा डिवेलपमेंट के 16 पैमानों पर तौला गया और 100 तक के स्कोर में इनकी रैंकिंग की गई। खासतौर से लोगों के ईवी को अपनाने में मददगार ट्रांसपोर्ट इलेक्ट्रिफिकेशन की प्रगति, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति और श्वङ्क रिसर्च एंड इनोवेशन को तवज्जो दी गई।

हिमालया वेलनेस ने भारत के नंबर 1 फेस वॉश को नया रुप दिया

नए 5 पार्ट्स ऑफ़ नीम फॉर्मूला के साथ

पिंपल से राहत से लेकर दीर्घकालिक रोकथाम तक — नेचर-बेस्ड स्किनकेयर में बड़ी प्रगति

मुंबई, एजेंसी। प्राकृतिक देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी हिमालया वेलनेस ने पिंपल केयर के नियमों को नए सिरे से परिभाषित किया है। 25 वर्षों से देश में पिंपल-प्रोन स्किन के लिए सबसे पसंदीदा समाधान बने रहने के बाद प्रतिष्ठित हिमालया प्यूरीफाइंग नीम फेस वॉश अब पुनः तैयार है, नए रूप में, और पिंपल्स की समस्या से निजात दिलाने के लिए तैयार है।

अब 5- पार्ट्स ऑफ़ नीम फॉर्म्युलेशन के साथ उन्नत ब्रांड का प्रमुख फेस वॉश त्वचा की देखभाल की सबसे निराशाजनक चुनौतियों में से एक से निपटने के लिए एक साहसिक कदम आगे बढ़ाता है, बार-बार होने वाले पिंपल्स।

दो दशकों से भी ज़्यादा समय से, हिमालया नीम फेस वॉश पिंपल-प्रोन स्किन के लिए भारत का सबसे भरोसेमंद विकल्प रहा है। हालांकि ज़्यादातर फेस वॉश पिंपल्स के इलाज पर ध्यान देते है, लेकिन बार-बार पिंपल्स से पीड़ित होना आज एक अनसुलझी समस्या बनी है- जिसे

अक्सर अपरिहार्य मान लिया जाता है। नवीनतम रूप में पेश किया गया यह फेस वॉश इस सोच को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह 5 पावरफुल पार्ट्स ऑफ द नीम प्लांट- परिपक्व पत्तियों, कोमल पत्तियों, फूल, फल और तने से युक्त है- नया फॉर्मूला सफाई से आगे बढ़कर पिंपल्स के चक्र को तोड़ने और उन्हें दोबारा होने से रोकने में मदद करता है। राजेश कृष्णमूर्ति, बिज़नेस डायरेक्टर - कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीज़न, हिमालया वेलनेस कंपनी, ने कहा, 25 वर्षों से हिमालया नीम फेस वॉश देशभर के करोड़ों लोगों की त्वचा की देखभाल के लिए भरोसेमंद साथी रहा है। यह रीलॉन्च उस यात्रा का अगला अध्याय है। फाइव पार्ट्स ऑफ नीम और उन्नत शोध की शक्ति के मेल से हम आज की युवा पीढ़ी को एक ऐसा समाधान दे रहे हैं जिस पर वे स्पष्ट और स्वस्थ त्वचा के लिए भरोसा कर सकते हैं। रागिनी हरिहरन, मार्केटिंग डायरेक्टर - ब्यूटी एंड पर्सनल केयर, हिमालया वेलनेस, ने कहा, बार-बार होने वाले पिंपल्स ऐसी चीज है जिसके साथ उपभोक्ताओं ने जीना सीख लिया है - इसलिए नहीं कि वे ऐसा करना चाहते हैं, बल्कि इसलिए कि अब तक किसी ने भी इस समस्या का प्रभावी समाधान नहीं दिया हैं। यह नया फॉर्मूला हमारे अब तक के सबसे प्रभावी समाधान के रूप में एक निर्णायक बदलाव दर्शाता है- प्रकृति द्वारा समर्थित, विज्ञान द्वारा प्रमाणित और पिंपल के चक्र को समाप्त करके वास्तविक अंतर लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
प्रभावशीलता और कोमलता दोनों के लिए चिकित्सकीय रूप से जांचा गया नया हिमालया नीम फेस वॉश पांचवे दिन से ही पिंपल्स को कम करता है और पिंपल्स के निशानों को हल्का करने में मदद करता है - जिससे त्वचा साफ़-सुथरी होती है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक के एक्सेसजीनी ने तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो को एआई-संचालित निगरानी से सशक्त बनाया

मुंबई, एजेंसी। भद्राचलम ब्रिज पर एक्सेसजीनी की रणनीतिक तैनाती ने वाहनों की रियल-टाइम ट्रैकिंग और संदिग्ध व्यवहार की पहचान को सशक्त किया है, जिससे नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो पाया है। ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड भारत की एक अग्रणी एआई और साइबर सुरक्षा कंपनी है, जो क्लाउड कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और एंटरप्राइज सॉल्यूशंस के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान कर रही है। कंपनी ने तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) के लिए अपनी प्रमुख एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म एक्सेसजीनी को सफलतापूर्वक स्थापित किया है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और इंटेलिजेंट निगरानी को नया स्तर मिला है। एक्सेसजीनी, बीसीएसएसएल का स्वदेशी समाधान, है जो पारंपरिक सीसीटीवी कैमरों को स्मार्ट, रियल-टाइम इंटेलिजेंस प्रणाली में बदल देता है। इसमें लाइव वीडियो फीड का उपयोग कर एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सेकंडों में प्रासंगिक सूचनाएं मिलती हैं, जो पहले घंटों की मैन्युअल मॉनिटरिंग में लगती थीं। भद्राचलम ब्रिज पर इसकी स्थापना टीजीएएनबी की ओर से नशे की तस्करी पर रोक लगाने का रणनीतिक कदम है। एक्सेसजीनी की हाई डेफिनिशन कैमरा प्रणाली और एक्सक्लूसिव लाइसेंस प्लेट रिकग्निशन (एलपीआर) तकनीक के जरिये संदिग्ध वाहनों और असामान्य व्यवहार पर त्वरित अलर्ट एसएमएस, ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से पहुंचाया जाता है, जिससे एजेंसियां फौरन कार्रवाई कर पाती हैं। एक्सेसजीनी की कड़ी सुरक्षा और मॉड्यूलर आर्किटेक्चर के चलते इसमें फेस रिकग्निशन, गनशॉट डिटेक्शन और उन्नत व्यवहार ट्रैकिंग जैसी क्षमताएं भविष्य में भी जोड़ी जा सकती हैं। इस प्रकार यह आधुनिक निगरानी के लिए एक सम्पूर्ण समाधान है।

सिराज-प्रसिद्ध की गेंदबाजी ने पलटा मैच

ओवल टेस्ट : दोनों ने मिलकर 17 विकेट लिए, यशस्वी भारत के इकलौते संेचुरियन ; जीत के रहे यह 5 हीरो

ओवल (एजेंसी)। ओवल का मैदान, पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन 27 हजार दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था। इंग्लैंड को जीत के लिए केवल 35 रन बनाने थे, जबकि भारत जीत से 4 विकेट दूर था।दिन का पहला ओवर करने पहुंचे प्रसिद्ध कृष्णा की पहली दो गेंदों पर चौके लगे। अब इंग्लैंड जीत से महज 27 रन दूर था, लेकिन अगले दो ओवर में सिराज ने जैमी स्मिथ और जेमी ओवर्टन का विकेट लेकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया।इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जोश टंग को बोल्ड कर दिया। इस वजह से चोटिल क्रिस वोक्स एक हाथ से बल्लेबाजी करने पहुंचे। इंग्लैंड की पारी फिर संभलती दिखाई दी, जब एटकिंसन ने सिराज की बॉल पर छक्का मार दिया, लेकिन सिराज ने अगले ओवर में उन्हें बोल्ड करके मैच भारत के नाम कर दिया। 5 हीरो, जिन्होंने भारत को हारा हुआ मैच जिताया।आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। जैमी ओवर्टन ने प्रसिद्ध कृष्णा पर लगातार दो चौके लगाकर दबाव बनाया। ऐसे में भारतीय कप्तान गिल ने मोहम्मद सिराज को गेंद थमाई। उन्होंने अपने पहले ओवर में ही जैमी स्मिथ (2 रन) को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करा दिया।इतना ही नहीं, अगले ओवर में जैमी ओवर्टन (9 रन) को पवेलियन भेजकर अंग्रेजों को दबाव में डाल दिया। फिर जब इंग्लैंड जीत से मात्र 7 रन दूर था, तब सिराज ने आखिरी उम्मीद गस एटकिंसन (17 रन) को यॉर्कर पर बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी। उन्होंने ओवल टेस्ट में कुल 9 विकेट झटके।

प्रसिद्ध कृष्णा- रूट को आउट कर मुश्किल में डाला

जसप्रीत बुमराह के बाहर होने की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को इस मुकाबले में मौका मिला। उन्होंने दोनों पारियों में 4-4 विकेट लेकर अपने चयन को पूरी तरह जस्टिफाई भी किया। पहली पारी में उन्होंने ओपनर जैक क्रॉली, जेमी स्मिथ, जेमी ओवर्टन और गस एटकिंसन के विकेट लिए। वहीं, दूसरी पारी में प्रसिद्ध ने बेन डकेट, जो रूट, जैकब बेथेल और जोश टंक को पवेलियन की राह दिखाई।दूसरी पारी में उन्होंने रूट का विकेट तब निकाला जब यह स्टार बल्लेबाज अकेले दम पर इंग्लैंड को जीत दिलाने में लगा था। चौथे दिन के खेल में उन्होंने रूट के बाद युवा बल्लेबाज जैकब बेथल का विकेट भी निकाला और यहां से इंग्लैंड की टीम दबाव में आ गई।

वाशिंगटन - 39 बॉल में फिफ्टी, 374 का टारगेट

तीसरा दिन...भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 357 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए थे। रवींद्र जडेजा 53 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसी स्कोर पर जोश टंग ने मोहम्मद सिराज को भी पवेलियन भेज दिया। अब आखिरी विकेट ही बचा था और टीम इंडिया के पास 334 रन की बढ़त थी, जो जीत के लिए काफी नहीं थी।यहां से वाशिंगटन सुंदर ने विस्फोटक बल्लेबाजी शुरू की। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा के साथ आखिरी विकेट के लिए 25 बॉल पर 39 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 396 रन पहुंचा दिया। इस तरह टीम इंडिया 374 रन का टारगेट सेट करने में कामयाब हुई।

यशस्वी - सेंचुरी लगाकर मजबूत शुरुआत दिलाई

भारत पहली पारी में 23 रन से पिछड़ रहा था। यहां से वापसी करने के लिए टीम को दूसरी पारी में बड़े स्कोर की जरूरत थी, लेकिन ओपनर केएल राहुल 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम इंडिया पर दबाव था क्योंकि दूसरे दिन स्टंप्स तक भारत के दो बैटर पवेलियन लौट चुके थे।ऐसे में यशस्वी जायसवाल ने 164 बॉल पर 118 रन की शतकीय पारी खेली और पारी को संभाला। उन्होंने नाइट वॉचमैन आकाश दीप के साथ तीसरे विकेट के लिए 150 बॉल पर 107 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने भारत की वापसी कराई। यशस्वी जायसवाल पहली पारी में मात्र 2 रन पर आउट हो गए थे।

टिम डेविड पर लगा जुर्माना, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए द्बुष्ट आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया। डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े। डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

नीदरलैंड तीन टी20 मैचों के लिए करेगा बांग्लादेश का दौरा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला में नीदरलैंड्स की मेजबानी करेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेंगी। यह श्रृंखला 30 अगस्त से शुरू होगी और तीनों मैच सिलहट में खेले जाएंगे। नीदरलैंड की टीम 26 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी और श्रृंखला शुरू होने से पहले तीन दिन प्रशिक्षण लेगी। पहला टी20 मैच 30 अगस्त को, दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 1 और 3 सितंबर को होगा, ये सभी मैच सिलहट के एसआईसीएस स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह श्रृंखला 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले बांग्लादेश के लिए महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। नीदरलैंड्स इससे पहले एक बार बांग्लादेश में खेल चुका है, 2014 टी20 विश्व कप के दौरान। दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिनमें से चार में बांग्लादेश ने जीत हासिल की है। 2012 में नीदरलैंड ने दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की मेजबानी की थी, आगामी दौरे से पहले उनका एकमात्र द्विपक्षीय मुकाबला होगा। दोनों टीमें पिछली बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में आमने-सामने हुई थीं, जहां बांग्लादेश ने 25 रनों से जीत हासिल की थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा।

इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे।

मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा। टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।

टेस्ट सीरीज में पहली बार 9 बैटर्स के 400+ रन

द ओवल (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी ड्रॉ रही। भारत ने इंग्लैंड को पांचवां टेस्ट 6 रन से हरा दिया। इसी के साथ सीरीज 2-2 पर खत्म हुई।यह टेस्ट इतिहास की पहली सीरीज रही जिसमें 9 बैटर्स ने 400 से ज्यादा रन बनाए। भारतीय कप्तान शुभमन गिल एक सीरीज में हाईएस्ट रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। इसी सीरीज में जो रूट टेस्ट क्रिकेट के सेकेंड टॉप स्कोरर बने।टेस्ट क्रिकेट में भारत की रनों के हिसाब से अब तक की सबसे छोटी जीत 6 रन की है। सोमवार को ओवल टेस्ट में भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। भारत की दूसरी सबसे छोटी जीत 13 रन से हुई थी। यह जीत 2004 में वानखेड़े स्टेडियम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली थी।टेस्ट इतिहास में पहली बार किसी सीरीज में 9 बल्लेबाजों ने 400 से ज्यादा रन बनाए। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के नाम था। 1975-76 की सीरीज में 8 बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए थे।शुभमन गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। उन्होंने 5 मैचों में 4 शतक के साथ 754 रन बनाए। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट की सीरीज में 732 रन बनाए थे।

मुझे भरोसा था कि जीत दिला सकता हूं: सिराज

लंदन (एजेंसी)। भारत ने ओवल टेस्ट 6 रन से जीत लिया है। इसी के साथ इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल की। सोमवार को मिली इस जीत के हीरो मोहम्मद सिराज ने मैच के बाद कहा- आज सुबह जब मैं सोकर उठा तो मुझे भरोसा था कि जीत दिला सकता हूं।

सिराज ने कहा-मैंने गूगल से एक फोटो डाउनलोड किया और उसे अपने वॉलपेपर पर लगाया कि मैं कर सकता हूं। 31 साल के तेज गेंदबाज सिराज कप्तान शुभमन गिल के साथ पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में आए और मीडिया से बातचीत की।

मोहम्मद सिराज ने हैरी ब्रूक के कैच ड्रॉप पर कहा-ब्रूक का विकेट गेम चेंजिंग मोमेंट था, अगर मैंने वो कैच ले लिया होता, तो मैच शायद इस स्थिति में पहुंचता ही नहीं। ब्रूक ने बेहतरीन पारी खेली।जीवनदान मिलने के बाद हैरी ब्रूक ने 111 रन की पारी खेली। उन्होंने जो रूट के साथ 195 रनों की अहम साझेदारी की। इस साझेदारी ने इंग्लैंड को रन चेज में आगे कर दिया था। बाद में आकाश दीप ने ब्रूक को बोल्ड करके इस साझेदारी को ब्रेक किया।

सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट में अपने दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने पर कहा-लॉर्ड्स में आउट होना दिल तोड़ने जैसा पल था, जड्डू भाई (रवींद्र जाडेजा) ने मुझे यही कहा था कि मैं खेलते रहूं और अपने पिता के बारे में सोचते रहूं कि उन्होंने यहां तक मुझे पहुंचाने के लिए कितनी मेहनत की थी।याद दिला दें कि मोहम्मद सिराज लॉर्ड्स टेस्ट के आखिरी दिन के आखिरी सेशन में एक लुड़कती हुई बॉल पर आउट हो गए थे। इससे भारत को 22 रन की दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इसी जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की थी।

एक हाथ से बैटिंग करने उतरे क्रिस वोक्स, मैनचेस्टर में जडेजा ने स्टोक्स के ड्रॉ का प्रपोजल ठुकराया

ओवल (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट 6 रन से जीत लिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही। पांचवें मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और उनके चार विकेट बचे थे, लेकिन टीम ने 28 रन बनाने में चार विकेट गंवा दिए। मैच के आखिरी दिन इंग्लिश पेसर क्रिस वोक्स चोट के बावजूद बैटिंग करने उतरे। उनके कंधे में मैच के पहले दिन चोट लग गई थी। हालांकि, उन्हें एक भी बार स्ट्राइक नहीं मिली, लेकिन उन्होंने नॉन स्ट्राइक एंड से दौड़कर रन जरूर बनाए। वहीं, सीरीज के चौथे मैच में रवींद्र जडेजा ने इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स के ड्रॉ का प्रपोजल ठुकरा दिया था। ऐसे ही इस सीरीज में कई मोमेंट्स देखने को मिले।इंजर्ड क्रिस वोक्स मैच में लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे। वोक्स मैच के पहले दिन चोटिल हो गए थे। मिड-ऑफ पर फिल्डिंग कर रहे वोक्स ने बाउंड्री पर डाइव लगाई और चौका बचाने में कामयाब रहे, लेकिन इस दौरान वे अजीब तरह से गिरे और कंधा चोटिल कर बैठे। फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

युवराज के पिता योगराज बोले

गिल की कप्तानी में मैच्योरिटी की क्लास

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने सोमवार को ओवल टेस्ट में इंग्लैंड टीम को हराकर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने शुभमन गिल की कप्तानी की जमकर तारीफ की है। योगराज सिंह सिक्सर किंग युवराज सिंह के पिता हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में आखिरी दिन 6 रन की रोमांचक जीत के बाद योगराज सिंह ने कहा कि पूरी सीरिज में गिल ने जो मेच्योरिटी दिखाई, उसे देखकर लगा ही नहीं कि वह पहली बार टीम की कमान संभाल रहे हैं। योगराज सिंह ने इसका श्रेय शुभमन गिल के पिता और अपने बेटे युवराज सिंह को दिया।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर गई टीम इंडिया का हर खिलाड़ी घायल होने के बावजूद डटा रहा। पंत भी चोट के बावजूद खेलने उतरे। यह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि जंग की जीत है। मैंने पहले भी कहा है कि टीम चयन के समय अगर मगर नहीं होना चाहिए। अब ऐसे सिलेक्टर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और कोच (गौतम गंभीर) हैं, जिनकी सोच बिल्कुल साफ और देशहित में है।

योगराज ने कहा कि इस समय टीम मैनेजमेंट का पूरा नजरिया सकारात्मक है और वे देश और टीम के लिए सोचते हैं। उन्होंने मीडिया की भूमिका की भी तारीफ करते हुए कहा कि इस बार सभी ने बेहतरीन काम किया। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी टीम इंडिया को जीत की बधाई दी है।उन्होंने कहा कि पहले शुभमन गिल की कप्तानी पर सवाल जरूर उठे। यह सिलेक्ट नहीं हुआ व सेलेक्ट नहीं हुआ। मीडिया क्रिटिसिज्म बंद होने पर टीम को शाबाशी मिली है।

सोनीपत में मां-बेटे ने जीते 6 गोल्ड

पहली बार नेशनल पावरलिफ्टिंग में लिया हिस्सा, गुजरात में हुई चैंपियनशिप

सोनीपत (एजेंसी)। सोनीपत की 40 वर्षीय महिला टीचर ज्योति और उनके 16 साल के बेटे मौलिक ने पहली बार नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है।

गुजरात के मेहसाणा में हुई इस चैंपियनशिप 2025 में दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया और अब विजेता बनकर सोनीपत लौटे हैं। ज्योति विकास नगर की रहने वाली हैं और सेक्टर 23 में अपने बेटे के साथ रहती हैं।

वे मॉडल संस्कृति स्कूल में प्राइमरी टीचर हैं। दिनभर पढ़ाने के बाद वे हर शाम दो घंटे बेटे के साथ जिम में मेहनत करती हैं। मां-बेटे की यही लगन अब सफलता की मिसाल बन गई है।

ज्योति बताती हैं कि वे पिछले लंबे समय से फिटनेस के लिए जिम कर रही थीं, लेकिन पावरलिफ्टिंग की तैयारी उन्होंने सिर्फ एक महीने पहले शुरू की। इसके बावजूद उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेकर तीन अलग-अलग इवेंट में गोल्ड मेडल जीते। वे मिक्स कैटेगरी, 63 किलो वेट कैटेगरी और 40 वर्ष आयु वर्ग में उतरीं। डेड लिफ्ट में 70 किलो, स्क्वाट में 75 किलो और बेंच प्रेस में 30 किलो वजन उठाकर उन्होंने हर वर्ग में टॉप किया।

11वीं में पढ़ाई कर रहे मौलिक ने भी सब-जूनियर वर्ग में 63 किलो वेट कैटेगरी में तीनों इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर मां के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सफलता की कहानी लिखी। पहली बार प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर उसने साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

ज्योति ने बताया कि उन्होंने और मौलिक ने सिर्फ 20 किलो की रॉड से प्रैक्टिस शुरू की थी। लेकिन आज वे 200 किलो तक वजन उठाने में सक्षम हैं। जब उनकी फिटनेस और ताकत में सुधार हुआ तो उन्होंने पावरलिफ्टिंग में भाग लेने का निश्चय किया। उन्होंने कहा कि जब प्रतियोगिता नजदीक होती है, तो वे पांच से छह घंटे तक अभ्यास करती हैं।ज्योति ने बताया कि वह और उनका बेटा ही अब परिवार हैं। पति से अनबन के चलते वे अलग हो चुकी हैं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। सुबह की टीचिंग और शाम की ट्रेनिंग में समय को बांटकर उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद को पूरी तरह फिट और मजबूत बनाया। उनकी मेहनत रंग लाई और दोनों ने पहले ही प्रयास में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।ज्योति और मौलिक की जोड़ी सिर्फ खेलों में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों से जूझने में भी मिसाल बन चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

एडीजी कुंदन कृष्णन बोले- बिहार में सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे

पटना, एजेंसी। नक्सलवाद पूरे देश के लिए एक बड़ी समस्या है। लाल आतंक का नारा बुलंद करने वाले नक्सलियों ने कई बार देश को गहरे जख्म भी दिए हैं। केंद्र और अलग-अलग राज्य सरकारें समय-समय पर इन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती हैं और उन्हें उनके अंजाम तक भी पहुंचाया जाता है। बिहार में भी नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। बिहार के कई जिले नक्सल प्रभावित माने जाते रहे हैं। इस बीच बिहार एडीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने बिहार में नक्सलियों के खात्मे को लेकर बड़ी बात कही है। एडीजी कुंदन कृष्णन ने बताया है कि बिहार में अब सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे हैं। एडीजी ने कहा, 'हमारा टारगेट है कि जो केंद्र सरकार का दिशा-निर्देश है और हथियारबंद नक्सलियों के उन्मूलन के लिए जो मार्च 2026 तक जो समय सीमा दी गई है उसका अनुपालन हो जाए। अभी बिहार में हमारी जानकारी में मात्र 3 ही हथियारबंद नक्सली बचे हैं। इनको लेकर भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही यह काम पूरे होने की उम्मीद है। बिहार चुनाव से पहले ही ये जो बचे हुए नक्सली हैं उन्हें मना कर आत्मसमर्पण करवा लिया जाएगा। अगर वो सरेंडर नहीं करते हैं तो हमारा बल भी जंगल में घूम रहा है। अगर वो उनपर फायरिंग करते हैं तो वो भी फायरिंग करेंगे।' एडीजी कुंदन कृष्णन के मुताबिक, बिहार अब नक्सलमुक्त राज्य बनने के कगार पर खड़ा है। साल 2025 में अभी तक एक भी बड़ी नक्सली हिंसक घटना नहीं हुई है। नक्सलियों में हथियार डालने और सरेंडर करने की होड़ मची है। यहां आपको बता दें कि एक समय था जब बिहार के 30 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे। एडीजी ने बताया है कि लखीराय और जमुई के कुछ दुर्गम इलाकों को छोड़कर पूरा उत्तर बिहार नक्सल-मुक्त हो चुका है।

स्कूल में चौथी क्लास के बच्चे को टीचर ने दी ऐसी सजा, कहा- 10 पेज अपशब्द लिखो

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्चे को ऐसी सजा दी गई कि हर कोई अचरज और गुस्से में हैं। कक्षा चार के एक बच्चे को टीचर ने 10 पेज गालियां लिखने की सजा दी। मामला धनबाद के हिल कॉलोनी स्थित संत मेरी स्कूल का है। आरोप है कि यहां एक टीचर ने बच्चे को गाली लिखने की सजा दी। बच्चे ने 10 पेज अपशब्द लिखे। कॉपी में यह लिखा देख परिजन भौचक्के रह गए। इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन और बाल संरक्षण पदाधिकारी से की। चौथी कक्षा के छात्र की कॉपी में अपशब्द लिखने पर मां स्कूल पहुंची, लेकिन तबतक स्कूल बंद हो गया था। स्कूल प्रबंधन की करतूत पर महिला गेट के पास रोने लगी। महिला को रोता देख मजार कमेटी व अन्य लोग पहुंचे। बाद में प्रिंसिपल को जानकारी दी गई। जब सुनवाई नहीं हुई तो महिला बच्चे को लेकर बाल संरक्षण पदाधिकारी के पास पहुंची और शिकायत की।

मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, ज्योति मल्होत्रा के पिता ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हिसार, एजेंसी।
पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आज छठी पेशी हुई। अदालत ने ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। इस बीच ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अपनी बेटी को निर्दोष बताया है।

उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कोरे कागज पर साइन कराकर खुद ही ज्योति का बयान लिखा है। देशद्रोह की धारा भी लगा दी लेकिन इसका कोई भी सबूत पुलिस अभी तक नहीं जुटा पाई है। हरीश मल्होत्रा ने कहा अब उनकी बेटी कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, मैं इसकी गारंटी लेता हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को भेजे पत्र में हरीश मल्होत्रा ने लिखा कि पुलिस की एफआईआर का आधार पूछताछ के दौरान ज्योति की ओर रिकॉर्ड करवाई गई स्टेटमेंट है। पुलिस ने उनकी बेटी से कई कोरे कागजातों पर साइन करवाकर अपने हिसाब से बयान लिखा है। संविधान का अनुच्छेद 20 हमें आत्म-दोषारोपण से बचाता है, जिसके तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को उसके खुद के खिलाफ गवाह नहीं बना सकती लेकिन एफआईआर में ज्योति को ही उसके खिलाफ गवाह बनाया हुआ है। यह एफआईआर असंवैधानिक है।

उन्होंने लिखा कि पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 जोड़ी गई है और देशद्रोह का कोई आरोप नहीं लगाया है। 9 दिन के रिमांड के दौरान भी ऐसे सबूत नहीं मिले हैं। ऐसे में पुलिस को यह धारा हटानी चाहिए। हरीश ने कहा कि हिसार के एसपी ने मीडिया में प्रेस नोट जारी कर स्पष्ट किया था कि जांच के दौरान ज्योति के किसी भी संवेदनशील, सैन्य और रणनीति जानकारी तक पहुंच नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में ऑफिशियल सिक्रेट एक्ट की धाराओं के आरोप भी मेरी बेटी के खिलाफ सही नहीं हैं।

हरीश मल्होत्रा ने कहा कि मेरी बेटी ट्रैवल ब्लॉगर थी और उसने पाकिस्तान यात्रा के सामान्य बनाए हैं। उनमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं हैं। फिर भी एजेंसी अगर कोई वीडियो हटाने के लिए कहती है तो उनको मेरी बेटी अपने ब्लॉग से हटा देगी, मैं इसकी गारंटी दे रहा हूं। अब मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी में पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसकी मैं गारंटी लूंगा। मेरी बेटी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करवाकर मुझे व मेरी बेटी को न्याय दिलाने का कष्ट करें।

1 अगस्त को ज्योति मल्होत्रा का 35वां जन्मदिन जेल में ही बीता था। ज्योति जब डेढ़ साल की थी तो उसकी मां उसे शिशु गृह में छोड़ कर चली गई थी और पिता और दादा दादी ने उसे पाला था। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद उसकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 26 मई को अदालत में पेश कर उसे हिसार की सेंट्रल जेल-टू भेज दिया था। तब से वह जेल में ही है और उसके पिता उस से मिलने आते रहते हैं। ज्योति के वकील कुमार मुकेश अब डिफॉल्ट बेल की एप्लिकेशन लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

मानेसर में भाजपा का दांव सफल, बिना लड़े ही सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों पर कब्जा

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम के मानेसर नगर निगम में मंगलवार को हुए सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एकतरफा जीत हासिल की है। भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण यादव सीनियर डिप्टी मेयर और रीमा दीपक चौहान डिप्टी मेयर के पद पर निर्विरोध चुन लिए गए। यह चुनाव मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर और उनके खेमे के 8 समर्थक पार्षदों की अनुपस्थिति में संपन्न हुआ, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार किया।

इस निर्विरोध जीत के साथ ही भाजपा ने मानेसर नगर निगम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जहां कुछ महीने पहले हुए मेयर चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा था। तब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर डॉ. इंद्रजीत कौर ने जीत दर्ज की थी, जिन्हें केंद्रीय मंत्री और गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह का करीबी माना जाता है। इस चुनाव से पहले हरियाणा की राजनीति में एक बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। अपनी जीत सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की क्रॉस वोटिंग से बचने के लिए भाजपा ने अपने और कुछ समर्थक निर्दलीय पार्षदों को कथित तौर पर नेपाल भेज दिया था। सूत्रों के अनुसार, लगभग 12 पार्षद पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नेतृत्व में नेपाल की यात्रा पर थे और चुनाव के दिन ही गुरुग्राम वापस लौटे। इस कदम ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। मानेसर नगर निगम में यह पूरा घटनाक्रम केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के बीच चल रहे राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई का एक और अध्याय माना जा रहा है। मेयर चुनाव में राव इंद्रजीत समर्थित उम्मीदवार की जीत को राव नरबीर के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया था। अब सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर अपने उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत सुनिश्चित कर राव नरबीर ने फिलहाल बढ़त बना ली है। इस साल हुए नगर निगम चुनावों में मानेसर एकमात्र ऐसा निगम था जहाँ भाजपा को मेयर पद पर हार मिली थी। कुल 20 पार्षदों वाली इस निगम में भाजपा के सात पार्षद जीते थे, जबकि 13 निर्दलीय थे। बाद में, राव नरबीर के प्रयासों से सात निर्दलीय पार्षद भाजपा में शामिल हो गए, जिससे निगम में भाजपा का संख्या बल बढ़ गया। इस पूरे प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में मानेसर नगर निगम की राजनीति में दोनों दिग्गज नेताओं के बीच खींचतान और तेज हो सकती है।

फिर जेल से बाहर आया रेप और हत्या का दोषी गुरमीत राम रहीम, इस बार 40 दिन की मिली पैरोल

रोहतक, एजेंसी।
बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल मिली है। इससे पहले अप्रैल 2025 में उसे 21 दिन की फरलो दी गई थी। यह 2020 से अब तक 14वीं बार है जब राम रहीम जेल से बाहर आया है। जेल अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राम रहीम मंगलवार सुबह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और सीधे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा आश्रम के लिए रवाना हुआ। अब तक वह कुल 326 दिन जेल में बिता चुका है।

गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 2019 में पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में भी उसे दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, 2002 में अपने ही मैनेजर रंजीत सिंह की हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा मिली थी। हालांकि, इस साल मई 2024 में उसे और चार अन्य आरोपियों- अवतार सिंह, कृष्ण लाल, जसबीर सिंह और सबदिल सिंह को दोषपूर्ण और संदिग्ध जांच का हवाला देते हुए बरी कर दिया गया।

इस साल जनवरी में राम रहीम को 20 दिन की पैरोल मिली थी, जबकि अप्रैल में 21 दिन की फरलो दी गई थी। अब अगस्त में उसे फिर 40 दिन की पैरोल दी गई है, जिससे उसकी लगातार रिहाई पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्षों में देखा गया है कि राम रहीम को चुनावी समय के आसपास जेल से बाहर आने की अनुमति मिली है।

हालांकि, चुनाव आयोग की सख्ती के चलते उसे चुनावी गतिविधियों में भाग लेने, भाषण देने और संबंधित राज्यों में ठहरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। गौरतलब है कि गुरमीत राम रहीम सोशल मीडिया के जरिए वीडियो संदेश जारी करता रहा है और उसके समर्थकों के बीच उसकी मौजूदगी का असर बना रहता है। उसके बार-बार जेल से बाहर आने को लेकर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए पैरोल देने का आरोप लगाया है।

गुरुग्राम के दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

गुरुग्राम , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और लोहे के पाइपों से लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में गुरुग्राम पुलिस के एक उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल की मौत हो गई और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात एक्सप्रेसवे पर धनौरी गांव के पास हुई, जब चारों पुलिसकर्मी एक जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ जा रहे थे। गुरुग्राम के सेक्टर 40 स्थित अपराध इकाई में तैनात उपनिरीक्षक संजय कुमार (45) और कांस्टेबल अमित (34) की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

हमीरपुर जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात 10 बजे से 10.15 बजे के बीच राठ थाना क्षेत्र के घमौरी गांव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और कांस्टेबल अमित कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायलों में सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) इंद्रजीत और हेड कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजेश वाहन चला रहा था।

हिमाचल भाजपा की 17 जिला कार्यकारिणी घोषित, महिलाओं को तवज्जो; जल्द बनेगी प्रदेश टीम

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश भाजपा ने प्रदेश भर में अपनी 17 जिला कार्यकारिणियों की घोषणा कर दी है। जल्द ही प्रदेश स्तर की नई टीम भी बनाई जाएगी। यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसने जनसंघ से लेकर आज तक संगठन की मजबूती और मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। डॉ. बिंदल ने बताया कि घोषित की गई 17 जिला कार्यकारिणियों में कुल 874 सदस्य और पदाधिकारी शामिल हैं। इनमें 358 महिलाएं और 258 अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक मजबूत संगठन खड़ा किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा के 171 मंडलों में बनी कार्यकारिणियों में कुल 7587 सदस्य हैं। इनमें 2569 महिलाएं और 3532 अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी वर्ग से हैं। प्रदेश के 8007 बूथों में से 7870 बूथों पर 11-11 सदस्यों की समितियां भी गठित कर दी गई हैं। इस तरह बूथ स्तर पर भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की संख्या 89,646 हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी और मजबूत टीम के साथ भाजपा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. बिंदल ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो कभी संसद में 500 सांसदों वाली बड़ी पार्टी थी, आज बहुत कम संख्या तक सिमट गई है। जबकि भाजपा, जो कभी सिर्फ दो सांसदों से शुरू हुई थी, आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गठन आजादी के लिए हुआ था, लेकिन आज वह सत्ता की राजनीति में उलझकर कमजोर हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस को भारत के तिरंगे से कोई परेशानी है तो वह साफ बताए। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा के लिए तिरंगा देश की आन, बान और शान है। भाजपा पूरे प्रदेश में 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएगी और 15 अगस्त को सभी 171 मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा, ताकि लोग देश के बंटवारे की पीड़ा को जान सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल कांग्रेस का संगठन पिछले एक साल से भंग पड़ा है और न बूथ स्तर पर कोई टीम है, न प्रदेश स्तर पर। इसके विपरीत भाजपा का हर कार्यकर्ता लगातार नई ऊर्जा के साथ मैदान में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन मजबूत और अभेद्य है और यही संगठन 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जीत की ओर बढ़ रहा है।

कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास नहीं बदल सकता, जो होना है वो होगा, अमेरिकी धमकी पर रूस का बयान

मॉस्को, एजेंसी। रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है। अब सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ की दर बढ़ाने की धमकी दी। अब इस पर रूस की सरकार का बयान भी आ गया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने अमेरिका द्वारा रूस के सहयोगी देशों पर लगाए जा रहे टैरिफ और प्रतिबंधों की तीखी आलोचना की। रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे नव-उपनिवेशवादी एजेंडा करार दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति के चलते आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। जब मारिया जाखारोवा से पूछा गया कि अमेरिका ने वैश्विक दक्षिण के रूस के सहयोगी देशों पर टैरिफ दर बढ़ा दी है तो अमेरिका की इस नीति को आप कैसे देखते हैं? इस पर मारिया जाखारोवा ने कहा कि दुर्भाग्य से प्रतिबंध आज के समय की हकीकत है, जिसका असर पूरी दुनिया के देशों पर पड़ा है। अमेरिका अपने घटते प्रभुत्व को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और अब दुनिया में बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उभर रही है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका नव-उपनिवेशवाद एजेंडा चला रहा है। राजनीति से प्रेरित होकर उन देशों पर आर्थिक दबाव बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वतंत्र होकर फैसले ले रहे हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम मुक्त व्यापार के उन सिद्धांतों का ही उल्लंघन है, जिसकी वकालत पश्चिमी देश ही करते थे। अब संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और मनमाने तरीके से टैरिफ और प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लैटिन अमेरिका में हमारे रणनीतिक साझेदार देश ब्राजील इस नीति का प्रमुख पीड़ित है। अमेरिका की यह कार्रवाई दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल की कोशिश है। इन चिंताओं के अलावा वैश्विक आर्थिक विकास के भी धीमा होने, आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने का भी खतरा है। रूस ने कहा कि हमारा विश्वास है कि कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास के प्राकृतिक घटनाक्रम को नहीं रोक सकता। हम हमारे सहयोगियों, समान विचारधारा वाले देशों और खासकर वैश्विक दक्षिण के अपने सहयोगी देशों का समर्थन करते हैं और इनसे ऊपर हम ब्रिक्स का समर्थन करते हैं।

धरती के नीचे छिपा है एक अनदेखा जीवन! चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की चौंकाने वाली खोज

बीजिंग/ओटाया, एजेंसी। जहां एक ओर दुनिया मंगल ग्रह और अन्य ग्रहों पर जीवन की तलाश में अरबों डॉलर खर्च कर रही है, वहीं चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की एक अभूतपूर्व खोज ने पृथ्वी के अंदर छिपे जीवन की परतें खोल दी हैं। यह अध्ययन यह साबित करता है कि हमारी धरती की गहराईयों में–जहां न तो सूर्य की रोशनी पहुंची है, न ही जीवन के लिए पारंपरिक शर्तें मौजूद हैं–एक विशाल और सक्रिय जीवनमंडल मौजूद है।

चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग ने कनाडा के अल्बर्टा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर के साथ मिलकर यह शोध किया। उनका निष्कर्ष है कि पृथ्वी की गहराइयों में मौजूद सूक्ष्मजीव –जिनमें प्रमुख रूप से प्रोकैरियोट्स होते हैं–सूरज की रोशनी की बजाय भूगर्भीय घटनाओं से मिलने वाली ऊर्जा पर निर्भर करते हैं।

इन जीवों की संख्या इतनी अधिक है कि वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये पृथ्वी के कुल जीवों की 95त्न तक आबादी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। ये सभी एककोशिकीय जीव होते हैं, जिनमें झिल्ली-बद्ध कोशिकांगों की अनुपस्थिति के कारण इन्हें प्राचीन और आदिम जीवन रूप माना जाता है। कैसे जिंदा रहते हैं ये जीवन रूप?

शोधकर्ताओं ने पाया कि धरती के नीचे जब भूकंप आते हैं, तो चट्टानों में दरारें उत्पन्न होती हैं। जब इन दरारों से पानी गुजरता है, तो यह चट्टानों के साथ रासायनिक अभिक्रिया करता है, जिससे हाइड्रोजन गैस और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन जैसी ऊर्जा-युक्त यौगिक उत्पन्न होते हैं। इनसे इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह शुरू होता है, जो सूक्ष्मजीवों की जैविक क्रियाओं को संचालित करता है।

शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में पृथ्वी के सामान्य सिलिकेट खनिज क्वार्ट्ज़ के साथ यह प्रक्रिया दोहराई। उन्होंने पाया कि जब क्वार्ट्ज़ पर तनाव पड़ता है और वह टूटता है, तब उसकी सतह जल के संपर्क में आकर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन यौगिकों का निर्माण करती है। यह प्रक्रिया भूमिगत जीवन के लिए ऊर्जा प्रदान करती है, बिलकुल किसी बैटरी की तरह।

यूके की पहली महिला एमआई5 प्रमुख स्टेला का निधन, 90 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 की पहली महिला प्रमुख और बाद में एक सफल थ्रिलर लेखिका बनी स्टेला रिमिंगटन का सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निधन हो गया। उनके परिवार ने बताया कि स्टेला 90 वर्ष की थीं। स्टेला रिमिंगटन ने एमआई5 की पहली महिला प्रमुख बनकर इतिहास रचा। कहा जाता है कि फिल्म अभिनेत्री जूडी डेंच, जिन्होंने सात जेम्स बॉन्ड फिल्मों में एमआई6 की प्रमुख एम का किरदार निभाया, स्टेला की इसी भूमिका से प्रेरित थीं। स्टेला के परिवार ने एक बयान में बताया कि रिमिंगटन ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने परिवार और प्यारे कुत्तों के साथ शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे आखिरी वक्त तक उस जीवन से जुड़ी रहीं, जिसे वह बहुत पसंद करती थीं। एमआई5 के वर्तमान महानिदेशक केन मैक्कलम ने कहा कि स्टेला रिमिंगटन ने एक महिला के रूप में दुनिया की किसी भी खुफिया एजेंसी की कमान संभालकर पुरानी बंदिशों को तोड़ा और नेतृत्व में विविधता का एक बेहतरीन उदाकरण पेश किया। स्टेला का जन्म 1935 में लंदन में हुआ था। उन्होंने एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी की पढ़ाई की। बाद में एक अभिलेखपाल के रूप में काम किया। 1960 के दशक में, जब वह अपने राजनयिक पति के साथ भारत में रह रही थीं, तब उन्हें ब्रिटेन की घरेलू सुरक्षा सेवा एमआई5 ने अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय में अंशकालिक क्लर्क और टाइपिस्ट के रूप में नियुक्त किया था। 1969 में, जब वह लंदन लौटीं, तो वह स्थ्ह5 में पूर्णकालिक रूप से शामिल हो गईं और धीरे-धीरे ऊंचे पदों तक पहुंचीं। यह उस समय असामान्य था, क्योंकि खुफिया एजेंसियों में ऊंचे पद अधिकतर पुरुषों को दिए जाते थे। स्टेला ने एमआई5 की सभी प्रमुख शाखाओं में काम किया, जैसे प्रति-जासूसी, आतंकवाद-रोधी और प्रति-विध्वंस आदि। शीत युद्ध के समय एमआई5 ने सोवियत जासूसों पर निगरानी रखी, उत्तरी आयरलैंड के उग्रवादी समूहों में घुसपैठ की और वामपंथी नेताओं व यूनियन प्रमुखों की जासूसी की। 2001 में स्टेला ने माना कि उस दौर में एमआई5 शायद कुछ ज्यादा ही जोश में था। 1992 में, स्टेला रिमिंगटन को एमआई5 का महानिदेशक बनाया गया। वह इस पद पर आने वाली पहली महिला थीं और पहली ऐसी प्रमुख थीं, जिनका नाम सार्वजनिक किया गया।

रूस के लिए लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है। जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे। जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। रॉयटर्स ने ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं। इस साल की शुरुआत में, जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में 100 से अधिक चीनी नागरिकों को तैनात किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129